हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 305, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 7 मई, 2024 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

रामद्रोह व राष्ट्रद्रोह कांग्रेस के डीएनए में : योगी आदित्यनाथ

कांग्रेस ने लगातार रामभक्तों और मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का अपमान किया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें रामद्रोही और राष्ट्रद्रोही बताया है। अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बात करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने लगातार रामभक्तों और मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का अपमान किया है। उसका ये आचरण दिखाता है कि वह वास्तव में सनातन राष्ट्र का अपमान करती रही है। कांग्रेस ने कभी कोई अवसर नहीं छोड़ा जब उसने देश और दुनिया में भारत को अपमानित न किया हो और सनातन धर्म को गाली न दी हो। उन्होंने कहा कि ये इंडी गठबंधन का करेक्टर है। ये लोग लगातार भारत की आत्मा को गाली देते हैं। हर प्रकार का प्रयास करते हैं कि बहुसंख्यक समाज अपमानित महसूस करे। चाहे कांग्रेस हो, सपा हो, नेशनल कांफ्रेंस हो या डीएमके हो, इन सभी का आचरण निंदनीय है और इनका आचरण ही इन्हें रसातल की ओर ढकेल रहा है। कांग्रेस नेत्री राधिका खेड़ा को रामलला के दर्शन करने पर उनकी पार्टी द्वारा अममानित किये जाने को लेकर पूछे गये सवाल पर योगी ने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में रामद्रोह है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ श्रीराम का ननिहाल है, कोई भी रामभक्त किसी भी पार्टी का हो सकता है। कांग्रेस नेताओं द्वारा अपनी पार्टी की नेत्री का अपमान किया गया है, ये दिखाता है कांग्रेस, सपा और इंडी गठबंधन के डीएनए में रामद्रोह है और जो रामद्रोही है वो राष्ट्रद्रोही भी है। भारत का कोई भी जागरूक नागरिक इन्हें वोट नहीं करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अपने आचरण से मजबूर हैं। सीएम योगी ने सभी रामभक्तों और नागरिक से अपील करते हुए कहा कि "जाके प्रिय न राम-बदैही, तजिये ताहि कोटि बैरी सम, जद्यपि परम सनेही॥" उन्होंने कहा कि कोई कितना भी आपका स्नेही हो, अगर वह राम विरोधी आचरण कर रहा है, तो मान के चलिए कि वह राष्ट्र विरोधी आचरण कर रहा है। वह कितना भी प्रिय हो उसे त्याग देने में ही देश और रामभक्तों का हित है। सीएम योगी ने कहा कि देश की जनता जागरूक है और अपना निर्णय ले रही है। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर कहा कि जो जितना बड़ा रामभक्त है वो उतना बड़ा राष्ट्रभक्त है। पीएम मोदी प्रखर राष्ट्रभक्त और रामभक्त हैं। 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करके अयोध्या में रामलला फिर से विराजमान हुए हैं। अयोध्या का कायाकल्प मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में संभव हुआ है। आज जो नई अयोध्या है ये एक नई गाथा हमारे सामने प्रस्तुत करती है। पीएम मोदी की कल अयोध्या में उपस्थिति देश ही नहीं पूरी दुनिया के रामभक्तों को अभिभूत कर रही थी। पूरी अयोध्या वहां उमड़ी थी। लाखों श्रद्धालु और रामभक्त मोदी जी के दर्शन को उत्सुक थे। मोदी जी का अयोध्या में अभूतपूर्व स्वागत हुआ।

भारत ने वंशवादी राजनीति को त्याग दिया, विकास की राजनीति आगे बढ़ रहा : नड्डा

पेद्दापल्ली (तेलंगाना)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। नड्डा ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी फर्जी वादों, फर्जी नारों, वोट बैंक की राजनीति और अपराधियों के जरिए किसी भी तरह से सत्ता में आने की कोशिश करती है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तेलंगाना के पेद्दापल्ली में एक जनसभा रैली को संबोधित करते हुए कहा, "हमने वह युग देखा है जब कांग्रेस शासन कर रही थी...और जब हम इसे याद करते हैं, तो हमें भ्रष्टाचार, नीतिगत पंगुता और अनिर्णय की चिंताओं को याद करना चाहिए जो उनके कारण हुई। शासन मॉडल और कांग्रेस फिर से देश को उसी युग में पीछे धकेलना चाहती है।" उन्होंने आगे कहा, "कांग्रेस फर्जी वादों, फर्जी नारों, वोट बैंक की राजनीति और अपराधियों के जरिए किसी भी तरह से सत्ता में आने की कोशिश करती है। आज, मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने वंशवादी राजनीति को त्याग दिया है और विकास की राजनीति आगे बढ़ रहा है।" जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की भी सराहना की और दावा किया कि देश आत्मनिर्भर भारत बनने की दिशा में प्रगति कर रहा है। साथ ही उन्होंने कहा, "हम 'सबका साथ, सबका विकास' के विचार के साथ आगे बढ़ रहे हैं। भारत एक वैश्विक नेता के रूप में चमक रहा है।

रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के रास्ते पर चल रहा देश : मोदी

राजमुंदरी (आंध्र प्रदेश)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में एक रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पार्टी और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश की जनता ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि जनता ने वाईएसआर कांग्रेस को पांच साल दिए थे, लेकिन उन्होंने इसको बुरी तरह से बर्बाद कर दिया, जिसके कारण आंध्र प्रदेश को पिछड़ेपन की बेड़ियों में जकड़े रखा। उन्होंने आगे कहा कि झारखंड में ईडी ने नोटों के पहाड़ खोदकर निकाले हैं। कांग्रेस वालों ने अपने नौकर के घर को काली कमाई का गोदाम बना रखा था। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी कांग्रेस के एक सांसद के घर से नोटों का एक पहाड़ मिला था। इतने नोट थे कि मशीनें भी गिनते गिनते थक गई थीं। ऐसा क्यों है कि जिनके पास भी नोटों के पहाड़ मिलते हैं, वो कांग्रेस की फर्स्ट फैमिली के करीबी होते हैं। ऐसा तो नहीं, ये जो पैसे पकड़े जा रहे हैं, वो कहीं सप्लाई होने के लिए रखे थे। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि कांग्रेस नेताओं ने नतीजों से पहले ही चुनाव में हार स्वीकार कर ली है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज के समय में 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के शानदार रास्ते पर चल रहा है और तेजी से विकास कर रहा है और पूरा विश्व भारत को लेकर आशावादी है।

वही प्रवर्तन निदेशालय की ओर से झारखंड में भारी मात्रा में नकद जब्त किए जाने का जिक्र पीएम नरेंद्र मोदी ने ओडिशा में एक चुनावी रैली में की। ओडिशा के नबरंगपुर में एक चुनावी सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई की कुछ लोग सराहना कर रहे हैं तो कुछ लोग इस भ्रष्टाचार और लूट को रोकने की आलोचना कर रहे हैं। पीएम ने कहा, "आज, पड़ोसी राज्य झारखंड में नोटों का पहाड़ मिला है। लोग कह रहे हैं कि चोरी हो गया और माल पकड़ रहा मोदी वहां। अब आप ही बताइए, यदि मैं उनकी चोरी रोकूंगा, उनकी आमदनी बंद कर दूंगा, उनकी लूट बंद कर दूंगा तो वे मोदी को गाली देंगे नहीं देंगे तो और क्या करेंगे।" पीएम ने चुनावी सभा में कहा, "क्या गालियों के बावजूद मुझे यह काम नहीं करना चाहिए? क्या मुझे आपके पैसों की रक्षा नहीं करनी चाहिए।" पीएम ने यह प्रतिक्रिया सोमवार को ईडी की ओर से झारखंड की राजधानी रांची में की गई बड़ी कार्रवाई के बाद दी है। सोमवार को केंद्रीय एजेंसी ने झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के घरेलू सहायक के आवास से 20 करोड़ रुपये जब्त किए। सोमवार की सुबह रांची में कई ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापेमारी की।

पहाड़ों में बेकाबू आग ने मचाया तांडव, पिथौरागढ़ में 106 जगह धधके जंगल; काबू करना हुआ मुश्किल

नैनीताल। जंगल की आग से हर दिन वन संपदा को नुकसान पहुंच रहा है वनों की आग से सबसे अधिक कुमाऊं मंडल प्रभावित हुआ है। राज्य में पिथौरागढ़ वन प्रभाग में सर्वाधिक जंगल की आग की घटनाएं हुईं हैं। तराई पूर्वी, अल्मोड़ा और चंपावत वन प्रभाग में भी पचास से अधिक जंगल की आग की घटना हो चुकी है। केवल नैनीताल सोइल कंजरवेशन वन प्रभाग में कोई भी घटना रिपोर्ट नहीं हुई है। गढ़वाल मंडल की बात करें तो सर्वाधिक जंगल की आग लगने की घटना सिविल सोयम पौड़ी वन प्रभाग में हुई है। यहां 65 आग लगने की घटनाएं हुई हैं। मसूरी में भी 42 घटनाएं हुई हैं। पिथौरागढ़ वन प्रभाग में पिथौरागढ़, गंगोलीहाट, बेड़ीनाग, डीडीहाट, अस्कोट, धारचूला, मुनस्यारी रेंज हैं। इसमें डीडीहाट रेंज आग की दृष्टि से सबसे अधिक संवेदनशील है। चंपावत वन प्रभाग के अंतर्गत जिले के पाटी ब्लॉक में इस बार आग की घटनाएं अधिक हुई हैं। इस प्रभाग में भिंगराड़ा चीड़ बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण अधिक संवेदनशील बना हुआ है। अल्मोड़ा में जागेश्वर, सोमेश्वर, रानीखेत, मोहान, अल्मोड़ा, द्वाराहाट रेंज सबसे अधिक संवेदनशील हैं। पिथौरागढ़ वन प्रभाग में गंगोलीहाट और डीडीहाट में रेंजर के पद रिक्त हैं। बेड़ीनाग रेंजर को गंगोलीहाट और अस्कोट के रेंजर को डीडीहाट का भी अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। पिथौरागढ़ में दो सब डिविजन डीडीहाट और बेड़ीनाग हैं। दोनों में एसडीओ की तैनाती हो गई है। आग पर काबू पाने के लिए एक रेंज में लगभग 15 कार्मिकों की टीम और लगभग सौ फायर वाचर हैं। चंपावत वन प्रभाग में दो एसडीओ के पद हैं, इसमें एक पद पर एसडीओ की स्थायी तैनाती है। यहां पर फायर सीजन शुरू होने के बाद चार वाहनों को किराए पर लेकर टीम आग बुझाने में जुटी है।हल्द्वानी वन प्रभाग में एक एसडीओ का पद रिक्त है। अल्मोड़ा वन प्रभाग में रेंजर के पांच, डिप्टी रेंजर के 10, वन दारोगा के 16 और वन रक्षक के 12 पद रिक्त हैं। वहीं सिविल सोयम में डिप्टी रेंजर का एक, वन दारोगा के आठ और वन रक्षक के 22 पद रिक्त हैं।

रांची में कई जगहों पर ईडी का छापा, मंत्री के निजी सचिव के घरेलू सहायक के घर से 20 करोड़ नकद बरामद

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड की राजधानी रांची के विभिन्न इलाकों में छापेमारी की। वीरेंद्र राम मामले में झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के घरेलू सहायक से भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई। नोट गिनने की मशीन को संजीव लाल के घर पर लाई जा रही है। बता दें कि अबतक 20 करोड़ से ज्यादा रुपये की गिनती हो चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि गिनती अभी भी जारी है। सूत्रों के अनुसार, नकद राशि 500 के नोटों में बरामद की गई। संजीव लाल के आवास पर स्टील के ट्रंक लाए गए हैं। बता दें कि ईडी ने पिछले साल फरवरी में झारखंड ग्रामीण विकास विभाग के चीफ इंजीनियर वीरेंद्र के. राम को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। लंबे समय तक पूछताछ के बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था। पूछताछ में ईडी के सामने वीरेंद्र राम ने कई बड़े व्यक्तियों के साथ अपने संबंधों का भी खुलासा किया। जानकारी के अनुसार राम के यहां 150 करोड़ की संपत्ति मिली थी। इसके अलावा दो करोड़ के स्वर्ण आभूषण भी बरामद किए गए थे। ईडी को वीरेंद्र राम के पास से एक लैपटॉप और कुछ पेन ड्राइव भी मिली थीं। ईडी ने पिछले साल 21 फरवरी को उनके 24 ठिकानों पर छापेमारी शुरू की थी जो 22 फरवरी को समाप्त हुई थी। इस छापेमारी के दौरान उनके पास से बरामद

दस्तावेजों के आधार पर वीरेंद्र राम से एजेंसी ने दो दिनों तक पूछताछ की थी। ईडी ने अदालत को बताया था कि राम और उसके परिवार के बैंक खातों की जांच में उनकी आय के कानूनी स्रोतों से अधिक धन की जानकारी प्राप्त हुई। आरोप है कि राम ने अपने पिता, पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के नाम पर चल और अचल संपत्ति अर्जित की।

भाजपा प्रत्याशी करणभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज सरेआम आचार संहिता की धज्जियां उड़ाने का आरोप

लखनऊ। बहुचर्चित सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे और कैसरगंज से भाजपा प्रत्याशी करणभूषण सिंह के खिलाफ प्रशासन की ओर से आचार संहिता उल्लंघन के मामले में तरबगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। मुकदमे में करण भूषण को नामजद करते हुए अज्ञात को भी आरोपी बनाया गया है। आरोप है कि बिना अनुमति वाहनों का काफिला निकालने के साथ ही उनके समर्थक आदर्श आचार संहिता और निषेधाज्ञा कानून की सरेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। तरबगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलसर बाजार में शनिवार को काफिले में समर्थकों ने आतिशबाजी की थी। जांच के बाद डीएम के आदेश पर यह मुकदमा दर्ज कराया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा शर्मा ने आचार संहिता उल्लंघन और बिना अनुमति काफिला निकालने के मामले को गंभीरता से संज्ञान लिया है। रविवार शाम करीब 7:00 बजे तरबगंज विधानसभा एफएसटी प्रभारी डॉ. सुमित कुमार की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है। आचार संहिता और निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद बेलसर चौराहे पर उनके काफिले में मल्टी शॉट क्रैकर फोड़े गए थे। इतना ही नहीं बिना अनुमति दर्जनों वाहनों के काफिले निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया गया साथ ही सोशल मीडिया अकाउंट से वीडियो भी शेयर की गई। गौरतलब है कि कैसरगंज सांसद व भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह विगत कई दिनों से सुर्खियों में बने हैं। पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों से घिरे बृजभूषण को इस बार भाजपा हाईकमान ने टिकट नहीं दिया। उनके बेटे करण भूषण सिंह को उनकी जगह पर चुनाव मैदान में उतारा है। आरोप है कि पिता बृजभूषण शरण सिंह की छवि और प्रभाव को कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र में ग्लैमर के रूप में जमकर इस्तेमाल हो रहा है। बिना अनुमति दर्जनों वाहनों के काफिले निकाले जा रहे हैं।

'राहुल ने करीबियों से कहा था- सरकार बनने पर पलट देंगे राम मंदिर पर फैसला' : प्रमोद कृष्णम

संभल। पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने बड़ा बयान दिया है। पूर्व कांग्रेस नेता ने कहा कि वह कांग्रेस में 32 साल से अधिक समय तक रहे हैं। जब राम मंदिर का फैसला आया तो राहुल गांधी ने अपने करीबियों के साथ बैठक की थी। पूर्व कांग्रेस नेता व ऐंचोड़ा कंबोह स्थित श्री कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी और उनकी टीम इस देश को किसी न किसी बहाने से तोड़ना चाहती है। पहले की कांग्रेस और वर्तमान की कांग्रेस में काफी फर्क है। कहा कि वह कांग्रेस में 32 साल से अधिक समय तक रहे हैं। जब राम मंदिर का फैसला आया तो राहुल गांधी ने अपने करीबियों के साथ बैठक की थी। इसमें कहा था कि कांग्रेस सरकार बनने के बाद वह एक सुपरपावर कमेटी का गठन करेंगे। राम मंदिर के फैसले को वैसे ही पलट देंगे जैसे राजीव गांधी ने शाह बानो के फैसले को पलट दिया था। आचार्य ने ऐंचोड़ा कंबोह स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बड़ी पार्टी है। कांग्रेस पार्टी की जब स्थापना हुई तो देशभक्त नेता थे। उस वक्त की कांग्रेस ने देश को जोड़ने का काम किया। महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू ने भारत को जोड़ने का काम किया। वर्तमान की कांग्रेस देश को तोड़ना चाहती है। राहुल गांधी और उनकी टीम देश को जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के नाम पर तोड़ने में लगी है। इसलिए वह गलत बयानबाजी करते हैं। इससे पहले कृष्णम ने कहा था कि चार जून के बाद कांग्रेस पार्टी के दो धड़े हो जाएंगे।

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता : मनोज सिन्हा

वाराणसी। जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि 21वीं शताब्दी में स्वावलंबी भारत के सपने को साकार करने के लिए पिछले 10 वर्षों में ऐतिहासिक अभूतपूर्व कार्य हुए हैं, निश्चित रूप से देश के आम आदमी के सर्वांगीण विकास से 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई रोक नहीं सकता। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सही मायने लागू होने से देश का युवा आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास से लबरेज है और स्वावलंबी विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए संकल्पित है। आज जब पूरे विश्व में युद्ध की स्थिति बनी हुई है, पूरी दुनिया भारत की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है।

महमूरगंज स्थित लॉन में सोमवार को वाराणसी नगर उद्योग व्यापार मंडल और सहयोगी संस्थाओं द्वारा '21वीं शताब्दी और स्वावलंबी भारत' विषयक संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि मनोज सिन्हा ने कहा कि आजादी के शताब्दी वर्ष में निश्चित रूप से स्वावलंबी और विकसित भारत को पुनः विश्वगुरु बनने से दुनिया की कोई ताकत रोक

नहीं सकती। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने कहा कि भारतीय जनमानस को मानसिक रूप से स्वावलंबी बनना होगा, इसके लिए जमीनी स्तर पर कार्य करने की जरूरत है। संचालन वाराणसी नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजीव सिंह (बिल्लू) ने किया। बाल चिकित्सक (पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आईएमए) डॉ. अशोक राय ने भी 21वीं शताब्दी में स्वावलंबी भारत का खाका खींचा। कार्यक्रम में भारत माता की जय, वंदे मातरम्, हर हर महादेव के उद्घोष से सभागार गुंजयमान होता रहा। संगोष्ठी में व्यापारी समाज एवम समाज के हर वर्ग के लोगों के साथ बड़ी संख्या में नारी शक्ति भी शामिल रही। सिंधु विकास समिति, श्री बाबा काशी विश्वनाथ सेवा समिति, उत्तर प्रदेश टेंट व्यापारी एसोसिएशन, अखिल भारतीय अग्रहरी समाज, बी.एन.आई., अतुल्य काशी, टूरिस्ट गाइड फेडरेशन ऑफ इंडिया सहित संस्थाएं शामिल रहीं।

श्याम लाल पाल सपा के नए प्रदेश अध्यक्ष बने, पाल वोट बैंक को साधने का प्रयास

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने श्याम लाल पाल को पार्टी का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसके सहारे पार्टी प्रदेश के पाल वोट बैंक को साधने का प्रयास कर रही है। पाल प्रयागराज के रहने वाले हैं। बता दें कि निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल फतेहपुर सीकरी से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में प्रदेश में संगठन की जिम्मेदारी श्याम लाल पाल को दी गई है। श्यामलाल पाल शिक्षाविद् हैं और एक इंटर कॉलेज से प्रधानाचार्य के पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। वह लगभग 20 सालों से समाजवादी पार्टी में हैं। वह नरेश उत्तम पटेल की समिति में उपाध्यक्ष के पद पर थे। श्याम लाल पाल 2002 में अपना दल के टिकट पर प्रतापपुर सीट से विधानसभा का चुनाव भी लड़े चुके थे। हालांकि, इसके कुछ दिन बाद ही वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। वह सपा में अलग-अलग पदों पर रहकर

लगातार काम कर रहे हैं। श्याम लाल पाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर प्रयागराज के कार्यकताओं ने खुशी जाहिर की है। तमाम नेताओं ने उन्हें बधाई देते हुए कहा है कि इससे पाल समुदाय के लोग इंडिया गठबंधन के साथ जुड़ेंगे।

संपादकीय

शांति की पहल हो

कभी बेहद शांत कहे जाने वाले मणिपुर में हिंसक संघर्ष शुरू हुए एक साल बीत चुका है। बीते साल तीन मई से राज्य में जातीय संकट के भयावह दृश्य नजर आये थे। जातीय संकट से जूझ रहे राज्य में बहुसंख्यक मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के विरोध में आदिवासी एकजुटता मार्च कालांतर हिंसक संघर्ष में बदल गया था। इसके बाद मणिपुर की घाटी में रहने वाले मैतेई व पहाड़ियों में रहने वाले आदिवासी कुकी समुदाय के बीच हिंसक झड़पे शुरू हो गई थीं। बताते हैं कि संघर्ष में भाजपा शासित इस राज्य में दो सौ से अधिक लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। इतना ही नहीं, संघर्ष में हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं। जो विभिन्न शरणार्थी शिविरों में अपने दिन गुजार रहे हैं। यह विडंबना ही है कि केंद्र व राज्य सरकारें दोनों समुदायों के बीच उत्पन्न मतभेदों को दूर करने में विफल रही हैं। जिसके चलते राज्य में शांति व सामान्य स्थिति की बहाली नहीं हो पायी है। विपक्षी दल कुशासन व अक्षमता के आरोप लगाकर लगातार मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को हटाने की मांग करते रहे हैं। लेकिन भाजपा उनके साथ लगातार खड़ी नजर आई। हालांकि, बीते साल स्वतंत्रता दिवस समारोह के मौके पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की थी कि पूरा देश मणिपुर के साथ खड़ा है। यह भी कि केंद्र और राज्य सरकारें इस जटिल मुद्दे के समाधान के लिये यथासंभव प्रयास करेंगी। हालांकि, कई बार केंद्र सरकार की ओर से हिंसा प्रभावित राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार की बात भी कही गई। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है कि प्रधानमंत्री देश-दुनिया की यात्राएं लगातार करते हैं लेकिन उन्होंने मणिपुर जाकर दूरियां घटाने का प्रयास नहीं किया। विपक्ष कहता रहा है कि केंद्र सरकार ने मणिपुर के लोगों को उनकी किस्मत के भरोसे छोड़ दिया। कहा जाता रहा है कि केंद्र की राजनीति में मणिपुर की बड़ी भूमिका नहीं होती, इसलिए इस संकट के समाधान की तरफ गंभीर पहल नहीं हुई। दरअसल, राज्य से दो ही सांसद चुने जाते हैं, इसलिये चुनाव को लेकर शेष भारत जैसी गहमागहमी राज्य में नजर नहीं आई। इसके बावजूद अच्छी बात यह है कि इस दुःस्वप्न के बाद भी मणिपुरियों की लोकतंत्र में आस्था को कम नहीं किया जा सका। लोगों ने शेष भारत से अधिक प्रतिशत में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। असामाजिक तत्वों द्वारा ईवीएम को नुकसान पहुंचाने तथा मतदाताओं को धमकाकर मतदान को बाधित करने के प्रयासों को लोगों ने भारी मतदान से निरर्थक बना दिया। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों को अपने व्यवहार में धीरता-गंभीरता लानी चाहिए। उन समूहों व संगठनों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए जो दोनों समुदायों के जख्मों पर मरहम लगाने का काम कर सकें। मणिपुर की तनावपूर्ण स्थितियों को काफी समय हो चुका है। यह राज्य अंतर्राष्ट्रीय सीमा के निकट एक संवेदनशील क्षेत्र है। इस सीमावर्ती राज्य में शांति और स्थिरता लाने के लिये नीतियों में बदलाव लाने की सख्त जरूरत है।

लगे खेलने खेल !

है अभी शुरूआत ये ।
लगे खेलने खेल ।।
रहा यही यदि हाल ।
होगा कैसे मेल ?
सारे चतुर खिलाड़ी ।
रहे हैं पासा फेंक ।।
है गद्दी का मामला ।
मतभेद भी अनेक ।।
होंगे कैसे एकजुट ?
है वही सवाल ।।
हो रही ना शांति ।
बस केवल बवाल ।।
एकता की बात थी ।
होते दरकिनार ।।
झलक रहा है बहुत कुछ ।
करते जो व्यवहार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

सृजन विरोधी सफलता के सपनों का कारोबार

अविजीत पाठक

जैसा कि होता है, यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा के परिणाम मीडिया और लोगों का ध्यान खींचते हैं, टॉपर्स के दमकते चेहरों की फोटो चहुंओर दिखने लगती हैझ ब्रांड बन चुके कोचिंग सेंटरों की ओर से जारी विज्ञापनों से शहरों में बिल बोर्ड्स से लेकर अग्रणी अखबारों के मुखपृष्ठ तक पट जाते हैं। यही कुछ विभिन्न शिक्षा बोर्डों से संबद्ध स्कूलों के परीक्षा परिणाम आने पर होता है, तब भी यह प्रक्रिया दोहराई जाती है अर्थात् भौतिकी, रसायन, गणित और जीव-विज्ञान में शानदार प्रदर्शन कर दिखाने वाले टॉपर्स किशोर-किशोरियों की सफल छवि का निर्माण करना!

ऐसी सफलता गाथाएं सुन-सुनकर मैं थक चुका हूं, बल्कि, मेरी रुचि व्यवस्था की वह नब्ज पकड़ने में है, जो चुनींदा सफलता की चकाचौंध फैलाकर वास्तव में असफलता का निर्माण कर रही है। गौरतलब है, भारत भर में यूपीएससी कोचिंग उद्योग का सालाना कारोबार लगभग 3000 करोड़ है। यदि दिल्ली के मुखर्जी नगर और करोल बाग की छोटी-बड़ी गलियों में जाएं और युवा अभ्यर्थियों से बात करें जो भविष्य के इंजीनियर, डॉक्टर, पीएचडी, यूनिवर्सिटी विद्यार्थी बनना चाहते हैं तब आपको महसूस होगा सफलता के सपने की ताकत का, जिसके जरिये कोचिंग सेंटरों के नामचीन गुरुओं ने अपने नोट्स, लेक्चर, गाइड पुस्तकों, इंटरव्यू रणनीति और यहां तक कि अपने प्रेरणास्पद भाषणों से इन चाहवानों को फांस रखा है।

बहरहाल, यह सपना खूब बिक रहा है क्योंकि हम एक ऐसे समाज में रह रहे हैं जो ताकत की पूजा करता हैझ जरूरी नहीं वह ताकत ज्ञान और अक्ल की हो, वह राजनीतिक-प्रशासनिक एवं आर्थिक भी हो सकती है। छोटे शहरों और गांवों के असंख्य मध्यवर्गीय अभिभावकों के लिए, यह बहुत मायने रखता है यदि उनका बेटा या बेटी जिला उपायुक्त या पुलिस कप्तान बन जाए, क्योंकि इस पद के साथ ताकत, विशेषाधिकार और ग्लैमर स्पष्ट रूप से जुड़े हैं। इससे स्थानीय समाज में उनका रुतबा और हैसियत ऊंची हो जाती है। बेशक, यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने की मिथकीय सफलता का अपना सम्मोहन है। हालांकि, अनुपात के हिसाब से सफल होने वालों की संख्या बहुत कम है (मसलन, 2023 में 13 लाख अभ्यर्थी यूपीएससी की प्री-लिम परीक्षा में बैठे थे लेकिन आखिर में 1016 ही चुने गए), फिर भी यह धंधा फल-फूल रहा है। जहां हम सफलता गाथाओं की महिमा गाते हैं, वहीं कोचिंग की ये दुकानें असफल रहे उम्मीदवारों का कितना मानसिक एवं बौद्धिक नुकसान कर रही हैं, उस पर गौर करने में विफल रहते हैं।

जरा सोचिए, यह मिथकीय सफलता पाने को अधिकांश प्रत्याशी पांच से छह साल लगातार प्रयासरत रहते हैं, इस बीच इतिहास, भूगोल, समाज विज्ञान, मनोविज्ञान व सामान्य ज्ञान के नोट्स रात-दिन रटते हैं, भारी मात्रा में पैसा लगता है, फिर भी बारम्बार असफल होते हैं! हां, यह अमानवीय और मशीनी तंत्र उन्हें खत्म कर रहा है मनोवैज्ञानिक और बौद्धिक रूप से। इनमें कइयों के लिए, असफलता के आघात से जख्मी हुए स्वाभिमान से उबरना, उम्मीद एवं रचनात्मकता के साथ जीवन को पुनः परिभाषित करना मुश्किल हो जाता है।

आगे, समूचा तंत्र उच्चतर शिक्षा के मूल उद्देश्य को बहुत नुकसान पहुंचा रहा है। अवश्य ही, यदि कोई आईआईटी-कानपुर से इंजीनियर अथवा नई दिल्ली के एम्स से डॉक्टर बनकर निकले या पुलिस अफसर या टैक्स कमिश्नर बने, तो यह देवत्व पाने जैसा नहीं है। इसी प्रकार, यदि किसी अग्रणी यूनिवर्सिटी से इतिहास का छात्र सिविल परीक्षा की तैयारी के चक्कर में, अपनी सामान्य कक्षाएं लगातार न लगाए, एरिक हॉब्सबॉम या इरफान हबीब जैसों को भूल जाए, और मुख्य ध्यान सिर्फ कोचिंग सेंटरों के रणनीतिकारों द्वारा दिए नोट्स या कुंजियों पर केंद्रित रखे (हां, यू-ट्यूब पर ऐसे कइयों के लाखों की संख्या में फॉलोवर्स हैं), यह संकेतक है नुकसान की उस तीव्रता का जो कोचिंग सेंटरों के धंधेबाजों ने हमारे विश्वविद्यालयों में खोजपरक अध्यापन और अनुसंधान की प्रगति का कर डाला है। हम यह भूल चुके हैं कि एक जीवंत राष्ट्र को जरूरत है महान भौतिक विज्ञानी, राजनीतिक दर्शनशास्त्रियों, समाज शास्त्रियों और साहित्य आलोचकों कीझ न कि केवल जिला आयुक्तों और पुलिस कमिश्नरों की।

अफसोस कि सामाजिक-डार्विनवाद के सिद्धांत से पनपी इस किस्म की परम-प्रतिस्पर्धात्मक मानसिकता स्कूली विद्यार्थियों तक की आत्म-धारणा में बदलाव ला रही है। उन तरीकों को देखिये, जिस तरह बिल बोर्डों पर बोर्ड परीक्षा के टॉपर्स की छवियां चस्पां की जाती हैं या मानक बना दिए गए जेईई एवं नीट जैसे टेस्टों का निर्माण किया गया है, यह तरीका है लड़के-लड़कियों को रातों-रात सितारा बनाने का और विशेष होने का यकीन करवाने का खेल है। पुनश्चः, सफलता का महिमामंडन करने के तरीके में हम असफल रहे हजारों-हजार युवाओं के मानस को पहुंची पीड़ा, ठेस, शर्मिंदगी की तीव्रता को नजरअंदाज कर देते हैं। कब जाकर हम यह समझेंगे कि हमारी स्कूली शिक्षा में सब कुछ सही नहीं है? कब हमें अहसास होगा कि स्कूलों में लागू पाठ्यक्रम, तकनीकी निगरानी और एकल आयामी, परीक्षा-आधारित, किताबी ज्ञान वाली प्रणाली अक्सर उन विद्यार्थियों को उचाट कर देती है जो स्कूली पढ़ाई से परे, कुछ कल्पनाशील और अधिक रोमांचक करने के पीछे पागल हैं। अपने प्रामाणिक अध्ययन में, जॉन होल्ट (हाऊ चिल्ड्रन फेल) और कर्स्टन ऑल्सन (वूंडेड बाई स्कूल) शिक्षा पद्धति के घातक परिणामों के बारे में याद दिलाते हैं, जिसमें सृजनात्मकता से ज्यादा ढर्रे को अधिमान है, जो छात्र की रुचियों का दमन करती हैं और जिसे सीखने-सिखाने वाले में फर्क की शिनाख्त नहीं है। वास्तव में, यहां वह व्यवस्था है जो कुछ अलग करने की ललक रखने वालों में बहुतों का मजाक उड़ाकर उनके चाव को खत्म और कल्पनाशीलता को कुंद कर देती है।

इस नाजुक उम्र में बहुत से युवाओं के लिए असफलता के कलंक से उबर पाना आसान नहीं होता। अफसोस कि हम उनकी सृजनशील सामर्थ्य का फायदा नहीं उठा पाते। लिहाजा थकावट, ऊबाऊपन और एकाकीपन की भावना से उनकी कल्पनाशीलता और अर्थपूर्ण जीवन के प्रति उत्साह बुझ जाता है। इस सुरक्षा-आसक्त दुनिया में, उनका दर्द समझने की परवाह किसे है। इस बीच, हमारे सफल युवा खुशी-खुशी बने-बनाए ढर्रे में ढल जाते हैं, कोई हैरानी नहीं कि उनके लिए अपने सुरक्षित और स्थाई पेशे से परे जीवन की राह सोच पाना मुश्किल हो मसलन, नव-उदारवाद के बाजार के विस्तार के लिए दिन-रात खटता कोई टेक्नो-मैनेजर या कोई प्रशासक अथवा नौकरशाह जो यथास्थिति बनाए रखने वाले प्रशासन की हां में हां मिलाने वाला हो। इस दौरान, राजस्थान के कोटा से लेकर दिल्ली के मुखर्जीनगर तक कोंचिग उद्योग ने अपना मुनाफादायक धंधा फैला लिया है और सफलता का सपना जमकर बेच रहे हैं, भविष्य को लेकर चिंता-ग्रस्त मध्य वर्ग पर डोरे डाल रहे हैं और युवा दिमाग के सृजनशील बागीपन को कुचल रहे हैं।

शांति प्रयासों से खुलती विकास की राहें

मधुरेन्द्र सिन्हा

आजादी के दशकों बाद भी पूर्वोत्तर में उग्रवाद खत्म नहीं हुआ। कई हिंसक गुट खून-खराबे पर उतरते रहे और इस सुरम्य क्षेत्र की शांति को भंग करते रहे। सरकारें कोई ठोस कदम नहीं उठा पाईं और अशांति बनी रही। लेकिन इसके बाद केन्द्र सरकार की नीतियां बदलीं और कई सार्थक परिणाम देखने में आये। असम जैसे राज्य में, जहां घुसपैठियों के कारण हालत खराब रहे और लंबे समय से अशांति रही, वहां आशातीत सफलता मिली। केन्द्रीय गृह मंत्रालय की पहल पर जनवरी, 2020 को दिल्ली में दशकों पुरानी बोडो समस्या के समाधान के लिए त्रिपक्षीय समझौता किया गया। इसमें भारत सरकार, असम सरकार और बोडो आंदोलन से जुड़े उग्रवादी समूहों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। यह समझौता इतना कारगर रहा कि लगभग 1500 सशस्त्र आंदोलनकारियों ने हथियार डाल दिये। यह एक अभूतपूर्व समझौता था। जिसके चलते असम शांत हो गया है और वहां प्रगति होती दिखाई दी।

दिसंबर, 2023 में असम में उल्फा उग्रवादियों के साथ भी केन्द्र सरकार ने एक निर्णायक समझौता किया। जिसने भविष्य में शांति की गहरी उम्मीद जताई है। केंद्रीय गृहमंत्री ने इसमें व्यक्तिगत रुचि दिखाई और इस समझौते पर सरकार और उग्रवादी संगठन ने हस्ताक्षर किये। जिसके फलस्वरूप 700 से भी ज्यादा हथियारबंद युवाओं ने आत्मसमर्पण कर दिया। यह समझौता इस मायने में ऐतिहासिक है कि उल्फा उग्रवाद से राज्य को बहुत नुकसान हुआ, हत्याओं का दौर चला और बंदूकें गरजती रहीं। दोनों ओर से लोग मारे जाते रहे। लेकिन अब इस समझौते ने शांति का द्वार खोला है और असम की प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। केन्द्र सरकार वहां घुसपैठिया समस्या से निपटने के लिए कई तरह के कदम उठा रही है और उसमें काफी सफलता भी मिली है। इन सबसे राज्य में शांति आई है और राज्य सरकार के लिए कामकाज करना आसान हो गया है। पिछले साल मार्च में केन्द्रीय गृहमंत्री ने घोषणा की थी कि अफस्पा को एक जिले से हटा दिया गया है और अब सशस्त्र बलों को उस इलाके में अब खुली छूट नहीं है। यानी कि वे भी किसी भी तरह की हिंसात्मक घटना के लिए जिम्मेदार होंगे। पहले उन पर मुकदमे वगैरह नहीं चलाए जा सकते थे।

असम में दो और समझौते हुए। एक था असम-मेघालय सीमा समझौता और दूसरा कार्बी-आंगलोंग समझौता। इन समझौतों ने राज्य में दीर्घकालीन शांति और समृद्धि के लिए एक मार्ग प्रशस्त किया है। असम के मध्य में स्थित, कार्बी आंगलोंग राज्य का सबसे बड़ा जिला है और नृजातीय तथा आदिवासी समूहों- कार्बी, डिमासा, बोडो, कुकी, हमार, तिवा, गारो, मान (ताई बोलने वाले), रेंगमा नागा संस्कृतियों का मिलन बिंदु है। इसकी विविधता ने विभिन्न संगठनों को भी जन्म और उग्रवाद को बढ़ावा दिया। जिसने इस क्षेत्र को विकसित नहीं होने दिया। कार्बी असम का एक प्रमुख जातीय समूह है, जो कई गुटों और इनके भागों से घिरा हुआ है। कार्बी आंगलोंग जिले के विद्रोही समूह जैसे पीपुल्स डेमोक्रेटिक काउंसिल ऑफ कार्बी लोंगरी (पीडीसीके), कार्बी लोंगरी एनसी हिल्स लिबरेशन फ्रंट (केएलएनएलएफ) वगैरह एक अलग राज्य बनाने की मांग कर रहे थे। यह एक महत्वपूर्ण समझौता है जो हिंसा को समाप्त करने में मदद करेगा। यहां पर स्थानीय जनता को कुछ विधायी अधिकार देने का भी प्रस्ताव है। केन्द्र सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि पूर्वोत्तर से धीरे-धीरे सशस्त्र बल सुरक्षा कानून को हटाती जायेगी क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में यहां की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। नगालैंड, जो कभी उग्रवाद का केन्द्र था, अब बेहद शांत हो गया है। कानून-व्यवस्था की स्थिति में वहां काफी सुधार हुआ है। नागा युवा अब राष्ट्र की मुख्य धारा में प्रवेश करते जा रहे हैं।

पूर्वोत्तर के ज्यादातर बाशिंदे आदिवासी हैं और उनमें भी ज्यादातर लड़ाकू जातियों से हैं। वे दूसरों को अपने पर हावी होने देना नहीं चाहते और जरूरत पड़ने पर हिंसा करते हैं। नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, असम वगैरह राज्यों में ऐसा कई बार हुआ। यहां पर राज्य सरकार के अलावा केन्द्र सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उसे न केवल शांति बनाये रखना होता है बल्कि पीड़ितों के लिए समुचित व्यवस्था भी करनी होती है। ब्रू-रियांग समझौता इस दिशा में एक ऐतिहासिक समझौता रहा, जो त्रिपुरा में मिजोरम से भागकर आये हुए अल्पसंख्यक ब्रू आदिवासियों के हित में किया गया। दरअसल मिजोरम में उनके विरुद्ध हिंसा के कारण लगभग 5,000 परिवार भागकर उत्तरी त्रिपुरा चले गये थे। वहां वे बस गये लेकिन कई तरह की समस्याएं खड़ी हो गईं। इसके बाद वर्ष 2020 में केन्द्र सरकार, मिजोरम सरकार, ब्रू समुदाय के नेताओं और त्रिपुरा के बीच एक समझौता हुआ। जिसे ब्रू-रियांग समझौता कहा जाता है। इसे कार्यान्वित करने में केन्द्र सरकार की बड़ी भूमिका रही। केन्द्र ने इसके लिए 621 करोड़ रुपये खर्च करने का वादा किया ताकि वे आर्थिक रूप से मजबूत हो जायें। इस ऐतिहासिक समझौते से दो राज्यों में शांति का मार्ग प्रशस्त हुआ। त्रिपुरा में ही एक और समझैता हुआ। वह था नेशनल लिब्रेशन फ्रंट का। इस उग्रवादी संगठन से बातचीत करके केन्द्र सरकार और त्रिपुरा सरकार ने समझौते की शर्तों का प्रारूप तैयार किया। इससे त्रिपुरा में उग्रवाद पर अंकुश लगा। केन्द्र ने बहुत ही लचीलेपन से इस समझौते को अंजाम दिया। जिसके सार्थक परिणाम देखने में आए। पहले की सरकारों ने समस्याओं के राजनीतिक समाधान कम और सैन्य समाधान पर ज्यादा जोर दिया। पिछले कई सालों से स्थितियां बदलती जा रही हैं। केन्द्र सरकार के प्रयासों से काफी शांति हुई है और ये राज्य प्रगति के रास्ते पर तेजी से चलने में समर्थ हो रहे हैं।

क्रोध की आंधी में बुझ जाता है विवेक का दीप

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा अरुण

आजकल समाज में प्रायः देखा जा रहा है कि लोगों की सहन-शक्ति कम हो रही है और जरा-जरा सी बात पर क्रोध भड़कने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। रोड-रेज की घटनाएं इन दिनों आपको प्रतिदिन जहां-तहां सुनने को मिलती रहती हैं। क्रोध मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा शत्रु है, यह हमारे धर्मशास्त्रों में बताया गया है, लेकिन इन दिनों तो जिसे देखिए, वही क्रोध की ज्वाला में धधकता मिलता है।

एक दार्शनिक ने कहा है– क्रोध वह आंधी है, जिसके आने पर बुद्धि का दीपक स्वतः बुझ जाता है। तब लाख टके का सवाल यह पैदा होता है कि क्रोध आता क्यों है? सभी जानते और मानते हैं कि क्रोध जीवन का सर्वनाश कर देता है, फिर भी हम इस क्रोध की ज्वाला को शांत क्यों नहीं कर पाते? मनोविज्ञानी मानते हैं कि व्यक्ति के भीतर जब हीनता की भावना प्रबल हो जाती है और उसकी बात नहीं मानी जाती, तो वह क्रोध से भर उठता है। कहा तो यह भी गया है :-

क्रोध कभी मत कीजिए,करे शांति को भंग।
शीतल मन नित राखिए, जीवन भरे उमंग।

क्रोध पर विचार करते हुए आज एक बड़ी ही कारुणिक लोककथा पढ़ने को मिली, जिसने मुझे बरबस रुला दिया है। यह लोककथा आपको भी दे रहा हूं।

एक गांव में एक विधवा औरत और उसकी 6-7 साल की बेटी रहते थे। किसी प्रकार गरीबी में वे दोनों अपना गुजर-बसर करते थे। एक बार मां सुबह-सवेरे घास लेने के लिए गयी और घास के साथ ही झाड़ियों में उगने वाला फल काफल भी तोड़ के लायी। बेटी ने काफल देखे, तो बड़ी खुश हुई। मां ने बेटी से कहा कि मैं खेत में काम करने जा रही हूं, दिन में जब लौटूंगी, तब काफल खाएंगे। मां ने वे काफल टोकरी में रख दिए। बेटी दिन भर काफल खाने का इंतजार करती रही। बार-बार टोकरी के ऊपर रखे कपड़े को उठाकर देखती और काफल के खट्टे-मीठे रसीले स्वाद की कल्पना करती, लेकिन उस आज्ञाकारी बच्ची ने एक भी काफल उठाकर नहीं चखा। प्रतीक्षा में बैठी रही कि जब मां आएगी, तब दोनों ये काफल खाएंगे। आखिरकार मां आई! बच्ची दौड़ के मां के पास गयी और बोली, मां, मां! अब काफल खाएं? थोड़ा सांस तो लेने दे छोरी मां बोली। फिर मां ने काफल की टोकरी निकाली, उसका कपड़ा उठा कर देखा, अरे! ये क्या? काफल कम कैसे हुए? गुस्से में मां ने पूछा, तूने खाये क्या? बेटी बोली, नहीं मां, मैंने तो चखे तक भी नहीं!

जेठ की तपती दुपहरी में मां का दिमाग पहले ही गर्म था, अब भूख और तड़के उठ कर लगातार काम करने की थकान के कारण मां को बच्ची के झूठ बोलने से बहुत गुस्सा आ गया। मां ने जोरों से एक झांपड़ बच्ची के सिर पर दे मारा। बच्ची उस जोरदार अप्रत्याशित वार से तड़प कर नीचे गिर गयी और मैंने काफल नहीं चखे मां कहते-कहते उसके प्राण पखेरू उड़ गए! अब जैसे ही मां का क्षणिक आवेश उतरा, तो उसे होश आया! वह बच्ची को गोद में लेकर प्रलाप करने लगी! ये क्या हो गया! मुझ दुखियारी का एकमात्र सहारा यह बेटी ही तो थी। उसे भी अपने ही हाथ से मैंने खत्म कर दिया? वो भी तुच्छ से काफल की खातिर! आखिर ये लायी किसके लिए थी? इसी बेटी के लिये ही तो! तो क्या हुआ था, जो उसने थोड़े खा ही लिए थे?

रोते-बिलखते मां ने उठा कर काफल की वह टोकरी बाहर फेंक दी और रात भर वह बैठी रोती-बिलखती रही। हुआ यह था कि जेठ की गर्म हवा से काफल कुम्हला कर थोड़े कम हो गए थे। रात भर बाहर ठंडी हवा में पड़े रहने से वे सुबह फिर से खिल गए और टोकरी भरी-पूरी हो गयी! अब मां की समझ में आया और रोती-पीटती बेटी के शोक में वह भी मर गयी! कहते हैं कि वे दोनों मर के पक्षी बन गईं और जब भी काफल पकते हैं, तो एक पक्षी बड़े करुण भाव से गाता है- काफल पाको! मी नी चाखो (काफल पके हैं, पर मैंने नहीं चखे हैं) और तभी दूसरा पक्षी चीत्कार कर उठता है- पुर पुतई पूर पूर! (पूरे हैं बेटी पूरे हैं)!

मेरी ही तरह, आप भी इस काफल-कथा को पढ़कर संत कबीर के इस दोहे के मर्म को जरूर समझ जाएंगे :-

क्रोध-अग्नि घर-घर बसी, जले सकल संसार।
दीन लीन निज भक्ति जो, तिनके निकट गुबार।

अर्थात् क्रोध की अग्नि तो घर-घर में बसी हुई है, जिसमें सारा संसार जल रहा है। जो दीन प्राणी अपनी भक्ति में लीन है, वही इस गुब्बार से बचता है।

निश्चय ही, क्रोध हमारे मन की ऐसी विकृति है जो हमारे विवेक को जलाकर राख कर देती है। इस क्रोध में हम वह कर जाते हैं, जिसे सोचना तक संभव नहीं होता। क्रोध के बाद केवल पछतावा ही बचता है, बाकी सब तो स्वाहा हो जाता है। आइए, आज मिलकर एक संकल्प हम अवश्य लें कि हमारे विवेक को राख कर देने वाले इस क्रोध नामक शत्रु को हम कभी जीवन में नहीं आने देंगे।

क्रोध एक अग्नि सखे, हो विवेक की राख।
अशांत मन नित ही रहे, मिटे व्यक्ति की साख।

भाभी से अवैध संबंध की नीयत रखने के कारण हुई थी युवक की हत्या

चकिया। चंदौली पुलिस ने 24 घंटे के अंदर चकिया क्षेत्र में हुए हत्या का खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। घटना में अवैध संबंध के कारण हत्या करने की बात सामने आई है। पहाड़ी में मिला था शव। रविवार की सुबह चकिया थाना क्षेत्र के शिकारगंज इलाका स्थित सचिलहरा पहाड़ी पर ग्राम सभा बलिया खुर्द गढ़वा निवासी 20 वर्षीय सूरज चौहान का शव मिला था। मामले में पुलिस ने हत्या का आशंका जताया और आवश्यक कार्यवाही के बाद पुलिस, शव को पीएम के लिए भेज घटना की पदार्फास में जुटी थी। इसी बीच पुलिस ने कार्यवाही करते हुए राजा साहब के पोखरे के पास उक्त हत्या से संबंधित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया।

दारू-मुर्गा खिलाकर किया था हत्या- पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की रात, अभियुक्तों ने मृतक को अपने घर दावत पर बुलाए। पहले अभियुक्तों ने मृतक को अत्यधिक दारू और साथ मे मुर्गा खिलाया और बाद में चिलरहवा पहाडी पर ले जाकर गमछा से मृतक का मुंह और नाक दबाकर तथा मुंह मे गमछा ठूसकर उसकी हत्या कर दिया।

भाभी पर गलत नजर रखता था मृतक- पुलिस के अनुसार पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि मृतक सूरज चौहान उन लोगों की भाभी से मोबाइल पर बात करता था और उनसे अवैध संबंध बनाने के लिए प्रयासरत रहता था। बताया, इस बात को लेकर दोनों ने कई बार मृतक को समझाने की कोशिश की पर मृतक अपनी आदत में सुधार नही ला रहा था। एक अभियुक्त ने बताया कि जहां पर उसकी शादी तय हुई थी उस लड़की का भी नम्बर लेकर मृतक बात करना चाहता था। जिसके बाद दोनों ने योजना बनाया और शनिवार की रात सूरज की हत्या कर दी। मामले में पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम रामकिशुन यादव और आकाश यादव है। बताया, अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में एक महिला समेत तीन घायल

शाहगंज (जौनपुर)। क्षेत्र के दो अलग अलग जगहों पर हुए सड़क दुर्घटना में शनिवार की दोपहर एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक शनिवार की दोपहर खुटहन रोड स्थित अम्बेडकर मूर्ति समीप बाइक से शाहगंज आ रहे छताई कला निवासी प्रकाश नाथ (65)पुत्र शेखराज सिंह व अपने परिवार के साथ रिश्तेदारी से घर लौट रहा खुटहन थाना क्षेत्र के सहद पनौली गांव निवासी विवेक की बाइक से खुटहन रोड स्थित अम्बेडकर मूर्ति समीप हुए जोरदार टक्कर में (25) वर्षीय पत्नी ममता गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरी घटना शनिवार की शाम तकरीबन तीन बजे क्षेत्र के छताई रसूलपुर गांव निवासी नीरज (31)पुत्र सभाजीत बाइक से शाहगंज आ रहा था। जैसे ही छताई कला गांव में पहुंचा सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक की टक्कर लगने से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।चिकित्सकों ने इलाज के दौरान हालत गंभीर देखकर प्रकाश, ममता व नीरज को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। इस संबंध में पूछे जाने पर प्रभारी कोतवाली तारकेश्वर राय ने बताया कि मामले की जानकारी हुई है।

दिनदहाड़े महिला को बंधक बना बदमाशों ने लूटा

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज सदर कोतवाली क्षेत्र के नगर में सोमवार को घर में घुस कर बदमाशों ने दिनदहाड़े लूट का अंजाम दिया। मामले की जानकारी होते ही नगर के लोगों ने डायल 112 पर फोन कर घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी होते ही मौके पर चौकी इंचार्ज व सदर कोतवाल समेत पुलिस छावनी में तब्दील हो गई। मिली जानकारी के अनुसार शास्त्री नगर में महिला संगीता मिश्रा घर में अकेली थी उनके पति राजेश मिश्रा दूकान पर सुबह 8 बजे चले गए उसी समय दोलोग घर में घुसे और महिला को पकड़ के गमछे से मुंह बांध दिया और महिला से कहा कि जितना भी पैसा जेवर है सब हमको दे दो महिला को डरा धमका कर घायल कर दिया और पांच लाख का जेवर और 15 हजार रुपया नगद लेकर फरार हो गए उसके बाद महिला को घर में बंद कर दिया जब आसपास के लोगों को इस घटना की जानकारी हुई तो तत्काल 112 डायल किया गया और मौके पर नगर पुलिस चौकी इंचार्ज ओम प्रकाश गुप्ता भी पहुंच गए और मामले की छानबीन करने घटना स्थल एसपी सोमेंद्र मीना, एएसपी आतिश कुमार सिंह, सदर कोतवाल समेत एसओजी टीम पहुंच कर जांच में जुट गई है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना ने मीडिया को बताया कि पीडित महिला के अनुसार दो बदमाश घर में घूस कर बंधक बनाकर लगभग 5 लाख रुपये का जेवरात ले गए हैं तथा जान से मारने की कोशिश की। पुलिस द्वारा टीम बनाया गया है जल्द ही इस घटना का अनावरण किया जायेगा।

कृष्णकांत सोनी ने अपनी पूरी टीम के साथ कथा व्यास अखिलेशमणि शाडिंल्य व रेखा रामायणी को किया सम्मानित

शाहगंज (जौनपुर)। संस्कार भारती द्वारा हनुमान गढ़ी स्थित लक्ष्मी नारायण वाटिका में आयोजित हो रहे श्रीरामकथा में ठहराव के अवसर पर संस्कार भारती के अध्यक्ष कृष्ण के कांत सोनी ने अपनी पूरी टीम के साथ कथा व्यास अखिलेश मणि शाडिंल्य व रेखा जी रामायणी को सम्मानित किया। मानस मणि रेखा रामायणी ने कथा में कहा कि रामायण में मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामचंद्र जी साथ ही सभी किरदार जीवन की कला सीखने हैं जहां पर भी श्रीराम कथा हो पूरे परिवार के साथ श्रवण करना चाहिए।निश्चित तौर पर आपका परिवार संस्कारी बना रहेगा। संस्कार भारती संरक्षक संजय अग्रहरी, प्रधान सुभाष चंद्र यादव चंदू, अजेंद्र अग्रहरि, हनुमान प्रसाद, श्रवण अग्रहरि, अमित जायसवाल, प्रवीण बरनवाल कृष्णकांत सोनी, सिम्पू अग्रहरि, ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम प्रारम्भ कराया। मानस मर्मज्ञ क्रांतिकारी विचारधारा से ओत-प्रोत कथा व्यास अखिलेश मणि शाडिंल्य महाराज के कथा श्रवण से श्रोतागण भक्ति भाव-विभोर दिखाई दिए। श्रीराम कथा के ठहराव के अवसर पर महाराज ने कहा श्रीराम की कथा का आज ठहराव हैं श्रीराम की के विराम दिवस पर प्रभु श्रीराम की कृपा माता सीता, भ्राता लखन व हनुमान जी कृपा आप सब बनी रहे। लगभग सभी श्रोता भाव विभार हो गए कुछ के आखों में आशु छलक गए साथ ही पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। श्री राम कथा में प्रतिदिन की अपेक्षा आज भक्तों की भारी हुजूम देखने को मिला है। महाराज ने श्रीराम कथा के श्रवण करने के साथ ही आयोजन करने के लाभ के बारे विस्तार से बताया साथ ही सभी के सम्मान के लिए हृदय से आशीर्वाद भी प्रदान किया। वही पत्रकारों से बात चीत के दौरान कहा कि शाहगंज में जब भी आने अवसर मिलता हैं तो हृदय प्रसन्न हो जाता सभी बड़े श्रद्धा भाव से से श्रीराम कथा कथा श्रवण करते हैं सभी अपनापन सम्मान आदर मिलता हैं। श्रीराम आयोजन सहित सभी पर सदा अपनी कृपा बनाए रखे। वही संस्था के अध्यक्ष कृष्ण कांत सोनी ने श्रीराम के चरणों में नमन करते हुआ कथा के आयोजन के सफलता सभी दान दाताओं सहित सनातनी के सहयोग के लिए पूरे संस्कार भारती की टीम की ओर से आभार व्यक्त किया साथ ही आगामी भारतीय नव वर्ष महोत्सव को सफल बनाने की अपील की हैं।

गहमर में बसपा प्रत्याशी डॉ. उमेश कुमार सिंह ने बाबू विश्वनाथ सिह गहमरी के नाम पर विश्वविद्यालय बनवाने और अग्निवीर को खत्म कराने का किया वादा

प्रखर गाजीपुर। रविवार को गहमर में काली मां के मंदिर के प्रांगण में एक जनसभा आयोजित की गई। जिसके मुख्य वक्ता बसपा लोकसभा प्रत्याशी डॉ उमेश कुमार सिंहः ने कहा कि गाजीपुर ही नही पूरे देश के संसदीय राजनीति के धरोहर स्व विश्वनाथ सिह गहमरी के जन्मभूमि पर आकर अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा हु। यह एक वीर भूमि है और आज मै इस लोकसभा चुनाव में एक प्रतयाशी में तौर पर आपके बीच आया हु और आपसे यह वादा करता हु की अगर जिले की जनता हमको अपनी नुमाइंदगी का मौका देगी तो मै जिले में बाबू विश्वनाथ सिह के नाम पर एक विश्वविद्यालय और जिले में रोजगार और उद्योग के लिए एक फ्रेमवर्क बनाकर जिले का औद्योगिककरण कर यहां रोजगार की समस्या को समाप्त कर नौजवानों को इज्जत से जिंदगी जीने हेतु वातावरण तैयार करूंगा।साथ ही मैं सदन में पहुचकर अग्निवीर योजना के खात्मे की लड़ाई भी लडूंगा। अन्य सम्बोधन सिविल बार गाजीपुर के पूर्व अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह, पत्रकार अशोक सिंह, राणा सिह, हरेराम सिह, शैलेंदर कवि, आदर्श सहित कई वक्ताओं ने उदबोधन किया। संचालन डॉ शम्मी सिह और अध्यक्षता रामलक्षण सिह ने और धन्यवाद ज्ञापन शिवेंद्र सिह ने किया।

उत्तर प्रदेश स्टेट थाईबाक्सिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता में वाराणसी ने विजेता गाजीपुर ने उपविजेता एवं सनबीम स्कूल वरूणा ने जीता बेस्ट टीम का खिताब

प्रखर वाराणसी। सनबीम स्कूल वरूणा मे दो दिवसीय दूसरी उत्तर प्रदेश स्टेट थाईबाक्सिंग चैंपियनशिप का हुआ समापन, चैंपियनशिप का समापन मुख्य अतिथि दयाशंकर मिश्रा (राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार) ने खिलड़ियों को मेडल, एवं विजेता, उपविजेता एवं बेस्ट टीम ट्राफी देकर सम्मानित किया।

प्रतियोगिता मे वाराणसी ने विजेता, गाजीपुर ने उपविजेता एवं सनबीम स्कूल वरूणा ने बेस्ट टीम का खिताब जीता, प्रतियोगिता मे 15 जिलों के 282 प्लेयर्स एवं 25 आफिसियलस ने भाग लिया। इस मौके पर पर थाईबाक्सिंग एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी सैयद इमरान हुसैन, सनबीम स्कूल ग्रुप के हानरी डायरेक्टर हर्ष मधोक, सनबीम स्कूल ग्रुप की डायरेक्टर अमृता बर्मन, सनबीम स्कूल वरूणा की प्रिंसिपल डॉ. अनुपमा मिश्रा, उत्तर प्रदेश टैनिकवायट एसोसिएशन की जॉइंट सेक्रेटरी मनीषा रानी, नंदिता सिंह, रामलखन शास्त्री, शम्स तबरेज 'शम्पु, (सेक्रेटरी वाराणसी ओलम्पिक एसोसिएशन) संदीप गुप्ता (डायरेक्टर संदीप स्पोर्ट्स) डॉ. के.एन. मिश्रा (डायरेक्टर मैक्सवेल मल्टी स्पेसिलटीय हास्पिटल), फसाहत हुसैन' बाबू,(उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी), जया सिंह (प्रिंसिपल हरिबंधु इंटरनेशनल स्कूल) रमाशंकर विश्वकर्मा, शशिभूषण सिंह (गाजीपुर), संतोष राय, मोहम्मद शादाब (कानपुर), अनूप पटेल (सोनभद्र), अभिषेक वर्मा (लखनऊ), शादाब खान (श्रावस्ती), आलोक मिश्रा (देवरिया), मुन्ना यादव, शिवा (बलिया), राजवीर प्रसाद (गाजीपुर), आशीष (अयोध्या), अवधेश कांस्कर, आरिफ खान (आजमगढ़), शिव शाही, कामिनी, खुशी, श्याम विकास, दिनेश सहित थाईबाक्सिंग एसोसिएशन आफ उत्तर प्रदेश के सभी पदाधिकारीयो एवं अजहर खान (गाजीपुर), सरताज अहमद (बहराइच), जयप्रकाश यादव, सद्दाम खान (गाजीपुर), अरुण कुमार (प्रयागराज) राशिद अहमद, अमित श्रीवास्तव, किशन मिश्रा, अभिषेक सोनकर (रायबरेली) पत्रकार बंधुओ को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले मिडिया कर्मियों में मुख्य रूप से संतोष कुमार सिंह, सलाऊद्दीन जी, नकी हैदर दानिश, पुरषोत्तम चतुवेर्दी, रोहित सेठ, साक्षी सेठ, प्रदीप कन्नौजिया, प्रेम शर्मा, रेखा, दीपक थे।

ब्लाक रोड पर बह रहा नाबदान का पानी, नव निर्मित सड़क गड्ढे में तब्दील

सकलडीहा। ब्लाक मुख्यालय से तहसील जाने वाले मार्ग पर नाबदान का पानी बीच सड़क पसर रहा है। जिससे चंद दिन पहले बनी सड़क गड्ढे में तब्दील हो गई है। आएदिन राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे है। इसके बाद भी जिम्मेदार अनजान बने हुए। जबकि अधिकतर अधिकारी व कर्मचारी इसी मार्ग से आवागमन करते है।राहगीरो ने समस्या से निजात दिलाने की मांग उठाई है। सकलडीहा ब्लाक मुख्यालय रोड क्षतिग्रस्त व जर्जर होने की वजह से अभी कुछ दिन पूर्व ही मरम्मत कराया गया था। जिससे राहगीरो को काफी सहूलियत मिल रही थी।लेकिन नव निर्मित सड़क पर आसपास के घरों का पानी गिरने से सड़क फिर से गड्ढे में तब्दील हो गई है। वही गड्ढो में सीवर का पानी भरे रहने से राहगीरो को गहराई का अंदाजा नही होता। जिससे वह आएदिन इसमे गिरकर चोटिल हो रहे है। यह मार्ग सकलडीहा का मुख्य मार्ग है। इस मार्ग पर ब्लाक, राजकीय कृषि बीज गोदाम, तहसील, सीओ ऑफिस,थाना और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सहित परिषदीय विद्यालय है।

उड़ाका दल ने एक दर्जन परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के स्नातक परास्नातक की परीक्षाएं चल रही हैं। सोमवार को उड़ाका दल की एक टीम ने दर्जनभर परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। खामियां मिलने पर उन्हें सुधार लाने की नसीहत दी। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की परीक्षाए में परास्नातक कक्षाओं के सभी विषयों की परीक्षाएं समाप्त हो गई । यह परीक्षा 28 मार्च से शुरू हुई थी। जबकि 23 मार्च से चल रही यूजी की परीक्षाएं अभी चल रही हैं।

उड़ाका दल टीम सोमवार को बीए बीएससी बीकॉम के सेकंड सेमेस्टर की इंग्लिश, चौथे सेमेस्टर की फिजिकल एजुकेशन, छठवें सेमेस्टर की माइक्रोबायोलॉजी डिफेंस स्टडी एनवायरमेंटल साइंस की परीक्षाएं थी। इन परीक्षाओं में उड़ाका दल संयोजक डॉ अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में सदस्य डॉ संतोष सिंह, डॉ श्रद्धा दुबे की टीम ने राजा हरपाल सिंह सिंगरामऊ, सल्तनत बहादुर पीजी कॉलेज बदलापुर, रामदेव सिंह महाविद्यालय महमूदपुर ,नूरुद्दीन खान गर्ल्स कॉलेज अफलेपुर में सुबह की पाली मे पहुंची और परीक्षाओं का निरीक्षण किया और जरूरत के अनुसार आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए । इसके उपरांत करीब आठ ऐसे परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण किया। एक कॉलेज में कमरे में अंधेरा था वहां प्रकाश की व्यवस्था करने का निर्देश दिया और वॉइस रिकॉर्डर में समस्या थी उसे सुधार लाने की नसीहत दी। इसके अलावा जो भी कमियां पाए उस पर उन्होंने तत्काल सुधार लाने की नसीहत दी हालांकि परीक्षाओं का निरीक्षण किया। एक केन्द्र छात्रों ने उड़का दल से शिकायत कर दी कि पीने का पानी और गर्मी में पंखे नहीं चलते हैं। परीक्षा में उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उस पर उड़ाका दल टीम ने संबंधित परीक्षा केन्द्रो को सुधार लाने की निर्देश दिया। इसके अलावा जिन कॉलेजों में खमियां थी उसकी रिपोर्टिंग टीम ने किया।

छात्र-छात्राओं को माल्यार्पण कर पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया

सकलडीहा। क्षेत्र के डॉक्टर राम मनोहर लोहिया इंटर कॉलेज गंजख्वाजा के प्रांगण में हाईस्कूल व इंटर में विद्यालय के मेधावी छात्रों को सम्मानित कर हौसला बढ़ाने का काम किया। वही विद्यालय में मेधावी छात्रों का आधी फीस माफ करने की घोषणा की गई। वहीं डॉक्टर राम मनोहर लोहिया इंटर कॉलेज के प्रांगण में रविवार को समारोह पूर्वक हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में सफल छात्र-छात्राओं को माल्यार्पण कर पुरस्कार देकर सम्मानित कर इनका हौसला बढ़ाने का काम किया। हाईस्कूल में विद्यालय की रुचि कुमारी 90.3, नेहा यादव 89, राबिया 81.3,दीपक यादव 82% इंटरमीडिएट में आंचल कुमारी 78%, अनुपम कुमारी 73.4% अंकित कुमार प्रजापति 80%, प्रिंसी यादव 74.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय मेंअव्वल रहे। इन सभी छात्राओं के अलावा अन्य विद्यालय के छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अध्यापकों ने आगे कड़ी मेहनत कर सफलता हासिल करने के लिए इन छात्र-छात्राओं को निर्देशित किया। स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से प्रबंधक श्याम सुंदर यादव, प्रधानाचार्य दीपक कुमार, व्यवस्थापक कपिल देव यादव, संरक्षिका सरोज देवी सहित समस्त अध्यापक उपस्थित रहे।

रचनात्मक लेखन शैली ही पत्रकारिता का महत्वपूर्ण अंग : घनश्याम पाठक

चंदौली। डाक बंगला रोड स्थित मिलन वाटिका में रविवार की दोपहर पत्रकार प्रेस क्लब की और से आई कार्ड वितरण सम्मान समारोह का आयोजन पीपीसी चंदौली के जिलाध्यक्ष आशुतोष तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एक दैनिक समाचार पत्र के कार्यकारी संपादक एवं पत्रकार प्रेस क्लब के संस्थापक/प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम पाठक रहे। बतौर मुख्य अतिथि श्री पाठक ने कहा कि अब तो सिर्फ पत्रकार ही नहीं,बल्कि पूरी की पूरी पत्रकारिता ही खतरे में है ? सवाल यह नहीं है कि बेबाक पत्रकार कैसे बचेंगे, सवाल यह है कि स्वतंत्र और निडर पत्रकारिता बचेगी या नहीं ? क्या अब पत्रकार, सिर्फ दरबारी बन कर ही जिंदा रह सकता है ? श्री पाठक ने कहा कि जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर उन्हें पत्रकारों की सुरक्षा के बाबत पत्रक सौपा जाएगा,क्योंकि आए

दिन पत्रकारों के साथ उत्पीड़न किए जाने की शिकायतें मिल रही है,कहीं पुलिस विभाग,कहीं राजस्व विभाग तो कहीं नेताओ व भू-माफियाओं द्वारा हमारे पत्रकार साथियों के साथ अभद्रता तथा उन्हें जान से मारने व फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी दी जा रही है। श्री पाठक ने कहा कि अब इस तरह के मामले किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। इसके लिए चाहे जो भी पीपीसी को लड़ाई लड़नी पड़े,लेकिन पत्रकार प्रेस क्लब से जुड़े पत्रकार साथियों के ऊपर आंच नहीं आने दी जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष श्री पाठक ने कहा कि पत्रकार भी निष्पक्ष पत्रकारिता करें, क्योंकि पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। छोटी-बड़ी तमाम घटनाओं को उजागर कर जन-जन तक पहुंचाना पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य होता है।समाचार संकलन और रचनात्मक लेखन शैली ही पत्रकारिता का महत्वपूर्ण अंग होती है। पत्रकार जब कोई समाचार लिखता है, तो उसे अपने अंदाज में लिखता है। किसी घटना के प्रति पत्रकार की सोच क्या होती है, वह उसकी लेखनशैली में झलकती है। सम्मान समारोह में पत्रकार प्रेस क्लब के प्रदेश मीडिया प्रभारी विनय कुमार पांडेय, वाराणसी मंडल उपाध्यक्ष मधुप श्रीवास्तव,जिला महासचिव विकेश कुमार विकी, तहसील, अध्यक्ष चंदौली जयशंकर अग्रहरी, सुमित कुमार, अभिषेक जायसवाल, जलाल यूनूस, अनवर अब्बास, चकिया तहसील अध्यक्ष सुरेन्द्र नागवंशी, राजकुमार सोनकर, नौगढ़ तहसील अध्यक्ष मदन मोहन विश्वकर्मा, बलवंत यादव, पिन्टू, राजनारायण, सकलडीहा तहसील अध्यक्ष रजनीकांत पांडेय, सनोज कुमार,मनोज कुमार मिश्र, रजनीकांत पांडेय (जूनियर) शाहनवाज खान, सुजीत तिवारी, अमन गुप्ता सहित दर्जनों पत्रकार मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

काशी विद्यापीठ में बी.ए. एल-एल.बी. तृतीय सेमेस्टर की मौखिक परीक्षा 11 मई को

वाराणसी। विधि विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के बी.ए. एल-एल.बी. तृतीय सेमेस्टर सत्र 2023-24 के छात्रों की मौखिक परीक्षा 11 मई को होगी। विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. रंजन कुमार ने बताया कि मौखिक परीक्षा विधि विभाग में पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होगी। विद्यार्थियों को व्यवहारिक कार्य/अभ्यास पुस्तिका के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है अन्यथा कि स्थिति में उनकी मौखिक परीक्षा नहीं होगी।

आचार संहिता के उलंघन के मामले में पीडीएम प्रत्याशी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पिंडरा। गत दिवस पीडीएम से प्रत्याशी बनने के बाद जुलूस निकालना गगन प्रकाश यादव को भारी पड़ गया। एफएसटी-2 के टीम ने प्रत्याशी तथा पूर्व प्रत्याशी समेत अज्ञात एक दर्जन लोगों के खिलाफ आचार संहिता के उलंघन के मामले में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। एसएफटी -2 के प्रदीप जायसवाल की तहरीर पर बिना अनुमति के 30 अप्रैल को पिंडरा बाजार स्थित स्व0 सुरेंद्र पटेल की मूर्ति पर अपने दर्जनो समर्थकों के साथ माल्यर्पण करने उसके बाद जुलूस के रूप में कपसेठी चौराहे तक गए। सोशल मीडिया व अन्य समाचार पत्रों के संज्ञान में लेने के बाद रविवार को सायंकाल में तहरीर देकर फूलपुर थाने में पीडीएम के प्रत्याशी गगन प्रकाश यादव, पूर्व प्रत्याशी राजेश पटेल तथा 10 से 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ आचार संहिता के उलंघन की धारा 171 ग, 142 व 188 के तहत मुकदमा पंजीकृत कराया। अब तक फूलपुर थाने में दो प्रत्याशियों के खिलाफ आचार संहिता के उलंघन के मामले में मुकदमा दर्ज किया जा चुका। जिसमे एक मछलीशहर संसदीय क्षेत्र की प्रत्याशी प्रिया सरोज है।

पीडीए प्रत्याशी ने किया तहसील पिंडरा में जनसंपर्क

पिंडरा। पीडीए की प्रत्याशी प्रिया सरोज ने सोमवार को तहसील बार पिंडरा के वकीलों से जनसंपर्क कर समर्थन देने की अपील की। इसके तहसील परिसर स्थित मौनी बाबा आश्रम में मछलीशहर संसदीय क्षेत्र की प्रत्याशी प्रिया सरोज ने मत्था टेकने के बाद पूर्व बार अध्यक्ष श्रीनाथ गोंड़ के नेतृत्व में वकील से व्यापक जनसंपर्क किया। इस बार अध्यक्ष उदयनाथ भारती, महामंत्री चन्दभान पटेल,पूर्व बार अध्यक्ष राजेश पटेल, मनोज शुक्ला, पंधारी यादव, विजय शर्मा, शिवपूजन सिंह, मांता पटेल, अरुण दुबे, अमर सिंह, अमरनाथ यादव, व रामभरत यादव समेत अनेक अधिवक्ता रहे।

होम्योपैथिक चिकित्सा क्षेत्र में विशिष्ट सेवा हेतु डॉक्टर अनिल कुमार सिंह को राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा रत्न अवार्ड से किया गया सम्मानित

प्रखर वाराणसी। वीरजी आडिटोरियम, बैक्सन होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा रत्न सम्मान 2024 में 5 मई 2024 रविवार को संपूर्ण भारत से 134 होम्योपैथिक चिकित्सकों में वाराणसी के वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक डॉक्टर अनिल कुमार सिंह व चन्दौली के डॉक्टर के के सिंह को होम्योपैथिक चिकित्सा क्षेत्र में विशिष्ट सेवा हेतु राष्ट्रीय चिकित्सा सेवा रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया।

समाजशास्त्र की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन समाप्त

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में यूजी पीजी के समाजशास्त्र की कॉपियों का मूल्यांकन समाप्त हो गया। जिसके लिए स्ववित्तपोषित शिक्षक संघ ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया और बीए छठवें सेमेस्टर समाजशास्त्र में मौखिक परीक्षा करवाने की मांग की। बता दें कि यूजी पीजी की कापियो का मूल्यांकन तेजी के साथ चल रहा है। जिसमें समाजशास्त्र के स्नातक परस्नातक की करीब एक लाख कापियो का मूल्यांकन समाप्त हुआ। जिसमें पौने तीन सौ परीक्षको ने चार दिन मे कॉपियों का मूल्यांकन किया। मूल्यांकन की व्यवस्था को लेकर स्ववित्तपोषित शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ प्रभाकर सिंह, महामंत्री डॉ नीलेश सिंह खुशी जताई और इसके लिए मूल्यांकन केंद्र मे पहुंच कर समन्वयक में प्रो हरिओम त्रिपाठी को अंग अंगवस्त्र स्मृति चिन्ह भेंट कर माल्यार्पण का स्वागत किया और मूल्यांकन कार्यों की सराहना किया। शिक्षक संघ के अध्यक्ष ने कहां की बीए चतुर्थ सेमेस्टर समाजशास्त्र में मौखिक परीक्षा लागू करवाने में प्रो हरिओम त्रिपाठी की बड़ी भूमिका रही है और उनसे मांग की बीए छठवें सेमेस्टर समाजशास्त्र में भी मौखिक परीक्षा लागू करवाई जाए। जिससे शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता और बढे। प्रो हरिओम त्रिपाठी ने कहा शिक्षकों के लिए सदैव संघर्ष करूंगा, उनके हर समस्या का निदान कराऊंगा। डॉ प्रभाकर सिंह ने कहा समाजशास्त्र विषय की अध्यापकों के लिए प्रो त्रिपाठी ने उनकी समस्याओं के निदान की लड़ाई लड़ी। महामंत्री डॉ निलेश कुमार सिंह ने कहा मौखिक परीक्षा लागू रखना प्राथमिकता होनी चाहिए। डॉ रविंद्र त्रिपाठी, डॉ सलीम, डॉ मोहम्मद राशिद, डॉ प्रतिमा सिंह ने मूल्यांकन व्यवस्था पर विचार रखे। इस अवसर डा दिलीप सिंह, डॉ आशा सिंह, डॉ सीमा सिंह, डॉ राजेश श्रीवास्तव, डॉ राकेश गुप्ता, डॉ राघवेंद्र कुमार त्रिपाठी,डा रजनी गुप्ता, डॉ संगीता सिंह, डॉ शिवाजी सोनकर, डॉ स्वीटी श्रीवास्तव मौजूद रहे।

अक्षय ने ब्रह्मा जी के किए दर्शन

अजमेर (वार्ता)। बालीवुड फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने रविवार को राजस्थान के अजमेर से जुड़े तीर्थराज पुष्कर में सृष्टि के रचयिता जगतपिता ब्रह्मा जी के दर्शन किए। अजमेर के रेलमंडल मुख्यालय की लोकेशन पर निर्माणाधीन फिल्म 'जॉली एल. एल. बी.-3' की शूटिंग के लिए अक्षय यहां एक रिसार्ट में ठहरे हैं। प्रशंसकों की भारी भीड़ को देखते हुए उन्हें दो बार दर्शन का कार्यक्रम निरस्त करना पड़ा। रविवार सुबह अक्षय कड़ी सुरक्षा में ब्रह्मा मंदिर पहुंचे और दर्शन कर कामयाबी की मनोकामना की। इस दौरान मंदिर में पुजारी परिवार ने उन्हें दर्शन कराए और अगवानी भी की। पुजारी किशन गोपाल वशिष्ट ने आरती में सहयोग किया। अक्षय सादे सफेद पोशाक में दर्शन करने पहुंचे। उल्लेखनीय है कि फिल्म की शूटिंग अजमेर के अलावा मसूदा के देवमाली में होनी है। फिल्म में अरशद वारसी, सौरभ शुक्ला व अभिनेत्री हुमा कुरैशी भी नजर आएंगी।

'क्रू' के सीक्वल में काम करेंगी करीना!

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर अपनी सुपरहिट फिल्म 'क्रू' के सीक्वल में काम करती नजर आ सकती हैं। करीना कपूर की इस वर्ष फिल्म क्रू प्रदर्शित हुई है। फिल्म 'क्रू' में करीना कपूर के अलाव तब्बू और कृति सैनन ने मुख्य भूमिका निभाई है। करीना कपूर क्रू के सीक्वल में काम करना चाहती हैं। करीना कपूर ने बताया कि 'क्रू' के सीक्वल पर फिल्म की निर्माता एकता कपूर और रिया कपूर सोच रही है। उन्होंने बताया कि मेरे मुताबिक यदि कोई फिल्म सीक्वल की हकदार है तो वह 'क्रू' है। इस फिल्म ने महिलाओं को खुद के लिए खड़े होने और अपने अधिकारों के लिए खड़े होने को एक मजेदार तरीके से पेश किया था। इस फिल्म ने महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ाया है और सभी को एंटरटेन भी किया है। इसके दूसरे पार्ट पर भी विचार किया जा रहा है।

नया कोविड वैरिएंट 'फ्लर्ट' इम्यून सिस्टम से बचने में सक्षम

नई दिल्ली(आईएएनएस)। अमेरिका में तेजी से फैल रहा नया कोविड-19 वैरिएंट 'फ्लर्ट' इम्यून सिस्टम से बचने में सक्षम है। ऐसा दो स्पाइक प्रोटीन के बीच अमीनो एसिड के ट्रांस प्रतिस्थापन के कारण है। सीके बिड़ला अस्पताल (आर) में आंतरिक चिकित्सा के निदेशक राजीव गुप्ता ने रविवार को बताया कि 'फ्लर्ट' ओमिक्रॉन के जेएन.1 वंश से संबंधित है, और तेजी से अमेरिका, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और दक्षिण कोरिया में पिछले वैरिएंट 'एरिस' की जगह ले रहा है। इन देशों में अस्पताल में भर्ती होने की दर में हाल में आई वृद्धि को इस वैरिएंट के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है; हालांकि अब कोई बड़ी नहर पैदा नहीं हुई है। मृत्यु दर में भी कोई ख़ास अंतर नहीं है।

अमेरिका की संक्रामक रोग सोसायटी के अनुसार, नाम 'फ्लर्ट' (एफएलआईआरटी) उनके म्यूटेशन के तकनीकी नाम पर आधारित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की इस पर नज़र है और इसने कड़ी निगरानी की सलाह दी है। सर गंगा राम अस्पताल के पीडियाट्रिक इंटेंसिविस्ट धीरेन गुप्ता के अनुसार, कोरोना के नए स्ट्रेन सामने आते रहेंगे। उन्होंने कहा, अच्छी बात ये है कि ओमिक्रॉन वंश में से कोई भी फेफड़ों को महत्वपूर्ण नुकसान पहुंचाने में सक्षम नहीं है जैसा कि डेल्टा स्ट्रेन ने किया था। यह ऊपरी श्वसन पथ तक ही सीमित रहता है। लेकिन वायरस में इस बदलाव के लिए निगरानी और सतर्कता रखी जानी चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का बढ़ता उपयोग इस म्यूटेशन को प्रेरित कर सकता है। विशेषज्ञों ने बताया कि नए वैरिएंट के लक्षण अन्य ओमीक्रॉन सबवेरिएंट के समान हैं, जैसे गले में खराश, खांसी, थकान, नाक बंद होना, नाक बहना, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, बुखार और स्वाद और गंध का संभावित नुकसान।

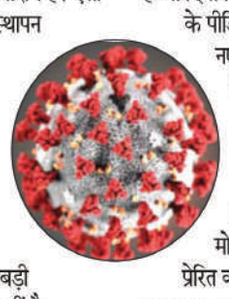

अमिताभ ने 'वेट्टैयन' की शूटिंग पूरी की

नई दिल्ली (भाषा)। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कहा कि उन्होंने तमिल फिल्म 'वेट्टैयन' के लिए शूटिंग पूरी कर ली है। इस फिल्म में रजनीकांत मुख्य भूमिका में है। इस फिल्म का निर्देशन 'जय भीम' के टी जे ज्ञानावेल ने किया है और इसका निर्माण लायका प्रोडक्शंस ने किया है। रजनीकांत के साथ आखिरी बार 1991 में आई फिल्म 'हम' में साथ काम कर चुके बच्चन ने शनिवार को अपने निजी ब्लॉग में इस फिल्म के बारे में जानकारी दी। बच्चन (81) ने मुंबई में फिल्म के सेट से कई तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा, 'मेरे लिए काम का एक और दिन खत्म हुआ और इस फिल्म का काम भी खत्म हुआ...लेकिन कभी-कभी इस बात पर संदेह होता है कि क्या जो काम किया उससे संतुष्ट हूं और क्या दोबारा काम करने तथा पिछले को सुधारने का मौका मिलेगा।' उन्होंने कहा, 'हमेशा यह आशंका रहती है कि शायद प्रोडक्शन या निर्देशक एक और मौका न दें...लेकिन रात में यह बात याद करते हुए आप परेशान होते है...इसलिए एक अनुरोध किया गया है और वादा किया गया है कि काम में सुधार करने का मौका दिया जाएगा...लेकिन देखते है क्या होता है।' 'वेट्टैयन' रजनीकांत की 170वीं फीचर फिल्म है। इसमें फहाद फासिल, राणा दग्गुबाती, ऋतिका सिह, मंजूर वार्रिएर और दुशारा विजयन भी अहम भूमिकाओं में है।

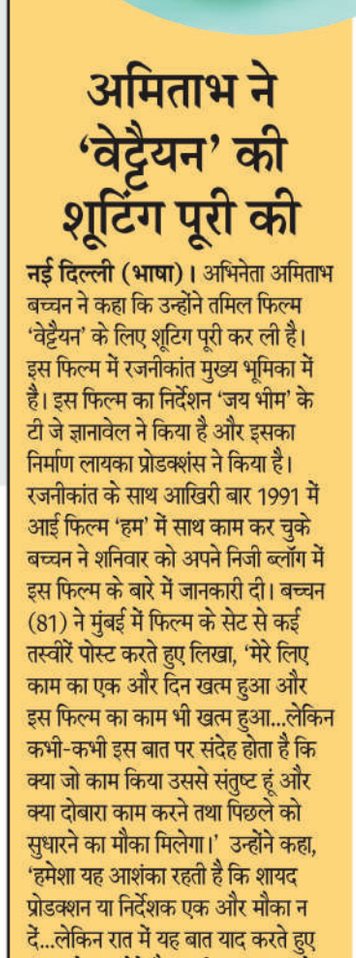

ओपनएआई का जीपीटी-5 और मेटा का लामा-3 से क्या उम्मीद करें

बर्मिंघम (द कन्वरसेशन)। हाल ही में, ओपनएआई के चैटजीपीटी एआई-संचालित चैटबॉट और मेटा के लामा सिस्टम के नियोजित अपग्रेड के बारे में प्रचार-प्रसार हुआ है, जो फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कंपनी के चैटबॉट्स को शक्ति प्रदान करता है। इन प्रणालियों के पीछे की तकनीक को बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) के रूप में जाना जाता है। ये कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क है, एक प्रकार का एआई जिसे मानव मस्तिष्क की नकल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। वे चैटबॉट्स के लिए सामान्य प्रयोजन पाठ उत्पन्न कर सकते हैं और अवधारणाओं को वर्गीकृत करने, डेटा का विश्लेषण करने और पाठ का अनुवाद करने जैसे भाषा प्रसंस्करण कार्य कर सकते है। वे इन क्षमताओं को प्रशिक्षण नामक एक गहन प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त करते है, जहां एआई सिस्टम जो करता है उसे बेहतर बनाने के प्रयास में बड़ी मात्रा में डेटा के संपर्क में आता है। उम्मीद है कि ओपनएआई और मेटा 2024 की गर्मियों के अंत से पहले अपने चैटबॉट्स के नए संस्करण जारी करेंगे, जिन्हें क्रमशः जीपीटी-5 और लामा 3 कहा जाता है। ये नए वर्जन अपने पूर्ववर्तियों से कैसे भिन्न होंगे और वे कितने उपयोगी होंगे?

2024
जारी होंगे अगली पीढ़ी के चैटबॉट्स के नए संस्करण

जीपीटी-5 बुद्धिमान तरीके से संवाद करने में सक्षम होगा

अपने पूर्ववर्ती जीपीटी-4 की तरह, जीपीटी-5 छवियों और पाठ को समझने में सक्षम होगा। उदाहरण के लिए, उपयोगकर्ता इससे किसी छवि का वर्णन करने के लिए कह सकेंगे, जिससे दृष्टिबाधित लोगों के लिए यह और भी अधिक सुलभ हो जाएगा। हालांकि, जीपीटी-5 में विभिन्न भाषाओं के साथ बेहतर क्षमताएं होंगी, जिससे गैर-अंग्रेजी बोलने वालों के लिए सिस्टम के साथ संवाद करना और बातचीत करना संभव हो जाएगा। इसमें भाषा अनुवाद की अधिक निपुणता शामिल है। अपग्रेड में संवाद के संदर्भ की व्याख्या करने और भाषा की बारीकियों की व्याख्या करने की बेहतर क्षमता भी होगी। अपने पूर्ववर्ती की तुलना में, जीपीटी-5 में अधिक उन्नत तर्क क्षमताएं होंगी, जिसका अर्थ है कि यह अधिक जटिल डेटा सेट का विश्लेषण करने और अधिक परिष्कृत समस्या-समाधान करने में सक्षम होगा। यह तर्क एआई प्रणालियों को नए अनुभवों से सीखकर सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाएगा। इसलिए, यह उपयोगकर्ताओं को अधिक सटीक जानकारी प्रदान करने में सक्षम होगा। उदाहरण के लिए, सिस्टम की बेहतर विश्लेषणात्मक क्षमताएं इसे उपयोगकर्ता द्वारा वर्णित लक्षणों से संभावित चिकित्सा स्थितियों का सुझाव देने में सक्षम बनाएंगी। जीपीटी-5 एक समय में 50 हजार शब्दों तक प्रोसेस कर सकता है, जो जीपीटी-4 की तुलना में दोगुना है, जिससे यह बड़े दस्तावेज़ों को संभालने के लिए और भी बेहतर ढंग से सुसज्जित हो जाता है। इसमें उच्च स्तर की भावनात्मक बुद्धिमत्ता होगी, जो उपयोगकर्ताओं के साथ अधिक सहानुभूतिपूर्ण संवाद में मददगार होगी। यह ग्राहक सेवा सहित कई सेंटिंग्स में उपयोगी हो सकता है। जीपीटी-5 जानकारी को खोजने और पुनः प्राप्त करने के तरीके की सटीकता में भी महत्वपूर्ण सुधार प्रदर्शित करेगा, जिससे यह सीखने के लिए अधिक विश्वसनीय सेतु बन जाएगा। ऐसा कहा जाता है कि यह एक विशिष्ट खोज इंजन के कायरें से कहीं आगे जाता है जो नई सामग्री तैयार करने के लिए मौजूदा सूचना भंडारों से प्रासंगिक जानकारी ढूंढता और निकालता है। जीपीटी-5 से भाषा मॉडल में पूर्वाग्रहों को कम करने के लिए ओपनएआई द्वारा किए गए अतिरिक्त प्रयासों के कारण उत्पन्न सामग्री में उच्च स्तर की निष्पक्षता और समावेशन दिखाने की भी उम्मीद है। यह घर में स्मार्ट सिस्टम सहित अन्य उपकरणों और मशीनों के साथ अधिक बुद्धिमान तरीके से संवाद करने में सक्षम होगा।

लामा-3 मल्टीमॉडल होगा

मेटा का लामा अपग्रेड लामा-3 मेटा का जीपीटी-5 का प्रतिस्पर्धी है। इसमें अपने पूर्ववर्ती लामा-2 की तुलना में कई सुधार है। यह एक अधिक सक्षम मॉडल है जो अंततः अपने पूर्ववर्ती लामा-2 के अधिकतम 70 अरब मापदंडों की तुलना में 400 अरब मापदंडों के साथ आएगा। मशीन लर्निंग में, पैरामीटर एक शब्द है जो एआई सिस्टम में एक वेरिएबल का प्रतिनिधित्व करता है जिसे प्रशिक्षण प्रक्रिया के दौरान समायोजित किया जा सकता है, ताकि सटीक भविष्यवाणियां करने की क्षमता में सुधार हो सके। लामा-3 मल्टीमॉडल भी होगा, जिसका अर्थ है कि यह टेक्स्ट, छवियों और वीडियो को संसाधित करने और उत्पन्न करने में सक्षम है। इसलिए, यह छवि सामग्री का विस्तृत विवरण प्रदान करने के लिए इनपुट के रूप में एक छवि लेने में सक्षम होगा। समान रूप से, यह स्वचालित रूप से एक नई छवि बना सकता है जो उपयोगकर्ता के संकेत, या पाठ विवरण से मेल खाती है।

मुगल-ए-आजम में संगीत देना नहीं चाहते थे नौशाद

(पुण्यतिथि 05 मई के अवसर पर...)

मुंबई (वार्ता)। वर्ष 1960 में प्रदर्शित महान शाहकार मुगल-ए-आजम के मधुर संगीत को आज की पीढ़ी भी गुनगुनाती है लेकिन इसके गीत को संगीतबद्ध करने वाले संगीत सम्राट नौशाद ने पहले मुगल-ए-आजम का संगीत निर्देशन करने से इनकार कर दिया था। कहा जाता है मुगल-ए-आजम के निर्देशक के. आसिफ एक बार नौशाद के घर उनसे मिलने के लिए गए। नौशाद उस समय हारमोनियम पर कुछ धुन तैयार कर रहे थे तभी के. आसिफ ने 50 हजार रुपए के नोटों का बंडल हारमोनियम पर फेंका। नौशाद इस बात से बेहद क्रोधित हुए और नोटों से भरा बंडल के. आसिफ के मुंह पर मारते हुए कहा कि ऐसा उन लोगों के लिए करना, जो बिना एडवांस फिल्मों में संगीत नहीं देते, मै आपकी फिल्म में संगीत नहीं दूंगा। बाद में के. आसिफ के मान-मनौवल पर नौशाद न सिर्फ फिल्म का संगीत देने के लिए तैयार हुए बल्कि इसके लिए एक भी पैसा नहीं लिया।

लखनऊ के एक मध्यमवर्गीय रूढ़िवादी मुस्लिम परिवार में 25 दिसंबर 1919 को जन्मे नौशाद का बचपन से ही संगीत की तरफ रुझान था और अपने इस शौक को परवान चढ़ाने के लिए वे फिल्म देखने के बाद रात में देर से घर लौटा करते थे। इस पर उन्हें अक्सर अपने पिता की नाराजगी झेलनी पड़ती थी। उनके पिता हमेशा कहा करते थे कि तुम घर या संगीत में से एक को चुन लो। एक बार की बात है कि लखनऊ में एक नाटक कंपनी आई और नौशाद ने आखिरकार हिम्मत करके अपने पिता से बोल ही दिया-'आपको आपका घर मुबारक, मुझे मेरा संगीत...।'इसके बाद वे घर छोड़कर उस नाटक मंडली में शामिल हो गए और उसके साथ जयपुर, जोधपुर, बरेली और गुजरात के बड़े शहरों का भ्रमण किया। नौशाद के बचपन का एक वाकया बड़ा ही दिलचस्प है। लखनऊ में भोंदूमल एंड संस की वाद्य यंत्रों की एक दुकान थी जिसे संगीत के दीवाने नौशाद अक्सर हसरतभरी निगाहों से देखा करते थे। एक बार दुकान मालिक ने उनसे पूछ ही लिया कि वे दुकान के पास क्यों खड़े रहते हैं? तो नौशाद ने दिल की बात कह दी कि वे उसकी दुकान में काम करना चाहते है। वे जानते थे कि इसी बहाने वे वाद्य यंत्रों पर रियाज कर सकेंगे। एक दिन वाद्य यंत्रों पर रियाज करने के दौरान मालिक की निगाह नौशाद पर पड़ गई और उसने उन्हें डांट लगाई कि उन्होंने उसके वाद्य यंत्रों को गंदा कर दिया है लेकिन बाद में उसे लगा कि नौशाद ने बहुत मधुर धुन तैयार की है तो उसने उन्हें न सिर्फ वाद्य यंत्र उपहार में दे दिए बल्कि उनके लिए संगीत सीखने की व्यवस्था भी करा दी। नौशाद अपने एक दोस्त से 25 रुपए उधार लेकर 1937 में संगीतकार बनने का सपना लिए मुंबई आ गए। मुंबई पहुंचने पर नौशाद को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यहां तक कि उन्हें कई दिनों तक फुटपाथ पर ही रात गुजारनी पड़ी। इस दौरान नौशाद की मुलाकात निर्माता कारदार से हुई जिन की सिफारिश पर उन्हें संगीतकार हुसैन खान के यहां 40 रुपए प्रतिमाह पर पियानो बजाने का काम मिला। इसके बाद उन्होंने संगीतकार खेमचन्द्र प्रकाश के सहयोगी के रूप में काम किया। बतौर संगीतकार, नौशाद को वर्ष 1940 में प्रदर्शित फिल्म 'प्रेमनगर' में 100 रुपए मासिक वेतन पर काम करने का मौका मिला। वर्ष 1944 में प्रदर्शित फिल्म 'रतन' में अपने संगीतबद्ध गीत 'अंखियां मिला के, जिया भरमा के, चले नहीं जाना...' की सफलता के बाद नौशाद पारिश्रमिक के तौर पर 25 हजार रुपए लेने लगे। इसके बाद नौशाद ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और फिल्मों में एक से बढ़कर एक संगीत देकर श्रोताओं को मंमुग्ध कर दिया।

तरह-तरह के रोल करने की कोशिश करती हूं

सोनाक्षी सिन्हा

नई दिल्ली(आईएएनएस)। एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने 2010 में अपने डेब्यू के बाद से ही कोशिश की है कि वह किसी खास तरह की भूमिका से बंधकर न रहें। उन्होंने कहा कि वह हमेशा अपने अंदर नयापन लाने की कोशिश करती हैं और उनका लक्ष्य ऐसी एक्टर बनना है जिसे फिल्म निर्माता किसी भी तरह की भूमिका देने से परहेज न करें। सोनाक्षी ने बताया, एक एक्टर का काम हमेशा अलग-अलग चीजें करना और जो भी करते हैं उसमें अपने अंदर नयापन लाते रहना है। मुझे लगता है कि मैं भी यही कर रही हूं। मैं अपनी पहली सोलो फिल्म 'अकीरा' के समय से ही ऐसा कर रही हूं और मैं हमेशा यही करने की कोशिश करती हूं। एक्ट्रेस ने बताया कि वह हमेशा ऐसे रोल करना चाहती हैं जो एक-दूसरे से अलग हो ताकि वह एक एक्टर के तौर पर अपनी रेंज दिखा सकें।

उन्होंने कहा, मैं ऐसी एक्टर बनना चाहती हूं जिसे फिल्म निर्माता किसी भी तरह की भूमिका में कास्ट कर सकें। उस समय से, मेरी यही कोशिश रही है और मुझे लगता है कि मैं इस मामले में काफी अच्छा कर रही हूं। मैंने कई अलग-अलग तरह की भूमिकाएं की हैं। मैंने स्क्रीन पर कई दमदार महिला पात्रों को निभाया है, और मैं ऐसा करके काफी खुश हूं। सोनाक्षी ने 2010 में सलमान खान के साथ 'दबंग' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 'राउडी राठौड़', 'सन ऑफ सरदार', 'वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई दोबारा', 'आर... राजकुमार', 'बॉस', 'हॉलीडे : अ सोल्जर इज नेवर ऑफ ड्यूटी', 'मिशन मंगल' और 'कलंक' जैसी कई फिल्में की हैं। एक्ट्रेस ने हिंदी सिनेमा में अपने 14 साल को अबतक का सबसे अच्छा सफर करार दिया। उन्होंने कहा, मैंने हर तरह के फिल्म निर्माताओं के साथ काम किया है। मैंने हर तरह की फिल्में की हैं। एक तरह से जब भी मौका मिला है, मैंने चीजों के परखा है, और मुझे इसमें वाकई काफी मजा आया है।

पापा जैसा रोमांटिक कोई नहीं : बॉबी

मुंबई(आईएएनएस)। एक्टर बॉबी देओल का मानना है कि ऑन स्क्रीन उनके पापा और अपने जमाने के जाने-माने अभिनेता धर्मेंद्र जितना रोमांटिक कोई दूसरा नहीं है। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में होस्ट कपिल शर्मा ने 'एनिमल' स्टार से पूछा था कि रोमांटिक होने के मामले में यदि उन्हें खुद को, अपने भाई सनी देओल और अपने पिता धर्मेंद्र को 1 से 100 के बीच अंक देने हों तो वह किसे सबसे ज्यादा अंक देंगे। बॉबी ने छूटते ही कहा, पापा को तो एक लाख जाएंगे। पापा जैसा रोमांटिक कोई नहीं है। शो के शुरू में कपिल ने कुछ ईमेल पढ़े जिनके बारे में उन्होंने कहा कि ये फैंस ने भेजे हैं। उन्होंने कहा कि बॉबी का एक फैन है जो संदीप रेड्डी वंगा निर्देशित फिल्म के बॉबी के किरदार की तरह तीन शादियां करना चाहता है, लेकिन उसकी पत्नी इसकी अनुमति नहीं दे रही है। बॉबी अपनी हंसी रोक नहीं सके। उन्होंने कहा कि वह अपनी प्यार तान्या के साथ 28 साल से शादी के बंधन में हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि देओल काफी रोमांटिक होते हैं। कपिल ने शो में बॉबी का एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि एक बार बॉबी एक पार्टी से सुबह लौटे। उनके पिता धर्मेंद्र बहुत खुश हुए। उन्होंने समझा कि वह बैडमिंटन खेलने के लिए जल्दी उठ गए हैं। बॉबी ने बताया, जब मैं बाहर जाता था तो मेरी मां को नींद नहीं आती थी। मेरे लिए बाहर जाने का सिलसिला नया-नया था। सुबह के समय बैडमिंटन खेलना रोज की बात थी, लेकिन पार्टी करने के कारण मैं ध्यान नहीं दे पाता था।

आलिया की बेटी ने अयान के साथ आउटिंग का लिया आनंद

मुंबई (आईएएनएस)। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की बेटी राहा को रविवार को अपने चाचा अयान मुखर्जी के साथ समय बिताते देखा गया। राहा को उसके चाचा के साथ कैप्चर करने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। 'वेक अप सिड', 'ये जवानी है दीवानी' और 'ब्रह्मास्त्र : पार्ट वन शिवा' के लिए मशहूर फिल्म निर्माता को मुंबई के एक रेस्तरां में राहा के साथ समय बिताते हुए देखा जा सकता है। अपनी कार में लौटने से पहले अयान ने रेस्तरां में नजर डाली, लेकिन, पैपराजी ने उन्हें पकड़ ही लिया। अयान और राहा दोनों ने मुंबई की गर्मी के मौसम के हिसाब से आरामदायक ड्रेस पहनी हुई थी। रणबीर और आलिया ने पिछले साल क्रिसमस पर पहली बार अपनी बेटी के साथ पोज देते हुए राहा का चेहरा दिखाया था। 2022 में शादी के बंधन में बंधे इस जोड़े ने हाल ही में अपनी शादी की दूसरी सालगिरह मनाई। राहा का जन्म नवंबर 2022 में हुआ था। आलिया आगामी प्रोजेक्ट 'जिगरा' के लिए तैयारी कर रही हैं।

भारतीय संस्कृति और कला को दुनिया भर में ले जाना मेरी जिम्मेदारी : रैपर किंग

मुंबई(आईएएनएस)। 'तू आके देख ले', 'मान मेरी जान' और हाल ही में रिलीज हुए 'बुम्पा' जैसे गानों के लिए मशहूर बॉलीवुड सिंगर किंग ने कहा कि एक कलाकार होने के नाते भारतीय संस्कृति और कला को दुनिया भर में ले जाना उनकी जिम्मेदारी है। किंग ने कहा, यह सब कलाकार पर निर्भर करता है। एक कलाकार के तौर पर यह आपका विशेषाधिकार है कि आप कैसे दिखना चाहते हैं। कई कलाकार पूरी तरह से पश्चिम को अपना लेते हैं। दिलजीत पाजी (दिलजीत दोसांझ) अपनी जड़ों से काफी जुड़े हुए हैं। मेरे जैसे कलाकार बीच का रास्ता तलाशते हैं। कलाकारों की एक बहुत छोटी सी लीग सोचती है कि वे भारत को दुनियाभर में ले जाएं। यदि आप मेरे बारे में पूछें, तो मैं कहूंगा कि पश्चिम में पहले से ही पश्चिमी संस्कृति और प्रभाव मौजूद हैं। अगर मैं उनके जैसा बन जाऊं तो मैं इसमें क्या मूल्य जोड़ रहा हूं? अगर मैं एक भारतीय कलाकार के रूप में अपनी संवेदनाओं को अंतरराष्ट्रीय कैनवास पर ले जाऊं तो यह समझ में आता है। किंग ने कहा, हम 140 करोड़ हैं और बढ़ रहे हैं... 1.4 अरब। हमारे पास हमारी संस्कृति है, सब कुछ है हमारे पास। हमारे परिवारों के लोग पश्चिम में बसे हुए हैं। जब पश्चिम से कला और संगीत की चीजें भारत में आती हैं तो कलाकार के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों को दुनिया तक ले जाएं।

संक्षिप्त खबरें

मिडास सेफ्टी का अधिग्रहण

नई दिल्ली। 1000 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाले 25 साल पुराने करम ग्रुप ने एक मंदी सौदे के माध्यम से 110 करोड़ रुपये की टॉप लाइन वाले मिडास सेफ्टी इंडिया के संचालन का अधिग्रहण किया है। अधिग्रहण पर टिप्पणी करते हुए, करम ग्रुप के अध्यक्ष, ग्लोबल सेल्स एंड मार्केटिंग, हेमंत सप्रा ने कहा, 'करम के मिडास सेफ्टी इंडिया के अधिग्रहण के साथ, पीपीई उद्योग के दो प्रमुख कंपनी एकजुट हो गए हैं। हम वैश्विक सुरक्षा नेतृत्व और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप, करम परिवार में मिडास सेफ्टी इंडिया का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं।

पीबी पार्टनर्स की आय बढ़ी

नई दिल्ली। पीबीपार्टनर्स की आमदनी में चार से पांच गुना तक की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों को बीमा उद्योग में प्रवेश करके अपना बेहतरीन करियर बनाने का अवसर प्रदान करती है। कंपनी के एजेंट पार्टनर अनुराग गुप्ता हैं। उन्होंने कहा कि पीबी पार्टनर्स और उनके निरंतर सहयोग से हमने कारोबार में वृद्धि दर्ज की है। पीबी पार्टनर्स के एजेंट पार्टनर्स कंपनी को बीमा उद्योग में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक टूल्स एवं सहयोग उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने कहा कि पीबी पार्टनर्स केवल एक प्लेटफार्म ही नहीं है, बल्कि यह एक सहयोगपूर्ण समुदाय है, जहां अनुभवी एजेंट नए लोगों को आवश्यक ज्ञान एवं सहयोग प्रदान करते हैं।

निर्गम सात को बंद होगा

नई दिल्ली। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विस लिमिटेड (एमओएफएसएल) ने ₹500 करोड़ तक के ग्रीन शू विकल्प के साथ ₹500 (बेस इशू साइज़) की राशि तक के सुरक्षित प्रतिदेय गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के सार्वजनिक निर्गम की घोषणा की है, जिसका प्रत्येक का अंकित मूल्य ₹1,000 है और जो संचयी रूप से ₹1,000 करोड़ तक होगा। एनसीडी की आठ सीरीज होंगी जिनमें निश्चित कूपन हैं जिनपर 24 महीने, 36 महीने, 60 महीने और 120 महीने की अवधियों में वार्षिक, मासिक और परिपक्वता के ब्याज विकल्प मौजूद हैं। एनसीडी के लिए प्रभावी वार्षिक प्रतिफल 8.85% प्रति वर्ष से 9.70% प्रति वर्ष है। यह इश्यू 23 अप्रैल, 2024 को खुला था और 7 मई 2024 को बंद होगा।

तंबाकू नियंत्रण पर रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में तम्बाकू का उपयोग करने वाली दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी रहती है। केपीएमजी एश्योरेंस एवं कंसल्टिंग सर्विसेज़ एलएलपी, ईटी एज़ के साथ की एक नई रिपोर्ट, 'ह्यूमन-सेंट्रिक एप्रोच टू टोबैको कंट्रोल' में सामने आया है कि भारत में तम्बाकू का उपयोग करने वाली दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी रहती है, जहाँ 27 प्रतिशत व्यस्क तम्बाकू का सेवन करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार तम्बाकू नियंत्रण के लिए एक व्यवहारिक रोडमैप का होना बहुत आवश्यक है।

भारतीय बाजार में हैं ढेरों 'अनखोजे' अवसर : बफे

वाशिंगटन (एजेंसियां)।

अरबपति निवेशक वारेन बफे ने कहा कि भारतीय बाजार में ढेरों 'अनखोजे' अवसर हैं, जिन्हें उनके समूह की होल्डिंग कंपनी बर्कशायर हैथवे भविष्य में तलाशना चाहेगी।

बफे की यह टिप्पणी शुक्रवार को बर्कशायर की वार्षिक बैठक के दौरान आई। भारतीय इक्विटी में निवेश करने वाले अमेरिका स्थित हेज फंड दूरदर्शी एडवाइजर्स के राजीव अग्रवाल ने उनसे दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत में बर्कशायर की संभावनाओं के बारे में पूछा था। बफे से कहा, 'यह एक बहुत अच्छा सवाल है। मुझे यकीन है कि भारत जैसे देशों में बहुत सारे अवसर हैं।'

बर्कशायर हैथवे के सह-संस्थापक, अध्यक्ष और सीईओ ने कहा, 'हालांकि, सवाल यह है कि क्या हमारे पास भारत में उन व्यवसायों के बारे में कोई बढत या अंतर्दृष्टि है या कोई संपर्क है, जो बर्कशायर की भागीदारी के जरिए लेनदेन को संभव बना सके।' उन्होंने कहा कि बर्कशायर में अधिक ऊर्जावान प्रबंधन इसे आगे बढ़ा सकता है। बफे (93) ने कहा कि बर्कशायर की दुनिया भर में बहुत अधिक प्रतिष्ठा है। उन्होंने कहा कि जापान में उनका अनुभव काफी दिलचस्प रहा है। भारत के बारे में उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि कोई ऐसा अवसर हो, जिसकी खोज न की गई हो या जिस पर ध्यान न दिया गया हो। लेकिन ऐसा भविष्य में हो सकता है।'

बफे ने हाल ही में बर्कशायर हैथवे द्वारा लिए गए कुछ प्रमुख निवेश निर्णयों से संबंधित कई सवालों के जवाब दिए। एप्पल में हिस्सेदारी कम करने से जुड़ा एक सवाल भी था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका शेयर के दीर्घकालिक नजरिए से कोई संबंध नहीं है और हाल ही में मंदी के बावजूद संभव है कि एप्पल उनकी सबसे बड़ी होल्डिंग्स में से एक रहेगा।

उन्होंने शेयरधारकों को यह भी बताया कि वाइस चेयरमैन ग्रेग एबेल और अजीत जैन ने उनके जाने के बाद बर्कशायर का नेतृत्व करने के लिए खुद को साबित किया है।

मई में एफपीआई ने शेयरों में 1,156 करोड़ डाले

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत में आम चुनाव की वजह से विदेशी निवेशक 'देखो और इंतजार करो' की नीति अपना रहे हैं। चालू महीने के पहले दो कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में सिर्फ 1,156 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

इससे पहले मारीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बांड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के कारण अप्रैल में एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। वहीं मार्च में एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

बिजली संयंत्रों के पास कोयले का पर्याप्त भंडार

■ तापीय बिजलघरों में मानक का 68% कोयला मौजूद

नई दिल्ली (भाषा)।

देश में पारा चढ़ने के साथ ही बिजली की बढ़ती मांग के बीच 184 तापीय बिजली संयंत्रों में मानक के मुकाबले 68 प्रतिशत कोयले का भंडार है। इन 184 संयंत्रों की कुल उत्पादन क्षमता 211 गीगावाट है।

■ गर्मियों की बिजली की मांग से निपटने को कंपनियों ने की है काफी तैयारी

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की तीन मई की दैनिक रिपोर्ट के अनुसार, उसकी निगरानी वाले 184 संयंत्रों में 4.77 करोड़ टन कोयला का भंडार है, जबकि मानक स्तर 7.05 करोड़ टन है। यह स्थिति बिजली मंत्रालय के इस अनुमान के मद्देनजर महत्वपूर्ण है कि इस गर्मी के दौरान अधिकतम मांग 260 गीगावाट होगी। सितंबर, 2023 में बिजली की अधिकतम मांग 243 गीगावाट के सर्वकालिक उच्चस्तर पर थी।

किसी एक दिन में बिजली की सबसे अधिक आपूर्ति तीन मई, 2024 को 223.84 गीगावाट तक पहुंच चुकी है, जो मई, 2023 में दर्ज 221.42 गीगावाट से अधिक है। बिजली की अधिक मांग के अनुमान को देखते हुए विद्युत मंत्रालय ने कई कदम उठाए हैं, जिसमें देश में आयातित कोयला आधारित संयंत्रों को अनिवार्य रूप से चलाना शामिल है। मंत्रालय ने घरेलू कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को छह प्रतिशत आयातित कोयला मिलाने के लिए भी कहा है।

बिजली क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि अप्रैल में बिजली की मांग 224 गीगावाट से अधिक हो सकती थी, लेकिन बेमौसम बारिश ने ठंडक देने वाले उपकरणों की जरूरत को काफी हद तक कम कर दिया।

उनका मानना है कि मई और जून में पारा चढने के साथ बिजली की मांग अनुमानित स्तर तक पहुंच सकती है।

इस हफ्ते तीन कंपनियां लाएंगी आईपीओ

नई दिल्ली (भाषा)।

इस सप्ताह तीन कंपनियां ब्लैकस्टोन समर्थित आधार हाउसिंग फाइनेंस, चिकित्सा प्रौद्योगिकी कंपनी इंडिजेन और यात्रा क्षेत्र से जुड़ी कंपनी टीबीओ टेक कुल मिलाकर 6,400 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाएंगी। इससे पहले, जेएनके इंडिया ने पिछले महीने आईपीओ के माध्यम से 650 करोड़ रुपये जुटाए थे।

पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स के प्रबंध निदेशक महावीर लुनावत ने कहा कि साल 2004 के बाद से पिछले चार आम चुनाव चक्रों में मई के दौरान एक भी आईपीओ पेश नहीं हुआ है। आमतौर पर, इन वर्षों के दौरान अप्रैल से जून की अवधि चुनावी अनिश्चितता के कारण प्राथमिक बाजारों के लिए धीमी रही है।

आनंद राठी एडवाइजर्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारी समीर बहल ने कहा कि नया चलन एक सकारात्मक संकेत है जो भारतीय पूंजी बाजार के परिपक्व होने और राजनीतिक घटनाक्रमों के बावजूद भारत की दीर्घकालिक वृद्धि गाथा में विश्वास का संकेत देता है। इंडिजेन का तीन दिन का आईपीओ छह मई को, जबकि आधार हाउसिंग फाइनेंस और टीबीओ टेक का आईपीओ आठ मई को खुलेगा। तीनों कंपनियों के कुल 6,393 करोड़ रुपये के आईपीओ में से 4,233 करोड़ रुपये बिक्री पेशकश (ओएफएस) के माध्यम से जुटाए जाएंगे।

होम लोन का बकाया दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

■ मार्च में रिकार्ड 27.23 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली (भाषा)।

आवास क्षेत्र के लिए बकाया ऋण पिछले दो वित्त वर्षों में लगभग 10 लाख करोड़ रुपये बढकर इस साल मार्च में रिकार्ड 27.23 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आरबीआई के 'बैंक ऋण के क्षेत्रवार वितरण' आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।

बैंकिंग और रियल एस्टेट क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने बताया कि कोविड महामारी के बाद आवासीय संपत्ति बाजार में दबी मांग सामने आने के चलते आवास ऋण बकाया में वृद्धि हुई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मार्च, 2024 के लिए बैंक ऋण के क्षेत्रवार वितरण पर आंकड़ों के अनुसार आवास (प्राथमिकता क्षेत्र आवास सहित) के लिए बकाया ऋण मार्च, 2024 में 27,22,720 करोड़ रुपये था। यह आंकड़ा मार्च, 2023 में 19,88,532 करोड़ रुपये और मार्च, 2022 में 17,26,697 करोड़ रुपये था।

आंकड़ों से यह भी पता चला कि वाणिज्यिक अचल संपत्ति के लिए बकाया ऋण मार्च 2024 में 4,48,145 करोड़ रुपये था। यह मार्च, 2022 में 2,97,231 करोड़ रुपये था। विभिन्न संपत्ति सलाहकारों की रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो वित्त वर्षों में घरों की बिक्री और कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि आवास ऋण में उच्च वृद्धि आवासीय क्षेत्र के सभी खंडों में तेजी के चलते है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से किफायती आवास खंड में सरकार के प्रयासों के कारण तेजी देखी गई है।

सबनवीस ने कहा कि आवास ऋण की वृद्धि मजबूत बनी रहेगी, लेकिन उच्च आधार के कारण यह घटकर 15-20 प्रतिशत रह सकती है। आरबीआई के आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए रियल एस्टेट विश्लेषण कंपनी प्रॉपइक्विटी के सीईओ/एमडी समीर जसूजा ने कहा कि बकाया आवास ऋणों में वृद्धि मुख्य रूप से पिछले दो वित्त वर्षों में पेश की गई और बेची गई संपत्तियों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण है।

तकनीक से हो रही मनी लांड्रिंग की जांच

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत की वित्तीय आसूचना इकाई (एफआईयू) ने देश के आर्थिक चैनलों में धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) और आतंकवाद के वित्तपोषण जैसे अपराधों की जांच के लिए अपनी सूचना प्रौद्योगिकी प्रणाली को बेहतर बनाया है। इसके तहत एफआईयू ने कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग को अपनाते हुए अत्याधुनिक 2.0 संस्करण को चालू किया है।

वित्त वर्ष 2022-23 की एक ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि तकनीकी ढांचे को बेहतर बनाने की जरूरत थी, क्योंकि बैंकों और विभिन्न अन्य वित्तीय संस्थानों की तरफ से विश्लेषण और जांच के लिए भेजे जाने वाले डेटा (संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट) की मात्रा बढ़ रही है। इस एजेंसी की स्थापना 2004 में धन शोधन रोधक अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मनी लांड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण के खतरे के खिलाफ भारत की लड़ाई में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए हुई थी। हाल में जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्तीय आसूचना नेटवर्क 2.0 की परिकल्पना इसलिए की गई, क्योंकि देश का विनियामक वातावरण बदल रहा है, प्रौद्योगिकी परिदृश्य विकसित हो रहा है।

बीते वित्त वर्ष में 1.85 लाख नई कंपनियों का गठन

नई दिल्ली (भाषा)।

बीते वित्त वर्ष (2023-24) में देश में 1.85 लाख से अधिक कंपनियों का पंजीकरण हुआ। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में पंजीकृत कंपनियों की संख्या से कहीं अधिक है। इस साल मार्च में लगभग 16,600 कंपनियां स्थापित की गईं।

2022-23 में 18,132.16 करोड़ रुपये की सामूहिक चुकता पूंजी के साथ 1,59,524 कंपनियां पंजीकृत हुई थीं। मार्च, 2024 के अंत में देश में कुल 26,63,016 कंपनियां थीं और इनमें से 16,91,495 या 64 प्रतिशत कंपनियां सक्रिय थीं। आंकड़ो से पता चलता है कि इनमें 9,31,644 पंजीकृत कंपनियां बंद हो गईं, 2,470 निष्क्रिय थीं और 10,385 कंपनियां परिसमापन के तहत थीं। कुल 27,022 कंपनियों को आधिकारिक रिकॉर्ड से हटाने की प्रक्रिया जारी थी।

टेस्ला से ठुकराए गए ट्रेनीज को भारतीय स्टार्टअप ने दिया सहारा

नई दिल्ली (भाषा)। बेंगलुरु की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) स्टार्टअप कंपनी प्रवेग डायनमिक्स ने वैश्विक ईवी कंपनी टेस्ला के उन प्रशिक्षुओं को प्रस्ताव भेजा है, जिनकी नौकरी के प्रस्ताव (ऑफर) को काम शुरू करने की तारीख से पहले रद्द कर दिया गया है। स्टार्टअप कंपनी ने इन प्रशिक्षुओं को 'भारत की सिलिकन वैली' से जुड़ने का प्रस्ताव दिया है, जो उनकी प्रतिभा को स्वीकार करेगी। अरबपति एलन मस्क के हालिया लागत-कटौती कार्रवाई के शिकार उनकी प्रमुख कंपनी टेस्ला इंक के ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षु हैं, जिनका प्रशिक्षण शुरू होने से कुछ हफ्ते पहले ही उनके ऑफर को रद्द कर दिया गया है।

जहां कई महत्वाकांक्षी कर्मचारियों ने पेशेवरों के लिए सोशल मीडिया मंच लिंक्डइन पर गर्मियों के लिए प्रतिस्थापन कार्यक्रम खोजने के लिए पर्याप्त समय नहीं होने पर दुख जताया वहीं प्रवेग ने मदद की पेशकश की है। प्रवेग में भागीदार शिवांगी बागरी ने अपने लिंक्डइन पेज पर लिखा, "प्रवेग डायनेमिक्स में हम आपके करियर के प्रयासों में मूल्यवान और समर्थित महसूस करने के महत्व को समझते हैं। इसलिए हम इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति से प्रभावित लोगों को वास्तविक निमंत्रण देना चाहते हैं।" मुख्य रूप से गिरती बिक्री और अबतक नौकरी में कटौती की गति के कारण सैकड़ों और कर्मचारियों को निकालने की योजना की खबरों के बीच मस्क ने हाल के दिनों में टेस्ला के दो वरिष्ठ अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है।

कारपोरेटनामा

यूको बैंक का कारोबार बढ़ा

नई दिल्ली (वि.)। वित्त वर्ष 2023 के मुकाबले वित्त वर्ष 2024 में यूको बैंक का कुल कारोबार वर्ष-दर-वर्ष 9.50% बढ़कर 450007 करोड़ रुपए (तिमाही-दर-तिमाही 435456 करोड़ रुपए से 3.34% बढ़कर) हो गया। सकल अग्रिम वर्ष-दर-वर्ष 15.62% बढ़कर 186877 करोड़ रुपये (तिमाही-दर-तिमाही 179195 करोड़ रुपए से 4.29% बढ़कर)। कुल जमा वर्ष-दर-वर्ष 5.53% बढ़कर 263130 करोड़ रुपए (तिमाही-दर-तिमाही 256261 करोड़ रुपए से 2.68% बढ़कर) हो गई। खुदरा, कृषि और एमएसएमई (रैम) क्षेत्रों में अग्रिम बैंक का रैम सेग्मेंट वर्ष-दर-वर्ष 13.88% बढ़कर 97516 करोड़ रुपए हो गया (तिमाही-दर-तिमाही 93720 करोड़ रुपए से 4.05 % बढ़कर)। यह वृद्धि खुदरा अग्रिमों में वर्ष-दर वर्ष 14.62% की वृद्धि, कृषि अग्रिमों में वर्ष-दर-वर्ष 13.16% वृद्धि और एमएसएमई अग्रिमों में वर्ष-दर-वर्ष 13.53% की वृद्धि से संभव हुई। बैंक के एनपीए में 132 बीपीएस की कमी के साथ 3.46% और निवल एनपीए में 40 बीपीएस की कमी के साथ साथ 0.89% कमी आई। बैंक का परिचालन लाभ 4576 करोड़ रुपए रहा, जो वर्ष-दर-वर्ष 5.43 % की वृद्धि को दर्शाता है। यह तिमाही दर तिमाही 13.74% की वृद्धि के साथ 1119 करोड़ रुपए से 1273 करोड़ रुपए हो गया है।

150 नए स्टोर खोलेगी गो फैशन

चेन्नई (भाषा)। गो फैशन (इंडिया) लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) में 120-150 नए स्टोर खोलने की योजना बनाई है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गौतम सरावगी ने यह जानकारी दी। गो फैशन के पास महिलाओं के लोकप्रिय ब्रांड 'गो कलर्स' का स्वामित्व है। सरावगी ने कहा कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में कुल 94 स्टोर जोड़े, जिससे हमारे कुल स्टोर की संख्या संख्या 714 हो गई है। गो फैशन विभिन्न शहरों में उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रही है। वह स्टोर के अलावा उपभोक्ताओं को ऑनलाइन खरीदारी का अनुभव भी उपलब्ध करा रही है। इस बीच, शहर स्थित इस कंपनी ने जनवरी-मार्च, 2024 की तिमाही में 13.1 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 14.8 करोड़ रुपये रहा था। बीते पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का शुद्ध लाभ 82.8 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा है।

3.49 मिलियन टन लौह आयस्क का उत्पादन

नई दिल्ली (वि.)। राष्ट्रीय खनन कंपनी, एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2024-25 के पहले महीने में लौह अयस्क का 3.48 मिलियन टन का उत्पादन किया और 3.53 मिलियन टन बिक्री की। वित्त वर्ष 2023-24 में रिकार्ड 45 एमटी वॉल्यूम की पृष्ठभूमि में एनएमडीसी का मजबूत प्रदर्शन जारी रहा। जहां उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि के अनुरूप था, कंपनी ने अप्रैल 2023 की तुलना में बिक्री में लगभग 3% की वृद्धि हासिल की। एनएमडीसी के किरंदुल और दोणिमलै लौह अयस्क खनन परिसरों ने क्रमशः 13.59 एलटी और 11.33 एलटी उत्पादन के साथ अप्रैल माह का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में किरंदुल में उत्पादन में 7% और दोणिमलै में 12% की वृद्धि हुई। कंपनी के बचेली कॉम्प्लेक्स ने अप्रैल 2024 में 14.86 एलटी प्रेषण किया, जो कि अप्रैल 2023 से 12% अधिक है और स्थापना के बाद से इसका अप्रैल माह में अबतक का सबसे अधिक प्रेषण है। कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) अमिताभ मुखर्जी ने देश की लौह और इस्पात की मांग को पूरा करने के लिए एनएमडीसी की क्षमता में विश्वास व्यक्त किया।

वीआईटी की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित

नई दिल्ली (वि.)। वेल्लोर इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (ईईई) के परिणाम घोषित कर दिये हैं। यह प्रवेश परीक्षा भारत के सभी शहरों समेत दुनियाभर में आयोजि की गई। यह परीक्षा दुबई, कुवैत, मस्कट, कतर, क्वलालम्पुर और सिंगापुर में भी आयोजित की गई। परीक्षा का आयोजन 19 से 30 अप्रैल के बीच किया गया। परीक्षा परिणाम संस्था की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिये गए हैं। परीक्षा में प्रथम रैंक हरियाणा के रुपिंदर सिंह को, दूसरी राजस्थान के भानु महेश और तीसरी रैंक आंध्र प्रदेश के ए. वेदांत को मिली। एक लाख तक की रैंक वाले छात्रों को बीटेक में प्रवेश लेने के लिए आयोजित होने वाली काउंसिलिंग में शामिल होने का मौका मिलेगा। रैंक के आधार पर पहले चरण में पहली रैंक से लेकर 20 हजार तक रैंक पाने वाले छात्रों की काउंसिलिंग सात से दस मई तक होगी। दूसरे चरण में इसी तरह दूसरे चरण में 20001 से 45 हजार तक रैंक वाले छात्रों की काउंसिलिंग 18 से 21 मई तक, तीसरे चरण की काउंसिलिंग 29 मई से एक जून तक और चौथे चरण की काउंसिलिंग नौ से 12 जून के बीच होगी।

महिंद्रा व टाटा मोटर्स को रिकार्ड पेटेंट मंजूरियां

नई दिल्ली (भाषा)। वाहन विनिर्माण क्षेत्र की प्रमुख घरेलू कंपनियों- महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) और टाटा मोटर्स को पिछले वित्त वर्ष में उत्पाद और प्रक्रिया नवोन्मेषण से संबंधित रिकार्ड संख्या में पेटेंट मंजूरियां मिली हैं। एमएंडएम को 674 मंजूरियां मिलीं, जो उसका किसी एक साल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वहीं, टाटा मोटर्स को भी वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 333 पेटेंट मंजूरियां मिली हैं। एमएंडएम ने कहा कि उसे पिछले वित्त वर्ष में रिकार्ड 674 पेटेंट मिले हैं। एमएंडएम के कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (वाहन एवं कृषि क्षेत्र) राजेश जेजुरिकर ने कहा, 'हम भविष्य के लिए तैयार रहने के महत्व को समझते हैं, इसलिए हमने प्रौद्योगिकी और प्रतिभा के मामले में आगे रहने के लिए शोध एवं विकास में व्यापक निवेश सुनिश्चित किया है।' एमएंडएम को अभी तक विभिन्न खंडों में 1,185 पेटेंट मिले हैं। कंपनी के पास 31 मार्च, 2024 तक 193 आवेदन पेटेंट मंजूरी की प्रतीक्षा में हैं। कुल मिलाकर, इसने अबतक 2,212 पेटेंट आवेदन किए हैं। टाटा मोटर्स को पिछले वित्त वर्ष के दौरान 333 पेटेंट की मंजूरियां मिलीं।

रैंकिंग बढ़ाने पर काम कर रही है सरकार

नई दिल्ली (भाषा)। विश्व बैंक अपनी पहली बिजनेस रेडी (कारोबार के लिए तैयार) रिपोर्ट इसी साल सितम्बर में जारी करने की योजना बना रहा है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय ने भारत की रैंकिंग बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय कारोबार विषय पर काम शुरू कर दिया है। बिजनेस रेडी (बी-रेडी) विश्व बैंक की नई प्रमुख रिपोर्ट है जो दुनियाभर की अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं में कारोबारी माहौल और निवेश माहौल का मापन करती है।

■ विश्व बैंक अपनी पहली बिजनेस रेडी रिपोर्ट सितंबर में जारी करेगा

■ इस रिपोर्ट में अपनी रैंकिंग बेहतर रखने पर भारत सरकार ने शुरू किया काम

रिपोर्ट कंपनियों पर निर्देशित नियामकीय ढांचे और सार्वजनिक सेवाओं को मापने का काम करती है। पहली बी-रेडी रिपोर्ट 25 सितम्बर, 2024 को जारी की जाएगी। बिजनेस रेडी रिपोर्ट विश्व बैंक समूह के पूर्व के 'डूइंग बिजनेस इंडेक्स' की जगह लेगी। विश्व बैंक ने पिछली रिपोर्टों में आंकड़ों में बदलाव के संबंध में कई अनियमितताओं के बाद 2020 में अपनी 'डूइंग बिजनेस रिपोर्ट' के प्रकाशन को रोकने का फैसला किया था। नई रिपोर्ट में 10 विषयों को केंद्र में रखा गया है जो किसी फर्म की गतिविधियों को शुरू करने, संचालित करने, बंद करने या पुनर्गठित करने के दौरान उसके जीवनचक्र को कवर करते हैं।

ये विषय कारोबार प्रवेश, कारोबार स्थान, उपयोगिता सेवाएं, श्रम, वित्तीय सेवाएं, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, कराधान, विवाद समाधान, बाजार प्रतिस्पर्धा और कारोबार के दिवालिया होने से संबंधित हैं। अगले तीन साल में यह परियोजना सालाना दुनियाभर में लगभग 180 अर्थव्यवस्थाओं को इसके तहत लाने के लिए आगे बढ़ेगी। यह परियोजना 2023-24 में 54 अर्थव्यवस्थाओं से शुरू होकर 2024-25 में 120 अर्थव्यवस्थाओं तक और 2025-26 में 180 अर्थव्यवस्थाओं तक पहुंच जाएगी।

आईपीएल : प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर हुई पंजाब, जीत के साथ तीसरे स्थान पर पहुंची चेन्नई

विकेटों के पतझड़ में चेन्नई ने मारी बाजी, पंजाब को 28 रनों से हराया

धर्मशाला(एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 53वें मैच में रविवार को विकेटों के पतझड़ में चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजों ने बाजी मारते हुए पंजाब सुपर किंग्स को 28 रनों से हरा दिया है। आज यहां हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। चेन्नई ने पहले खेलते हुए बल्लेबाजों के जुझारूपन के दम पर टीम को 167 रन के संघर्षपूर्ण स्कोर तक पहुंचा उसके बाद रवींद्र जडेजा 20 रन देकर तीन विकेट, सिमरजीत सिंह 16 रन देकर दो, तुषार देशपांडे दो विकेट और मिचेल सैंटनर तथा शार्दुल ठाकुर के एक-एक विकेट की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर पंजाब किंग्स की पारी को 20 ओवर में नौ विकेट पर 139 रन पर रोककर मुकाबला 28 रनों से जीत लिया। 168 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ओवर में ही दो विकेट गवां दिये। जॉनी बेयरस्टो (7), राइली रुसो (शून्य) पर आउट हुये। उसके बाद प्रभसिमरन सिंह और शशांक सिंह ने पारी को संभालने का प्रयास किया। आठवें ओवर में शशांक सिंह 20 गेंदों में 27 रन बनाकर आउट हुये। अगले ही ओवर में प्रभसिमरन सिंह ने 23 गेंदों में दो चौके और दो छक्कों की मदद से 30 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। इसके बाद लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे और पंजाब का कोई भी बल्लेबाज पिच पर अधिक देर तक नहीं टिक सका। कप्तान सैम करन (7), जितेश शर्मा (शून्य), आशुतोष शर्मा (3), हर्षल पटेल (12), राहुल चाहर (16) रन बनाकर आउट हुये। हरप्रीत बराड़ (17) और कगिसो रबाडा (11) रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले रवींद्र जाडेजा (43), कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (32) और डैरिल मिचेल (30) रनों की पारियों के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने पंजाब किंग्स को जीतने के लिये 168 रनों का लक्ष्य दिया था।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4/6
रहाणे कैच रबाडा बोल्ड अर्शदीप	09	07	1/0
गायकवाड़ कै. जितेश बो. आर चाहर	32	21	4/1
डैरिल मिचेल एगबाधा बो. हर्षल	30	19	2/1
शिवम दुबे कै. जितेश बो. आर चाहर	00	01	0/0
मोईन अली कै. बेयरस्टो बो. एस करन	17	20	2/0
रवींद्र जडेजा कै. एस करन बो. अर्शदीप	43	26	3/2
सैंटनर कै. एस करन बो. आर चाहर	11	11	1/0
शार्दुल ठाकुर बोल्ड हर्षल	17	11	2/1
एमएस धोनी बोल्ड हर्षल	00	01	0/0
तुषार देशपांडे नाबाद	00	01	0/0
रिचर्ड ग्लीसन नाबाद	02	02	0/0

अतिरिक्त: 07, कुल :20 ओवर में नौ विकेट पर 167 रन, **विकेट पतन:** 1-12, 2-69, 3-69, 4-75, 5-101, 6-122, 7-150, 8-150, 9-164, **गेंदबाजी:** कगिसो रबाडा 3-0-24-0, अर्शदीप सिंह 4-0-42-2, सैम करन 4-0-34-1, हरप्रीत बराड़ 1-0-19-0, राहुल चाहर 4-0-23-3, हर्षल पटेल 4-0-24-3,

पंजाब किंग्स	रन	गेंद	4/6
प्रभसिमरन कै. जडेजा बो. समीर रिजवी	30	23	2/2
जॉनी बेयरस्टो बोल्ड तुषार देशपांडे	07	06	1/0
राइली रूसो बोल्ड तुषार देशपांडे	00	03	0/0
शशांक कै. सिमरजीत बो. सैंटनर	27	20	4/0
सैम करन कै. सैंटनर बो. जडेजा	7	11	0/0
जितेश कै. धोनी बो. सिमरजीत	00	01	0/0
आशुतोष कै. सिमरजीत बो. जडेजा	03	10	0/0
हरप्रीत ब्रार नाबाद	17	13	2/0
हर्षल कै. सिमरजीत बो. समीर रिजवी	12	13	1/1
राहुल चाहर बोल्ड शार्दूल ठाकुर	16	10	2/1
कगिसो रबाडा नाबाद	11	10	0/1

अतिरिक्त: 09, कुल: 20 ओवर में नौ विकेट पर 139 रन, **विकेट पतन:** 1-9, 2-9, 3-62, 4-68, 5- 69, 6-77, 7-78, 8-90, 9-117, **गेंदबाजी:** मिचेल सैंटनर 3-0-10-1, तुषार देशपांडे 4-0-35-2, रिचर्ड ग्लीसन 4-0-41-0, रवींद्र जडेजा 4-0-20-3, सिमरजीत सिंह 3-0-16-2, शार्दूल ठाकुर 2-0-12-1,

करीब 1100 दिन बाद चेन्नई ने पंजाब को हराया, लगातार पांच हार के बाद मिली जीत

चेन्नई ने पंजाब को लगभग 1100 दिन बाद हराने में सफलता पाई है। लगातार पांच हार बाद चेन्नई को जीत मिली है। इससे पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे (9) का विकेट गवां दिया। इसके बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और डैरिल मिचेल ने पारी को संभाला। आठवें ओवर में राहुल चाहर ने ऋतुराज गायकवाड़ को जितेश के हाथों कैच आउट कराकर पंजाब को दूसरी सफलता दिलाई। ऋतुराज गायकवाड़ ने 21 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से (32) रनों की पारी खेली। अगली ही गेंद पर चाहर ने शिवम दुबे (शून्य) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। नौवें ओवर में हर्षल पटेल ने डैरिल मिचेल को पगबाधा आउट कर दिया। डैरिल मिचेल ने 19 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुये (30) रन बनाये। मोईन अली (17), मिचेल सैंटनर (11), शार्दुल ठाकुर (17), एमएस धोनी (शून्य) पर आउट हुये। रवींद्र जडेजा ने 26 गेंदों में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से सर्वाधिक (43) रन बनाये। पंजाब किंग्स की ओर से राहुल चाहर और हर्षल पटेल ने तीन-तीन विकेट लिये। अर्शदीप सिंह को दो विकेट मिले।

आईपीएल में बतौर विकेटकीपर 42 वर्षीय महेंद्र सिंह धोनी 150 कैच लपकने वाले पहले खिलाड़ी बने

42 वर्षीय महेन्द्र सिंह धोनी ने आईपीएल में बतौर विकेटकीपर 150 कैच लपकने का कारनामा किया। ऐसा करने वाले वह पहले विकेटकीपर हैं। अब तक आईपीएल इतिहास में किसी विकेटकीपर ने 150 कैच नहीं पकड़ा है। धोनी अब तक आईपीएल के 261 मैचों में कैप्टन कूल विकेटकीपर के तौर पर 150 कैच पकड़ चुके हैं, साथ ही 42 बल्लेबाजों को स्टंप किया है। इस तरह विकेटकीपर के तौर पर महेन्द्र सिंह धोनी 192 बल्लेबाजों को आउट कर चुके हैं। वहीं, इस फेहरिस्त में दिनेश कार्तिक दूसरे पायदान पर हैं। अब तक दिनेश कार्तिक ने आईपीएल के 245 मैचों में 141 कैच लपके हैं, जबकि 36 बल्लेबाजों को स्टंप आउट किया है।

मथीशा पथिराना पूरे सीजन से बाहर

चेन्नई सुपर किंग्स की ऑफिशियल वेबसाइट पर एक स्टेटमेंट जारी की गई है, जिसमें बताया गया है कि पाथिराना पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। पाथिराना मौजूदा सीजन में केवल 6 मैचों में 13 विकेट चटका चुके थे, लेकिन अब वो चोट के कारण वापस श्रीलंका लौट गए हैं। उनका इकॉनमी रेट केवल 7.68 का रहा था, इसलिए एक विकेट टेकिंग गेंदबाज के जाने से सीएसके को बहुत तगड़ा झटका लगा है।

रवींद्र जडेजा का कमाल, ब्रावो और सुनील नरेन की सूची में शामिल

रविंद्र जडेजा ने बल्लेबाजी करते हुए 43 रन तो बनाए ही साथ ही साथ गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट भी लिए। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने एक विशेष सूची में जगह बनाई जिसमें ड्वेन ब्रावो और सुनील नरेन पहले से है। आईपीएल में 1500 प्लस और 150 प्लस विकेट लेने वाले वे तीसरे आलराउंडर बने हैं। इससे पहले ड्वेन ब्रावो 1560 रन और 183 विकेट, सुनील नरेन 1507 रन एवं 176 विकेट यह कारनामा कर चुके हैं।

इकाना स्टेडियम : केकेआर ने सबसे बड़ा स्कोर बनाकर लखनऊ को घर में रौंदा, सुनील नरेन ने खेली 81 रन की दमदार पारी

सीजन की दूसरी सबसे बड़ी जीत से टॉप पर कोलकाता नाइटराइडर्स

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4/6
साल्ट कै. राहुल बो. नवीन-उल-हक	32	14	5/1
नरेन कै. बिश्नोई बो. देवदत पडिक्कल	81	39	6/7
रघुवंशी कै. राहुल बो. युधवीर सिंह	32	26	3/1
रसेल कै. गौतम बो. नवीनउलह	12	8	1/1
रिंकू कै. स्टोयनिस बो. नवीन-उल-हक	16	11	2/0
श्रेयस कै. राहुल बो. यश ठाकुर	23	15	3/0
रमनदीप सिंह नाबाद	25	06	1/3
वेंकटेश अय्यर नाबाद	01	01	0/0

अतिरिक्त: 13, कुल:20 ओवर में छह विकेट पर 235 रन, **विकेट पतन:** 1-61, 2-140, 3-167, 4-171, 5-200, 6-224, **गेंदबाजी:** मार्कस स्टोइनिस 2-0-29-0, मोहसिन खान 2-0-28-0, नवीन-उल-हक 4-0-49-3, यश ठाकुर 4-0-46-1, कृणाल पंड्या 2-0-26-0, रवि बिश्नोई 4-0-33-1, युधवीर सिंह 2-0-24-1,

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4/6
राहुल कै. रमनदीप सिंह बो. हर्षित राणा	25	21	3/0
कुलकर्णी कै. रमनदीप बो. स्टार्क	09	07	2/0
स्टोइनिस कै. हर्षित बो. रसेल	36	21	4/2
दीपक हुडा पगबाधा बो. वरुण चक्रवर्ती	05	03	1/0
पूरन कै. साल्ट बो. आंद्रे रसेल	10	08	0/1
बदोनी कै. स्टार्क बोल्ड सुनील नरेन	15	12	0/1
टर्नर कै. एंड बो. वरुण चक्रवर्ती	16	09	0/2
कृणाल पंड्या कै. साल्ट बो. हर्षित राणा	05	06	0/0
युधवीर कै. रसेल बो. वरुण चक्रवर्ती	07	07	0/1
रवि बिश्नोई एगबाधा बो. हर्षित राणा	02	03	0/0
नवीन-उल-हक नाबाद	00	00	0/0

अतिरिक्त: 07, कुल: 16.1 ओवर में 137 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-20, 2-70, 3-77, 4-85, 5-101, 6-109, 7-125, 8-129, 9-137, 10-137, **गेंदबाजी:** वैभव अरोड़ा 2-0-21-0, मिचेल स्टार्क 2-0-22-1, सुनील नरेन 4-0-22-1, हर्षित राणा 3.1-0-24-3, वरुण चक्रवर्ती 3-0-30-3, आंद्रे रसेल 2-0-17-2,

आईपीएल 2024 अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रनरेट
कोलकाता	11	8	3	16	1.353
राजस्थान	10	8	2	16	0.622
चेन्नई	11	6	5	12	0.700
लखनऊ	10	6	4	12	0.094
हैदराबाद	10	6	4	12	0.072
दिल्ली	11	5	6	10	-0.442
बेंगलुरु	11	4	7	8	-0.049
पंजाब	11	4	7	8	-0.187
गुजरात	11	4	7	8	-1.320
मुंबई	11	3	8	6	-0.356

लखनऊ। लखनऊ के कप्तान केएल राहुल को टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला करना भारी पड़ गया। सुनील नरेन की विस्फोटक बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के कमाल से कोलकाता नाइट राइडर्स ने लखनऊ सुपरजाइंट्स को उसके घर में 98 रन से हरा दिया। कोलकाता ने इकाना स्टेडियम में सबसे बड़ा स्कोर बनाकर सीजन में अपनी दूसरी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 54वें मैच में केकेआर की टीम ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर के खेल में 235 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। इसके जवाब में लखनऊ की टीम 137 रन बनाकर सिमट गई। इस तरह केकेआर ने मैच को 23 गेंद शेष रहते ही अपने नाम कर लिया। पॉइंट्स टेबल में केकेआर अब पहले स्थान पर है। मैच में 236 रनों को डिफेंड करने उतरी केकेआर की टीम के लिए सभी गेंदबाजों ने कमाल का खेल दिखाया। हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किए। लखनऊ के खिलाफ इस मुकाबले में केकेआर के लिए सुनील नरेन ने धमाल मचा दिया। फिल साल्ट के साथ पारी की शुरुआत करते हुए सुनील नरेन ने 39 गेंद में 81 रनों की दमदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 7 छक्के और 6 चौके भी लगाए। सुनील नरेन के अलावा फिल साल्ट और अंग कृष रघुवंशी ने 32-32 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि रमणदीप सिंह ने अंतिम ओवरों में 6 गेंद में तूफानी अंदाज में 25 रनों की बेहतरीन पारी खेली।

गेंदबाजी का फैसला राहुल को पड़ा भारी

केकेआर के खिलाफमुकाबले में लखनऊ के कप्तान केएल राहुल के पहले बॉलिंग करने का फैसला उल्टा पड़ गया। टीम के गेंदबाजों ने खूब रन लुटाए और इस मैदान पर टी20 क्रिकेट में पहली बार किसी टीम ने 200 रन से ज्यादा का स्कोर करने में सफल रही। वहीं दूसरी पारी में जब लखनऊ की बैटिंग शुरू हुई तो उसके बल्लेबाज बुरी तरह से संघर्ष करते हुए दिखे। टीम की तरफसे सबसे अधिक मार्कस स्टोइनिस ने 36 रनों की पारी खेली। स्टोइनिस के अलावा केएल राहुल ने 21 गेंद में 25 रनों का योगदान दिया।

भोपाल डिवीजन ने उज्जैन को हराया

भोपाल। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-22 बॉयज ट्रॉफी इंटर डिविजनल क्रिकेट टूर्नामेंट लिमिटेड ओवर्स इंदौर के डेली कॉलेज-2 मैदान पर उज्जैन डिवीजन और भोपाल डिवीजन के बीच वनडे मैच खेला गया। उज्जैन डिवीजन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 37.3 ओवरों में 128 रन बनाये। उज्जैन से आर्यन वर्मा 33 रन, दीपेंद्र ठाकुर 29 रन, अनिमेष राय 12 रन एवं पूजन जैन ने 11 रनों का योगदान दिया। भोपाल डिवीजन से गेंदबाजी करते हुए शिवांश चतुर्वेदी ने तीन विकेट लिया। जवाब में भोपाल डिवीजन ने बल्लेबाजी करते हुए मात्र 13.3 ओवर में बिना किसी नुकसान के 129 रन बनाकर 10 विकेट से मैच जीत लिया। भोपाल डिवीजन से पृथ्वीराज तोमर ने पांच चौके और पांच छक्कों की सहायता से 69 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। उनके ही साथी बल्लेबाज तनिष्क यादव ने छह चौके और तीन छक्कों की सहायता से 56 रनों की अर्धशतकीय नाबाद पारी खेली। मैन ऑफ द मैच भोपाल डिवीजन के पृथ्वीराज सिंह तोमर रहे।

हमीदिया ने यूबीसी को भारी अंतर से हराया

भोपाल। स्वर्गीय अरविंद चतुर्वेदी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में कॉर्पोरेट वर्ग में हमीदिया एवं यूबीसी के मध्य मैच खेला गया। जिसमें हमीदिया ने पांच विकेट पर 183 रन बनाएं व यूबीसी को 123 रनों के अंतर से हराकर जीत दर्ज की। हमीदिया की टीम की ओर से ओसामा खान ने 48, राशीद अंसारी 50 और ओसाफ उर रहमान ने 43, युवराज ने 27 रनों की पारी खेली। गेंदबाजी करते हुए यूबीसी की ओर से अखिलेश, युवराज, विनय प्रकाश व आदि को एक-एक विकेट मिला। जवाबी पारी खेलते हुए यूबीसी की पूरी टीम 12 ओवर में 60 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। हमीदिया की ओर से ओसामा खान व ओसाफ उर रहमान ने तीन-तीन विकेट लिए। ओसाफ उर रहमान को मैन ऑफ द मैच चुना गया। विभागीय वर्ग में नगर निगम कमिश्नर एकादश व सदय एकादश के मध्य मैच खेला गया जिसमें नगर निगम कमिश्नर एकादश ने 21 रनों से जीत दर्ज की। नगर निगम की टीम ने निर्धारित ओवरों में 189 रन चार विकेट खोकर बनाए। रवि नरवारे 78, अरविंद चौहान 44, मनाजिर 18 एवं मुदस्सर ने 16 रन बनाए। जवाब में सदय एकादश की टीम 20 ओवर में 158 रन बना सकी। जुबेर 25, संजय 55, अनिरुद्ध 18 रन बनाएं। अरविंद चौहान मैन ऑफ द मैच चुने गए, उन्हें अक्षत शर्मा एवं कमलेश राठौर ने ट्राफी प्रदान की।

तेजस्विन शंकर ने ऊंची कूद स्पर्धा जीती

एरिजोना। भारत के तेजस्विन शंकर ने यूएसएटीएफ थ्री फेस्टिवल फेस्टिवल 2024 में पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में 2.23 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ जीत हासिल की। एरिजोना विश्वविद्यालय के रॉय पी. ड्रैचमैन स्टेडियम में हुई स्पर्धा में संयोग से शीर्ष तीन एथलीटों ने समान 2.23 मीटर का मार्क दर्ज किया। अमेरिका के अर्नेस्ट सियर्स दूसरे और मैक्सिको के रॉबर्टो विल्चेस तीसरे स्थान पर रहे। भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर को पहले प्रयास में ही क्लियरेंस हासिल करने के कारण विजेता घोषित किया गया।

क्रिकेट : ससेक्स के लिए पुजारा ने नाबाद 104 रन बनाए

पुजारा ने काउंटी चैंपियनशिप में जड़ा शतक

लंदन। काउंटी चैंपियनशिप डिवीजन टू के मैच में दूसरे दिन ससेक्स के लिए खेलते हुए भारतीय दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने नाबाद (104) रनों की शतकीय पारी खेली। यह तीन सत्र में ससेक्स के लिए उनका नौवां शतक है।

मैच में पुजारा के अलावा टॉम हैंस, टॉम एल्सॉप और जेम्स कोल्स ने भी अर्धशतक लगाए। ससेक्स ने डर्बीशायर के साथ खेले जा रहे मुकाबले में अब तक पांच विकेट पर 357 रन बना लिया है और उन्हें पहली पारी में 111 रनों की बढ़त मिल चुकी है। दिन के आखिर में लुईस रीस ने ससेक्स के दो विकेट लेकर डर्बीशायर को मैच में बनाए रखा है। ससेक्स को शुरुआत में एक विकेट गवां दिया था, लेकिन उसके बाद डर्बीशायर की गेंदबाज़ी में निरंतरता की कमी साफ़ तौर पर दिखी। हैंस ने केवल 38 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था और एल्सॉप के साथ उन्होंने 90 रनों की साझेदारी की थी।

दो साल पहले पुजारा ने यहीं लगाया था दोहरा शतक

पुजारा ने दो साल पहले इसी मैदान पर दोहरा शतक लगाया था और उन्हें बल्लेबाजी के लिए आता देखना डर्बीशायर के लिए चिंता की बात थी। शाम के सत्र में ससेक्स ने मैच में अपनी पकड़ मजबूत करनी शुरू कर दी थी। पुजारा ने 74 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और इतनी ही गेंदों में कोल्स का भी अर्धशतक बनाया। दोनों के बीच 141 रनों की साझेदारी हुई। पुजारा ने 158 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। मैच के पहले दिन ब्लेयर टिकनर ने करियर सर्वश्रेष्ठ 47 रनों की पारी खेलते हुए डर्बीशायर को 246 के स्कोर तक पहुंचाया था। टिकनर ने नौवें विकेट के लिए जैक मोर्ले के साथ मिलकर 68 रनों की अहम साझेदारी की थी।

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को छह विकेट से हराया

चटगांव। बांग्लादेश ने रविवार को पांच मैचों की श्रृंखला के दूसरे टी-20 मुकाबले में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद मो. तौहीद हृदोय के नाबाद (37)और महमुदउल्लाह (26) रनों की पारियों के दम पर जिम्बाब्वे को छह विकेट से हरा दिया है। 139 रनों लक्ष्य का पीछा करते हुए बंगलादेश की लिटन कुमार दास और तंजिद हसन की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 41 रन जोड़े। लिटन कुमार दास (25), तंजिद हसन (18), कप्तान नजमुल शान्तो (16) और जाकेर अली (13) रन बनाकर आउट हुये। तौहीद हृदोय ने सर्वाधिक (37) रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में उन्होंने 3 चौके और 2 छक्के लगाए। वहीं महमुदुल्लाह 16 गेंद में 2 चौके और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहे। तौहीद और महमुदुल्लाह के 49 रन अवजित की साझेदारी हुई। बंगलादेश ने 18.3 ओवर में चार विकेट पर 142 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया।

एथलेटिक्स रिले टीमें ओलंपिक कोटे से चूकी

नासाउ। भारतीय पुरुष, महिला और मिश्रित 4 गुणा 400 मीटर टीमें वर्ल्ड एथलेटिक्स रिले 24 में संबंधित स्पर्धाओं में फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में असफल रहने के कारण पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा सुरक्षित करने से चूक गई। बहामास के नासाउ में राजेश रमेश, रूपल, अविनाश कृष्ण कुमार और ज्योतिका श्री दांडी की मिश्रित 4 गुणा 400 मीटर रिले चौकड़ी थॉमस ए रॉबिन्सन स्टेडियम में ट्रैक पर उतरने वाली पहली भारतीय टीम थी, लेकिन हीट 2 में 3:20.36 के समय के साथ वह छठे स्थान पर रहे। मुहम्मद अनस याहिया, राजेश रमेश, मुहम्मद अजमल और अमोज जैकब की भारतीय पुरुष अपनी रेस पूरी नहीं कर पाई। इस टीम ने 2023 हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था और इस स्पर्धा में राष्ट्रीय और एशियाई रिकॉर्ड भी बनाए थे। अनस ने शुरुआती स्प्लिट में 45.93 में रेस पूरी की, जो हीट में टीमों के बीच दूसरा सर्वश्रेष्ठ समय था, लेकिन दुर्भाग्य से, रमेश चोट की वजह से दूसरे स्प्लिट में आगे नहीं बढ़ सके।

इगा स्विएटेक ने पहली बार जीता मैड्रिड ओपन खिताब

मैड्रिड। दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी इगा स्विएटेक ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में एरीना सबैलेन्का को 7-5, 4-6, 7-6(7) से हराकर मैड्रिड ओपन का अपना पहला खिताब जीता। स्पेन की राजधानी मैड्रिड में शनिवार को पोलैंड की स्विएटेक ने तीन घंटे और 11 मिनट तक चले मुकाबले में गत चैंपियन बेलारुस की एरीना सबैलेन्का को हराकर अपना पहला मैड्रिड ओपन खिताब जीता। स्विएटेक की अपने करियर की यह 20वीं जीत और इस सत्र का तीसरा खिताब है।

टूर्नामेंट: आईसीसी ने घोषित किया कार्यक्रम, भारत-पाकिस्तान एक ग्रुप में

तीन अक्टूबर से होगा महिला टी20 विश्वकप

नई दिल्ली। आईसीसी ने बांग्लादेश में होने वाले महिला टी20 विश्वकप 2024 का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। टूर्नामेंट की शुरुआत तीन अक्टूबर से होगी और फाइनल मुकाबला 20 अक्टूबर को ढाका में खेला जाएगा। इस वैश्विक टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में शामिल हैं। भारत चार अक्टूबर को सिलहट में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। टी20 विश्व कप के लिए 10 टीमों को पांच-पांच के ग्रुप में बांटा गया है। भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और क्वालीफायर-1 के साथ ग्रुप-ए में शामिल है, जबकि दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और क्वालीफायर-2 की टीम ग्रुप-बी में शामिल है।

छह अक्टूबर को होगी भारत-पाक की भिड़ंत

भारत और पाकिस्तान के बीच छह अक्टूबर को सिलहट में ग्रुप चरण का मुकाबला खेला जाएगा। आठ टीमों के अलावा शेष दो टीमों का चयन क्वालीफायर के आधार पर होगा। महिला टी20 विश्व कप में सभी टीमें ग्रुप चरण में चार-चार मुकाबले खेलेंगी जिसमें से शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें प्रत्येक ग्रुप से सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल मुकाबला 17 और 18 अक्टूबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट के दौरान 19 दिनों में कुल 23 मैच खेले जाएंगे। टी20 विश्व कप के सभी मैच ढाका और सिलहट में होंगे। सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले के लिए रिजर्व दिन भी रखा गया है।

शरीर में गुणों का
आना-जाना

ईश्वर के नित्य ज्ञान, आनन्द, अनन्त बल आदि गुण हैं और जीव के-(इच्छा) पदार्थों की प्राप्ति की अभिलाषा (द्वेष) दुःखादि की अनिच्छा वैर (प्रयत्न) पुरुषार्थ (सुख) आनन्द (दुःख) विलाप अप्रसन्नता (ज्ञान) विवेक पहिचानना ये तुल्य हैं परंतु वैशेषिक में (प्राण) प्राणवायु को बाहर निकालना (अपान) प्राण को बाहर से भीतर को लेना (निमेष) आंख को मीचना (उन्मेष) आंख को खोलना (मन) निश्चय स्मरण और अहंकार करना (गति) चलना (इंद्रिय) सब इंद्रियों का चलाना (अंतरविकार) भिन्न-भिन्न क्षुधा, तृषा, हर्ष शोकादियुक्त होना ये जीवात्मा के गुण परमात्मा से भिन्न हैं। उन्हीं से आत्मा की प्रतीति करनी, क्योंकि वह स्थूल नहीं है। जब तक आत्मा देह में होता है तभी तक ये गुण प्रकाशित रहते हैं और जब शरीर छोड़ चला जाता है तब ये गुण शरीर में नहीं रहते। जिसके होने से जो हों और न होने से न हों वे गुण उसी के होते हैं। जैसे दीप और सूर्य आदि के न होने से प्रकाश आदि का न होना और होने से होना है, वैसे ही जीव और परमात्मा का विज्ञान गुणद्वारा होता है।

(पूर्व.) परमेश्वर त्रिकालदर्शी हैं, इससे भविष्यत् की बातें जानता है। वह जैसा निश्चय करेगा जीव वैसा ही करेगा। इससे जीव स्वतंत्र नहीं और जीव को ईश्वर दण्ड भी नहीं दे सकता, क्योंकि जैसा ईश्वर ने अपने ज्ञान से निश्चित किया है वैसा ही जीव करता है।

(उत्तर.) ईश्वर को त्रिकालदर्शी कहना मूर्खता का काम है, क्योंकि जो होकर न रहे, वह भूतकाल और न होके होवे वह भविष्यकाल कहाता है। क्या ईश्वर को कोई ज्ञान होके नहीं रहता तथा न होके होता है?

परमेश्वर का ज्ञान सदा एकरस, अखण्डित वर्तमान रहता है। भूत, भविष्यत् जीवों के लिए है। हां! जीवों के कर्म की अपेक्षा से त्रिकालज्ञाता ईश्वर में है स्वतः नहीं। जैसा स्वतंत्रता से जीव करता है वैसा ही सर्वज्ञता से ईश्वर जानता है और जैसा ईश्वर जानता है वैसा जीव करता है। अर्थात भूत, भविष्य, वर्तमान के ज्ञान और फल देने में ईश्वर स्वतंत्र और जीव किञ्चित वर्तमान और कर्म करने में स्वतंत्र है। ईश्वर का अनादि ज्ञान होने से जैसा कर्म का ज्ञान है वैसा ही दण्ड देने का भी ज्ञान अनादि है। दोनों ज्ञान उसके सत्य हैं। क्या कर्म ज्ञान सच्चा और दण्डज्ञान मिथ्या कभी हो सकता है? इसलिए इसमें कोई दोष नहीं आता।

(पूर्व.) जीव शरीर में भिन्न-विभु है वा परिच्छिन्न?

(उत्तर.) परिच्छिन्न। जो विभु होता तो जाग्रत्, स्वप्न, सुषुप्ति, मरण, जन्म, संयोग, वियोग, जाना, आना कभी नहीं हो सकता। इसलिए जीव का स्वरूप अल्पज्ञ, अल्प अर्थात सूक्ष्म है और परमेश्वर अतीव सूक्ष्मात्सूक्ष्मतर, अनन्त, सर्वज्ञ और सर्वव्यापकस्वरूप है। इसीलिए जीव और परमेश्वर का व्याप्यव्यापक संबंध है।

(पूर्व.) जिस जगह में एक वस्तु होती है उस जगह में दूसरी वस्तु नहीं रह सकती।

हमारी श्वास में
वायु संयोग

हम श्वास लेते हैं। हमारे श्वास लेने में वायु हमारा सहयोग करता है। वायुकाय के अगणित जीव हमें श्वास लेने में वायु हमारा सहयोग करता है। वायुकाय के अगणित जीव हमें श्वास लेने में सहयोग करते हैं। हम जल पीते हैं। अपकाय के असंख्य जीवन हमारी प्यास बुझाने में हम पर उपकार करते हैं। यही सत्य अग्नि, पृथ्वी और वनस्पति के जीवों के संदर्भ में भी सच है। असंख्य-असंख्य प्राणियों का हम पर विभिन्न रूपों में उपकार है इसीलिए हम जीवित हैं। उपकार का यह क्रम निरंतर चलता है। एक क्षण के लिए यह क्रम बाधित हो जाए तो हम जीवित नहीं रह पाएंगे। तपस्वी का लक्ष्य यही होना चाहिए कि वह अपने पुरातन संस्कारों का प्रक्षालन करे। तपस्वी का लक्ष्य यह नहीं होना चाहिए कि उसे सम्मान मिले , यश, भोग और उपभोग के साधन संसाधन-उपलब्ध हों। यदि कुछ पाने की तप के मूल में छिपी रही तो वह तप सार्थक न बन पाएगा। हीरों के बदले कंकड़ पत्थर आपके हाथ लगेंगे। आगम वर्णित तप के बारह भेदां में अंतिम भेद है व्युत्सर्ग। व्युत्सर्ग का अर्थ है विसर्जित करना। निर्जरा का भी यही अर्थ है कि जर्जरित करना,नष्ट करना। हम अपने आप में संपूर्ण हैं। बाहर में ऐसा कोई पदार्थ नहीं है जिसकी उपस्थिति अथवा अनुपस्थिति हमारी संपूर्णता को बाधित अथवा परिवर्धित बना सके। इसलिए तप के परिणम में कुछ भी चाहने की आवश्यकता नहीं है। तप का तो एकमात्र लक्ष्य निर्जरा होना चाहिए। हमारी चेतना पर कामनाओं का जमा हो गया है उस कचरे की निर्जरा हमारे तप का एकमात्र ध्येय बने । इस ध्येय के साथ किया गया तप शीघ्र ही हमारी आत्मा में छिपे परमात्मा को अनावृत्त बना देगा।

मुनि मणिभद्र

महापुरूष

महापुरूषों का जीवन के लिए प्रकाश की मीनार के सदृश है। तुफानों और ज्वारों से आलोड़ित-क्षुब्ध सागर में पीपल के भांति कांपते जहाज के लिए जैसे प्रकाश की मीनार उसकी सुरक्षा की आशा बनती है ऐसे ही आधि-व्याधि और उपाधि के सघनतम तुफानों से भरे संसार सागर में डूबते-तैरते मनाव के लिए महापुरूषों का जीवन एक प्रकाश-स्तभं सिद्ध होता है। महापुरूषों के प्रकाशपूर्व जीवन से प्रसारित प्रकाश में मनाव न केवल अपने यात्रापथ पर फैले कण्टकों और प्रस्तरों को सम्यैतया देख लेता है बल्कि अपनी मंजिल को शीघ्र ही साघ लेता है। आज राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, क्राइस्ट आदि महापुरूष मृण्मय देह से इस जगाति-तल पर मौजूद नहीं है। देह से अनुपस्थित होकर भी उनमें उत्तम प्रकाश आज भी मौजूद है।

जब जागृत होता है विवेक

जिनका मन और जिनकी बुद्धि तद्रूप हैं और सच्चिदानन्दघन परमात्मा में जिनकी स्थिति निरन्तर एकीभाव से है, ऐसे परमात्म परायण साधक ज्ञान के द्वारा पापरहित होकर अपुनरावृत्ति को अर्थात् परमगति को प्राप्त कर लेते हैं।

प्यारे लाल त्रिवेदी

दोहा- सदा और सर्वत्र है, परमात्मा यह मान।
9-क अटल बुद्धि निश्चय करे, असत् का मिटे भान तब स्वाभाविक रूप से, मन से चिन्तन होत । परमात्मा से ही सतत, सब कुछ ओत प्रोत।।

स्वाभाविक स्थिति का अनुभव-तब हो परमात्मा में सम्भव निज सत्ता न पृथक् रह जाती- वह बह्म में लीन हो जाती संग असत् का ही है कारण-जिससे होता जन्म अरु मरण जब सर्वथा असत् मिट जाता - तत्क्षण पाप पुण्य मिट जाता जब विवेक जाग्रत हो जाता-तब वास्तविक बोध हो जाता आवागमन चक्र मिट जाता-साधक बह्म रूप हो जाता परमात्म तत्त्व प्राप्त होने पर - बह्म परायण हो नित्य प्राप्त जो परमात्मा है- वह अनुभव में आ जाने पर जाता है

सम्बन्ध - पूर्वोक्त साधन द्वारा सिद्ध हुये महापुरुष का

श्रीमद्भगवद् गीता - सुगम हिंदी व्याख्या

ज्ञान व्यवहार काल में कैसा रहता है ?

तत्त्वज्ञानी महापुरुष विद्या और विनययुक्त ब्रह्मण में, गौ, हाथी, कुत्ते और चाण्डाल में भी समरूप परमात्मा को ही देखते हैं।।

दोहा - चाहे ब्राह्मण हो कोई, विनयी अरु विद्वान। चाहे हो चाण्डाल ही, जिसका कम सम्मान।।
10-क पशुओं में उत्तम गऊ, पूजा योग्य विशिष्ट। हाथी को मध्यम कहें, कूकर कहें निकृष्ट ।।

तत्त्वज्ञानी महापुरुष में-विषम भाव सब में सत्ता उसी एक की- परमात्मा प्रेम दया अरु आत्मभाव का-पक्षपात यद्यपि व्यवहार में विषमता - महापुरुष रहता नहिं इनमें सच्चिदानंद नहिं लेशमात्र समदर्शी की का रहता।

सम्बन्ध - पूर्वोक्त वर्णित समता की विशेष महिमा।

जिनका मन समत्वभाव में स्थित है, उनके द्वारा इस जीवित अवस्था में ही सम्पूर्ण संसार जीत लिया गया है, अर्थात् वे जीवनमुक्त महापुरुष हैं क्योंकि बह्म निर्दोष और सम है, अतएव वे बह्म में ही स्थित हैं।।

प्राप्त कर लिया समता जिसने - जीवित जीत लिया जग उसने वह न प्रलोभन से आकर्षित- और कभी न दुखों से विचलित समता में स्थित जिसका मन-उसे न जन्म मृत्यु का बंधन बह्म सदा निर्दोष और सम-तत्त्ववेत्ता भी रहता सम

दोहा - समता में स्थित यदा, महापुरुष हो जाय। होता स्थित बह्म में, बने बह्म पर्याय।।

सम्बन्ध - पूर्वोक्त जिस स्थिति का वर्णन हुआ है उसकी प्राप्ति का साधन तथा सिद्ध के लक्षणों का वर्णन। जो प्रिय के प्राप्त हो जाने पर अर्थात् अनुकूल परिस्थिति में हर्षित नहीं होता है और अप्रिय की प्राप्ति हो जाने पर अर्थात् प्रतिकूल परिस्थिति में उद्विग्न नहीं होता है, ऐसा स्थिर बुद्धि वाला मूढ़तारहित और बह्मवेत्ता मनुष्य ब्रह्म में स्थित है।।

दोहा - प्रिय पदार्थ को प्राप्त कर, होता जो न प्रसन्न। जब अप्रिय मिल जाय तो, कभी न हो उद्विग्न।।

अनुकूल से राग नहिं होता-प्रतिकूल से द्वेष नहिं होता उसकी बुद्धि अटल ही रहती-सदा ब्रह्म में स्थिर रहती मन में कहीं न भ्रम रह जाता - संशय मोह आदि मिट जाता अपनी स्वाभाविक स्थिति का ब्रह्म में होता अनुभव सुख का ब्रह्म जगत सम्बन्ध आत्मा - ईश्वर जीव कुछ ज्ञातव्य शेष नहिं रहते - अतएव उसे स्वप्न सुषुप्ति अवस्था जाग्रति - सदा भेद परमात्मा ब्रह्मवित् कहते ब्रह्म में रहती स्थिति एकीभाव से नित्य निरंतर - परमात्मा में रहता स्थिर

सत्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

निरंकारी बाबा हरदेव सिंह

जिसके हृदय में
बसते हैं प्रभु
उसे मिलता है बड़ा रुतबा

जिनके हृदय में प्रभु बस जाता है, वही जग में शोभायमान होते हैं, उनका ही रुतबा बुलंद होता है। एक बर्तन में पानी रखा है, दूसरे बर्तन में घी रखा है। दोनों ही तरल पदार्थ हैं लेकिन किस बर्तन में क्या है, इसी से उस बर्तन की महत्ता होती है। जिस बर्तन में कीमती घी रखा है, वह बर्तन भी कीमती हो जाता है। उसी बर्तन में कोई कूड़ा डाल दे तो उसे बाहर आंगन में एक किनारे पर रख दिया जाता है। इसीप्रकार जिसने हृदय में हरि को बसाया है, उसकी महत्ता बन जाती है लेकिन अगर हृदय में इसे न बसाकर दुनिया की तमाम विपरीत भावनाएं और लालसाएं बसी हैं तो फिर वास्तविकता में जीवन की कोई कीमत नहीं रहती है। संतजनों ने यही संदेश दिया कि हमने निराकार से नाता जोड़कर लोक और परलोक दोनों को संवारना है। हमें निराकार से दूरी नहीं बनानी है, आठों पहर उठते-बैठते इसका ध्यान रखना है, घट-घट में इसके दर्शन करने हैं, इसे आंखों से ओझल नहीं करना है, इसे दिलो-दिमाग में बसाना है, इसी को जीवन का आधार बनाना है। संतजन अडोल अवस्था में रह कर जीवन की यात्रा को तय करते हैं, वे संसार का रंग खुद पर नहीं चढ़ने देते। चाहे कैसा भी समय आए, वे मजबूत इरादे से इस परमतत्व को थामे रखते हैं, इसका दामन नहीं छोड़ते हैं। वे तमाम कर्त्तव्यों का पालन करते हुए हरि के रंग में रंगे हुए इसी के अहसास में पल-पल व्यतीत करते हैं। उनकी यह विशेषता होती है कि वे हमेशा प्रभु की रजा में रहते हैं। वे संतुष्ट होकर आनंद का अनुभव करते हैं, उनका मन कभी विचलित नहीं होता है। वे परमात्मा का यश करते हैं और संतों के गुणों का बखान करते हैं। अगर एक इंसान नदी में पैर डालता है तो उसके पांवों को ठंडक प्राप्त होती है। दूसरा नदी में घुटने तक चला जाता है तो उसे पहले इंसान से ज्यादा ठंडक मिलती है।

धन कमाने के लिए
उपयोग हो पवित्र

शायद अपने जीवन में मैंने किसी ऐसे पहले पुरुष को देखा जो स्त्रियों की तरह आभूषणों से लदा हुआ था। उसने मुझे कहा कि दीदी मां, मेरे पीछे दो सालों से पुलिस लगी हुई है। मैं छिपता फिरता हूं। मैंने कहा कि भाई ऐसा धन क्यों कमाया जो कानून रात-दिन तुम्हारा पीछा कर रहा है? ऐसे धन का क्या मतलब जो जीवन का चौन छीन ले ?लक्ष्य तो धन कमाना था लेकिन किस मार्ग पर चलकर कमाना? धन कमाने के लिए पवित्र साधनों का उपयोग हो। उनमें शुचिता हो, पवित्रता हो। यह सात्विक भाव मन में जागे, दृष्टि जाग्रत हो, जिसके लिए संतों की शरण चाहिए होती है। हम क्यों सफल होना चाहते हैं? अपने परिवार के लिए। लोग कहते हैं कि हम धन कमाने में लगे हैं, अपने परिवार के लिए, लेकिन धन कमाने के लिए जब वो सुबह घर से निकलते हैं तब उनके बच्चे सो रहे होते हैं और देर रात जब वे लौटते हैं तब भी उन्हें अपने बच्चे सोते हुए ही मिलते हैं। बीस साल बाद देखते हैं कि अरे वाह! इतना बड़ा हो गया मेरा बच्चा! लेकिन तब तक तो वो उनसे कोसों दूर जा चुका होता है। जीवन भर किया अपने परिवार के लिए, लेकिन वही साथ नहीं रहा। सब कुछ करते हुए भी हमारा परिवार है, हमारी शारीरिक और मानसिक सेहत है, हमारी सामाजिक भूमिका है। एक नन्हा सा सहयोग भी इन बच्चों के भीतर देश के लिए प्रतिभाशाली नागरिकों का निर्माण कर सकता है। बस आपको केवल उस बच्चे की मन:स्थिति को एक बार अपने भीतर जीना पड़ेगा। अर्थ ही सारे अनर्थों की जड़ है। इस अर्थ ने हमें इतना पगला दिया कि हम रिश्तों के अर्थ भूल गए। बस अर्थ का ही अर्थ जानते हैं। संबंधों का अर्थ हमसे कोसों दूर चला गया, इसीलिए वृद्ध माता-पिता को वृद्धाश्रम छोड़ आने में संतानों को तनिक भी संकोच नहीं लगता। हम अपने रिश्तों को लाभ-हानि के तराजू पर तौल रहे हैं, तभी तो गर्भ में आए कन्या भ्रूण की हत्या हो रही है। पदों पर बैठकर अपने को ईमानदार कहने वाले लोग कब बेईमानी की काली कोठरी में पहुंच जाते हैं उनको ही पता नहीं चलता। उनकी लालसाएं न जाने कब खींचकर उनको नर्क के गर्त में पहुंचा देती हैं। आप दंगल देखने गए थे। अरे! मेरे गांव का पहलवान कुश्ती लड़ रहा है। फिर आपके मन में आया कि मेरे गांव का पहलवान ही जीतना चाहिए। अब ये क्या बात हुई कि दूसरे गांव का हार जाए और मेरे गांव का जीत जाए? आपको बुरा लगता है न जब कोई ऐसी बात कहता है, लेकिन चमड़ी के रोग को आवरण से ढांकने भर से क्या उससे मुक्त हो जाओगे?

दीदी मां ऋतंभरा

रोजेदार के लिए क्या-क्या जरूरी है?

मौलाना सादी रह. कहते हैं:
न दारंद तन परवरां आगही
कि पुर मेदा बाशद जि हिक्मत तिही

छठी चीज जिसका लिहाज रोजेदार के लिए जरूरी फरमाते हैं, यह है कि रोजे के बाद इससे डरते रहना भी जरूरी है कि न मालूम यह रोजा काबिले कुबूल है या नहीं और इसी तरह हर इबादत के खत्म पर कि न मालूम कोई लग्जिश जिसकी तरफ इल्तिफात भी नहीं होता, ऐसी तो नहीं हो गई जिसकी वजह से यह मुंह पर मार दिया जाए।

फजाइले अमाल

पैगंबर साहब का इर्शाद है कि बहुत से कुरआन पढ़ने वाले हैं कि कुरआन पाक इनको लानत करता रहता है। पैगंबर साहब का इर्शाद है कि कियामत में जिन लोगों का अव्वलीन दहले में फैसला होगा (उनके मिनजुम्ला) एक शहीद होगा, जिसको बुलाया जाएगा और अल्लाह के जो-जो इनआम दुनिया में उस पर हुए थे, वह उनको जताए जाएंगे, वह उन सब नेमों का इकरार करेगा। इसके बाद उससे पूछा जाएगा कि इन नेमतों में क्या हक अदायगी की? वह अर्ज करेगा कि तेरे रास्ते में किताल किया, हत्ता कि शहीद हो गया। इर्शाद होगा कि झूठ है, बल्कि किताल इसलिए किया था कि लोग बहादुर कहें, सो कहा जा चुका। उसके बाद हुक्म होगा और मुंह के बल खींचकर जहन्नम में फैंक दिया जाएगा। ऐसे ही एक आलिम बुलाया जाएगा, उसको भी इसी तरह से अल्लाह के इनआमत जतलाकर पूछा जाएगा कि उन इनआमात के बदले में क्या कारगुजारी है। वह अर्ज करेगा कि इल्म सीखा और दूसरों को सिखाया और तेरी रिजा की खातिर तिलावत की। इर्शाद होगा कि झूठ है। यह इसलिए किया गया था कि लोग अल्लामा कहें, सो कहा जा चुका। उसको भी हुक्म होगा और मुंह के बल खींचकर जहन्नम में फैंक दिया जाएगा। इसी तरह एक दौलतमंद बुलाया जाएगा। उससे इनआमाते इलाही शुमार कराने और इकरार लेने के बाद पूछा जाएगा कि अल्लाह की इन नेमतों में क्या अमल किया। वह कहेगा कि कोई खैर का रास्ता ऐसा नहीं छोड़ा, जिसमें मैंने कुछ खर्च न किया हो। इर्शाद होगा कि झूठ है। यह इसलिए किया गया था कि लोग सखी कहें। सो कहा जा चुका, उसको भी हुक्म होगा और मुंह के बल खींचकर जहन्नम में फैंक दिया जाएगा। अल्लाह महफूज फरमाएं कि यह सब बदनीयति के समरात हैं। इस किस्म के बहुत से वाकिआत अहादीस में मजकूर हैं, इसलिए रोजेदार को अपनी नीयत की हिफाजत के साथ इससे खायफ भी रहना चाहिए और दुआ भी करते रहना चाहिए कि अल्लाह तआला शानुहू इसकी अपनी रिजा का सबब बना ले। मगर साथ ही यह अमर भी काबिले लिहाज है कि अपने अमल को काबिले कुबूल न समझना, अमरे आखर और करीम आका के लुत्फ पर निगाह अमरे आखर है। उसके लुत्फ के अंदाज बिल्कुल निराले हैं। मासियत पर भी कभी सवाब दे देते हैं, तो फिर कोताहि-ए-अमल का क्या जिक्र।

खूबी हमीं करिश्मा ओ नाज व खराम नीस्त।
बिसयार शेवा हास्त बुतांरा कि नाम नीस्त॥

ये छह चीजें आम सुलहा के लिए जरूरी बताई जाती हैं। खवास और मुकर्रिबीन के लिए इनके साथ एक सातवीं चीज का भी इजाफा फरमाते हैं कि दिल को अल्लाह के सिवा किसी चीज की तरफ मुतवज्जह न होने दे, हत्ता की रोजे की हालत में इसका ख्याल और तद्बीर कि इफ्तार के लिए कोई चीज है भी या नहीं, यह खता फरमाते हैं। बाज मशाइख ने लिखा है कि रोजे में शाम को इफ्तार के लिए किसी चीज के हासिल करने का कस्द भी खता है, इसलिए कि यह अल्लाह के वायदा-ए-रिज्क पर एतमाद की कमी है।

यह मन
बहुत चंचल है

जमी जो वृत्ति ध्यान में रस ध्यान से मिलने लगा,
इत-उत कहीं न जाए मन जीवन कृतार्थ हो गया॥

मन अज्ञानवश चंचल है

कुछ लोगों में यह मिथ्या अवधारणा पाईजाती है कि चंचलता मन का स्वभाव है और किसी भी दशा में अधीन, वशीकृत अथवा एकाग्र किया ही नहीं जा सकता। यह एक भूल ही नहीं, भयंकर भूल है। मन को एकाग्र करके प्रभु-चरणों में एकनिष्ठ कर देने से पूर्व मन में इस भूल को सर्वथा एवं सर्वदा निकाल देना होगा। मन चंचल है लेकिन अपने ही अज्ञान से-यह इसका स्वभाव नहीं। वास्तव में इसका स्वभाव तो शांत रहना ही है। पानी स्वभाव से शीतल है, आंच पर रख देने से इसमें उष्णता आ गई है। आंच से उतारकर रखें, कुछ ही समय में यह पुनः अपने स्वभाव से शीतल हो जाएगा। इसी प्रकार मन का स्वभाव शांत रहना है, भटकना नहीं, चक्कर में रहना नहीं। संसार के प्राणी-पदार्थ अस्थिर हैं, चक्कर में हैं। अतः इनके संसर्ग में आकर मन भी अस्थिर हो गया है, इनसे अलग होकर देखें, कैसे मन एकाग्र एवं शांत होकर अपने सहज स्वभाव में आता है। मन स्थिर तो तब हो जब वह स्थिर सत्ता भगवान में लगे-

संकल्प-विकल्प करने में ही
जन्म सारा खो दिया,
एकाग्रता में सच्ची शांति
भूल तू इसको गया।
एकाग्र मन होगा तभी लग जाए
जब भगवान में,
उपराम होकर विषयों में
वृत्ति जमा अब ध्यान में॥

जिस वस्तु का स्वभाव है, वह किसी भी रूप में छोड़ा नहीं जा सकता। हां, स्वभाव पर जो अध्यारोप कर लिया जाता है, वही छोड़ा जा सकता है। यदि मन की चंचलता या विक्षेपता स्वाभाविक होती तो ऐसा कोई दृष्टांत नहीं मिलता कि आज तक किसी का मन एकाग्र हुआ है लेकिन ऐसा नहीं है। अनेक संतों, महापुरुषों एवं महात्माओं के जीवन इसके साक्षी हैं। उनके दिव्य जीवन चरित्र आज भी इस तथ्य एवं सत्य की व्यावहारिक रूप में पुष्टि कर रहे हैं कि एकाग्रता एवं शांतावस्था ही मन का स्वभाव है। चंचलता को अपने ऊपर स्वयं आरोपित किया गया है। जरा एक बार दृढ़ निश्चय करें और मन में अदम्य साहस, सच्ची लग्न तथा अविचल श्रद्धा रखते हुए ऐसा करके देखें कि क्या मन एकाग्र होता है अथवा नहीं? मन एकाग्र होगा और अवश्य होगा 'अथवा' कहकर मन को ढील में न आने दें- यह सोचकर कि जब अनेक महापुरुष एवं कल्याणकारी जिज्ञासु ऐसा कर चुके हैं तो मैं क्यों नहीं कर सकता?

एकाग्रता बनेगी, अनिवार्यरूप से बनेगी, मन में ऐसी दृढ़ निष्ठा रखें और लग जाएं इसी एक भाव में-

जब एक फार्मूला एक है तो प्रश्न हल होगा जरूर,
अनेकों इसे आजमा चुके, देख लो करके हुजूर।
दृढ़ निश्चय हो सच्ची लग्न, उत्साह अथक, अविचल श्रद्धा,
कल्याण में संदेह नहीं ऐसी तू दृढ़ निष्ठा बना॥

मन का वशीकरण संभव है

''हे प्रभो! मन बहुत चंचल, हठी, प्रमाथी और बलवान है जिसे वश में करना वायु के समान अत्यंक कठिन है।'' अर्जुन द्वारा इन शब्दों में मन की चंचलता प्रकट करने के पश्चात भगवान श्रीकृष्ण स्वयं स्वीकार करते हुए कहते हैं-''निःसंदेह, मन चंचल है लेकिन अभ्यास औरा वैराग्य के साधनों से इसे वश में किया जा सकता है।'' यदि मन को वश में करना असंभव होता तो भला भगवान श्रीकृष्ण ऐसा क्यो कहते? सर्वेश्वर ने स्वयं कहा है, इसलिए अब यह बात मन-बुद्धि में भली प्रकार बैठ जानी चाहिए कि मन वश में हो सकता है, मन की एकाग्रता बनाई जा सकती है, मन को किसी भी प्रकार से ऐसी ढील देना कि चंचलता इसका स्वभाव ही है- यह भयंकर भूल है। इस भूल को शीघ्र अति शीघ्र और अविलंब निकाल बाहर करते हुए इन दो अचूक उपायों से मन की चंचलता को सदा-सदा के लिए समाप्त करना होगा।

पत्नी की प्रताड़ना से कांप गई पति की रूह, सीसीटीवी कैमरे से खुला हैवान पत्नी का राज!

पति द्वारा चोरी से लगाए गए तीसरी आंख से खुला पत्नी की क्रूरता का राज

प्रखर एजेंसी। पति के हैवानियत की खबरें तो आपने बहुत सी सुनी होगी और देखी भी होगी। लेकिन आज हम अब आपको एक ऐसी कहानी बताने जा रहे हैं। जिसको सुनकर आपके पैरों तारे जमीन खिसक जाएगी। जी हां एक पत्नी की रूह कपा देने वाली दास्तान जो अपने पति को ऐसी प्रताड़ित करती रही जिससे पति की रूह तक कांप उठी। पत्नी की करतूत से बेरहम पत्नी और बेबस पति के बीच घटित अमानवीय पूरे घटनाक्रम ने रिश्तों की मयार्दा को भी तार-तार कर दिया। पति पर हमलावर हुई नशे में चूर पत्नी के दुस्साहस को देख खुद पुलिस अफसर भी हैरान हैं । बिजनौर जिले के गांव चकमहदूद सानी निवासी मन्नान जैदी के साथ हाथ पैर बांध कर साथ पत्नी द्वारा की गई दरिंदगी की इंतहा का ये पहला कारनामा नहीं है। बल्कि, इससे पूर्व भी वह पति मन्नान के साथ नशे की हालत में कई बार उत्पीड़न कर चुकी हैं। बतादे कि शराब, सिगरेट, गुटखा आदि नशीले पदार्थ की मांग पूरी न होने पर पति मन्नान पर जुल्म की इंतहा हुई हैं। पति का आरोप है कि उसकी पत्नी शादी के बाद से ही लगातार उसका शोषण करती आ रही है। पत्नी द्वारा बार-बार प्रताड़ित होने और किसी से शिकायत करने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी से आहत मन्नान ने घर के अंदर चोरी छिपे कैमरा लगा दिया था। इस कारण 29 अप्रैल को पत्नी द्वारा किए गए जुल्म की इंतहा कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। कैमरे की रिकॉर्डिंग में बिलकुल फिल्मी अंदाज में जबरन नशीला पदार्थ देकर हाथ बांध कर निजी अंग पर चाकू चलाना, जलती सिगरेट से जलाना, गला दबाना आदि साफ दिखाई दे रहा है। घटना की अगर वीडियो रिकॉर्डिंग नहीं होती तो शायद किसी को घटना पर विश्वास नहीं हो पाता। शादी से पहले आरोपी मेहरजहां ने मन्नान पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने की थाने में एक तहरीर भी दी थी। जिसपर कई दिन तक चली पंचायत के बाद मन्नान के परिजनों ने 17 नवंबर को मन्नान का निकाह आरोपी महिला से करा दिया था। बिजनौर के स्योहारा में एक महिला ने दरिंदगी दिखाते हुए अपने पति के हाथ पैर बांधकर जलती सिगरेट से उसके शरीर को बुरी तरह दागा। चाकू से उसका नाजुक अंग काटने का प्रयास किया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। आरोपी पत्नी को मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। ग्राम चक महदूद सानी निवासी साइबर कैफे संचालक मन्नान जैदी ने थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी 17 नवंबर 2023 को प्रेमिका मेहरजहां निवासी ग्राम शफियाबाद के साथ हुई थी। पत्नी की ज़िद पर वह अपने परिवार से अलग होकर किराये के मकान में रहने लगा।शादी के बाद पता चला कि पत्नी शराब, सिगरेट आदि का सेवन करती है। जब उसने विरोध किया तो लड़ाई झगड़ा, शारिरिक-मानसिक उत्पीड़न करने लगी और उसे जान से मारने की फिराक में लग गई। आरोप है कि 29 अप्रैल 2024 की मध्य रात्रि में दूध में कोई नशीला पदार्थ मिलाकर पत्नी मेहरजहां ने उसे पिला दिया। बदहवास होने पर उसके हाथ-पैर बांधकर गला दबाया। चाकू से नाजुक अंग काटने का प्रयास किया। जलती हुई सिगरेट से उसके नाजुक अंग पर कई जगह दागा। वह तड़पता और चिल्लाता रहा। यह सारी घटना सीसी टीवी कैमरे में कैद हो गई। इससे युवक के परिजन आक्रोशित हो गए। घटना की सीसीटीवी फुटेज देखकर पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर जेल दिया है। जीत सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक, स्योहारा ने बताया कि पीड़ित पति की तहरीर और पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर जबरन जहरीला पदार्थ खिलाने और हत्या के प्रयास आदि धाराओं में मुकदमा दर्ज आरोपी महिला मेहरजहां को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष किया गया। न्यायालय ने उसको जेल भेज दिया है।

प्रदेश के ठीकेदार एवं ट्रक ड्राइवर द्वारा राशन की दुकानों पर भीगा गेहूं चावल भेजा जा रहा है : गिरीश तिवारी

प्रखर वाराणसी आल इणियन फेयर प्राइज शाप डीलर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी एक बैठक में बताया कि प्रदेश में सरकार द्वारा गरीबों को मुफ्त राशन वितरण कराया जा रहा है।लगभग 16करोड लोगों को मुफ्त राशन दिया जाता है।यह कार्य प्रदेश के सभी जिलों में 80000हजार राशन डीलर करते हैं।पिछले दो वर्षों से सिंगल डोर स्टेप डिलीवरी लागू हुआ है।इसका मतलब सीधे ठीकेदारों द्वारा सरकारी गोदामों से खाद्यान्न लेकर राशन की दुकानों पर दिया जाना है। सरकार की पहल तो अच्छी है।कि इसमें कालाबाजारी की गुंजाइश नहीं है। लेकिन यह सबसे बडी कालाबाजारी का सोत्र बनते जा रहा है। इसमें ठीकेदारों और ट्रक ड्राइवर द्वारा रास्ते में गेहूं चावल को पानी मार कर फीगो दिया जा रहा है।और उसे कोटेदार को तौलकर दे दिया जा रहा है।जो टी डी चालान सरकारी गोदामों से 50किलोपर बोरी की वजन से कट रही है।उसे कोटेदार के 52किलो हो जा रहा है और रास्ते मे ट्रक पर ड्राइवर राशन चोरी कर ले रहा है। कोटेदार इसका शिकायत विभाग में करता है लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती है। बल्कि उस कोटेदार की जांच हो जाती है दुसरे दिन क्योंकि ठीकेदार हावी है।कोई कोटेदार सामने से खुलकर नही बोल पता।वह संगठन में अपनी बातें बैठक में कभी रखता है। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने कहा इसकी जानकारी प्रदेश के सभी जिलों से मिल रहा है। ड्राइवर रास्ते में गेहूं चावल पर पानी फेंकते हैं उसके बाद राशन की दुकान पर खाद्यान्न लेकर आते हैं और तौलने की बात करते हैं।पानी की वजह से दो तीन किलो वजन बढ जाता है।जब दस दिन बाद खाद्यान्न वितरण किया जाता है तो वही दो तीन किलो हर बोरी में कम हो जाता है।इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों को पहले किया गया है लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ।जल्द ही फिर से अधिकारियों को इसकी जानकारी दी जायेगी। यही हाल इस विभाग का हैं।कैसे कोटेदार इमानदारी से खाद्यान्न वितरण कर पायेगा जब उसे कम खाद्यान्न मिलेगा।

रेलवे लाइन पार करने में युवक का कटा पैर 108 एंबुलेंस में पहुंचा ट्रामा सेंटर वाराणसी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 108 एम्बुलेंस का प्रतिक्रिया समय के चलते आए दिन लोगो को जीवन दान मिल रहा है। सोमवार को शहर कोतवाली इलाके के सुखदेव चौराहा स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे लाइन क्रॉस करते हुए रविवार को एक युवक का दोनों पर बुरी तरह से कट गया। जिसकी जानकारी पर 108 एम्बुलेंस के द्वारा उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वही मामला क्रिटिकल होने के चलते डॉक्टर के द्वारा उसे ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया गया। जिसे 108 एंबुलेंस के माध्यम से बीएचयू ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया जहां पर उसका इलाज चल रहा है। 108 एंबुलेंस के प्रभारी दीपक राय ने बताया कि ट्रेन से मनोज गुप्ता निवासी तुलसी का पुल उम्र 48 के पैर कटने के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा 108 एंबुलेंस को कॉल किया गया था। इसके बाद बताए गए लोकेशन पर पायलट वाहिद खान और इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन राकेश कुमार तत्काल बताएं लोकेशन पर पहुंचे और घायल को मेडिकल कॉलेज स्थित जिला अस्पताल के इमरजेंसी में एडमिट कराया। जहां पर डॉ सुरेंद्र के द्वारा मरीज की हालत की गंभीरता को देखते हुए ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर किया गया। इसके पश्चात उसे 108 एंबुलेंस से ट्रामा सेंटर वाराणसी में एडमिट कराया गया जहां पर उसका इलाज चल रहा है।

कुएं में मिली लाश का पुलिस ने किया पर्दाफाश, प्रेम प्रपंच में हुई थी हत्या 3 गिरफ़्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी भुड़कुड़ा के निकट पर्यवेक्षण में दिनांक 04 मई 24 को थाना भुड़कुड़ा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम श्रीरामपुर रामबन में राम अखाड़ा के पास स्थित कुएँ में मृतक विशाल यादव उर्फ बागी पुत्र पारस नाथ सिंह यादव निवासी ग्राम श्रीरामपुर रामबन थाना भुड़कुड़ा जनपद गाजीपुर की हत्या कर शव फेंकने के प्रकरण में थाना भुड़कुड़ा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 44/ 2024 धारा 302/201 भादवि में स्वाट/सर्विलांस टीम व थाना भुड़कुड़ा पुलिस टीम द्वारा लगातार किये जा रहे प्रयास के फलस्वरुप सोमवार को मृतक विशाल यादव उर्फ बागी उपरोक्त की हत्या से संबंधित 03 नफर अभियुक्तगण नन्दन उर्फ छोटू यादव पुत्र रामप्यारे यादव, विवेक यादव उर्फ बिजली पुत्र राजदेव यादव तथा अमित उर्फ विशाल यादव पुत्र अशोक यादव निवासीगण ग्राम श्रीरामपुर रामबन थाना भुड़कुड़ा जनपद गाजीपुर को चौजा पुल से समय करीब 03.30 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तो में नन्दन उर्फ छोटू यादव

के द्वारा बताया गया कि मैं मृतक विशाल यादव उर्फ बागी की बहन से प्यार करता था, जिसके बारे में मृतक व उसके परिजन को जानकारी हो जाने पर मृतक विशाल ने मुझे काफी मारा-पीटा था व अपमानित किया था। इसके अतिरिक्त अमित उर्फ विशाल भी मृतक की बहन को चाहने लगा था। जिसकी जानकारी होने पर मृतक द्वारा मुझे व अमित दोनों को मारपीट व थूक चटवाया था । जिससे हम लोग काफी अपमानित महसूस कर रहे थे। इस अपमान का बदला लेने के लिए हम दोनों ने विवेक यादव उर्फ बिजली के साथ मिलकर मृतक की हत्या की साजिश कर पिछले तीन-चार दिनों से प्रयास में थे। उस रात गाँव में बाटी-चोखा का कार्यक्रम था, जिसमें हम-तीनों भी मृतक के साथ उपस्थित थे। बाद कार्यक्रम मृतक को विश्वास में लेकर उसे अलग ले गये, जहाँ मोटर-साइकिल के साकर व डण्डे से उसके सिर पर प्रहार कर उसकी हत्या कर दी व उसके शव को छिपाने के उद्देश्य से कुँए में फेंककर वहाँ से चले गये। अभियुक्तों की निशानदेही हत्या में प्रयुक्त मोटर साइकिल का साकर व लकड़ी का डण्डा आलाकत्ल तथा मृतक का मोबाइल बरामद किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक भुड़कुड़ा मय तथा प्रभारी स्वाट/सर्विलांस मय टीम जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

आम चुनाव में मतदान लोकमत बनाने का आधार होता है : रमेशजी

प्रखर ब्यूरो वाराणसी। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ काशी इकाई द्वारा आईआईटी बीएचयू में लोकमत एवं मतदाता विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। संगोष्ठी का शुभारम्भ वैदिक मंगलाचरण से हुआ। डॉ० सरोज कुमार पाण्डेय ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। प्रो० अंजू सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ० दीनानाथ सिंह ने कहा कि लोकमत का निर्माण मतदाता के जागरण पर ही आधारित है। अतः जन-जन को स्व कर्तव्य के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि काशी प्रान्त के प्रान्त प्रचारक श्री रमेश जी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कहा कि आम चुनाव में मतदान लोकमत बनाने का आधार होता है। मतदाता को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है, अन्यथा दांव पर होगा हम सभी का व्यक्तित्व और अस्तित्व। जो देश को एक राष्ट्र मानते नहीं, उनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केन्द्रीय विश्वविद्यालय झारखंड के कुलाधिपति प्रो० जे० पी० लाल जी ने कहा कि शिक्षक वही है जो राष्ट्र को एक सूत्र में बांध सके। नेक

इरादे और दृढ संकल्प के साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। कार्यक्रम में प्रोफे० आद्या प्रसाद पाण्डेय पूर्व कुलपति, केन्द्रीय वि० वि० मणिपुर, श्रीमती वीणा पाण्डेय पूर्व एमएलसी, प्रो० प्रेम नारायण सिंह, निदेशक आई० यू० सी० टी० ई०, प्रोफेसर ओ० पी० चौधरी, प्राचार्या प्रोफे० मिथिलेश सिंह, प्रोफे० डॉ० राघवेन्द्र कुमार पाण्डेय प्राचार्य पी० जी० कालेज, गाजीपुर, प्रोफे० प्रभात कुमार सिंह कार्यक्रम आयोजक, डॉ० अमिताभ मिश्र, डॉ० सुखपालजी श्रीवास्तव, प्रदीप कुमार यादव, डॉ० राघवेन्द्र सिंह, डॉ० सुमन सिंह, डॉ० राजेश सिंह सूर्यवंशी, डॉ० पवन सिंह, डॉ० श्रावण कुमार शुक्ल आदि सम्मानित गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ० जगदीश सिंह दीक्षित एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफे० मिथिलेश सिंह द्वारा किया गया।

श्री नारायण सिंह कौशिक पूरे लाव लश्कर के साथ बीजेपी में शामिल

अमर सिंह के करीबियों रहे हैं शामिल, गोरखपुर अयोध्या निर्वाचन से स्नातक के पूर्व प्रत्याशी

प्रखर गोरखपुर। समाजवादी पार्टी की राजनीति करने वाले श्री नारायण सिंह कौशिक अमर सिंह के करीबियों में गिने जाते रहे हैं । समाजवादी राजनीति से दूर होकर उन्होंने अमर सिंह की ही पार्टी लोकमंच से उन्होंने गोरखपुर अयोध्या से स्नातक का चुनाव भी लड़ा था । फिर अमर सिंह की सपा में वासपी के बाद से लगातार समाजवादी पार्टी की राजनीति करते रहे। 2024 लोकसभा चुनाव के ठीक पहले उनका बीजेपी में शामिल होने का फैसला समाजवादी पार्टी के लिए बड़ा झटका है । श्री नारायण सिंह कौशिक ने काफी संघर्षों के बाद अपनी राजनीतिक जीवनी तैयार की है स्वभाव से जुझारू प्रवृत्ति के श्री नारायण सिंह कौशिक संत कबीर नगर जनपद के प्रमुख उद्योगपति,पूर्व प्रबंध समिति सदस्य आचार्य नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज फैजाबाद ,पूर्व प्र.विधान परिषद सदस्य समाज में अपनी दमदार उपस्थिति के साथ प्रमुख मुद्दों को लेकर हमेशा जनता के बीच मौजूद रहने वाले श्री नारायण सिंह कौशिक किसानो और युवाओं के मुद्दों को बड़ी गंभीरता से उठाते हैं। भारतीय जनता पार्टी की नीतियों,विकासपरक कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी की गरिमामई उपस्थिति एवं संतकबीरनगर के जिला अध्यक्ष जगदंबा लाल श्रीवास्तव के कुशल मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया है। प्रखर पूर्वांचल से बात करते हुए श्री नारायण सिंह कौशिक ने कहा कि मोदी सरकार की नीतियां और प्रदेश में योगी सरकार का सुशासन उन्हें भारतीय जनता पार्टी की तरफ खींच लाया है उन्होंने कहा कि जिस तरह से युवाओं, महिलाओं और भारत की सीमाओं के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को एक कुशल नेतृत्व दे रहे हैं उससे यह साफ है कि आने वाले समय में भारत फिर विश्व गुरु बनने की राह पर अग्रसर है। उन्होंने प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि जिस तरह से कानून व्यवस्था को लेकर योगी आदित्यनाथ निर्णय लेते हैं। उसके कारण उत्तर प्रदेश विकास के पायदान पर सबसे अग्रणी राज्यों में शामिल होगा। श्री नारायण सिंह कौशिक अपने पूरे लाव लश्कर के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए सदस्यता ग्रहण के दौरान 62वीं लोकसभा क्षेत्र संतकबीरनगर से लोकसभा प्रत्याशी इंजीनियर प्रवीण निषाद , भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ,अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल , निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार में मंत्री माननीय संजय निषाद , सुभासपा प्रमुख एवं प्रदेश सरकार में मंत्री ओमप्रकाश राजभर ,पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा एवं देवरिया से माननीय सांसद श्री रमापति राम त्रिपाठी , लोकसभा प्रभारी श्री अजय सिंह गौतम,माननीय क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय एवं अमृता सिंह गुप्ता क्षेत्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा आदि गणमान्य नेता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

नोनहरा पुलिस ने किया गौ हत्या निवारण अधिनियम में वांछित गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी कासिमाबाद के निकट पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष नोनहरा के कुशल मार्गदर्शन में थाना नोनहरा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 49/23 धारा 3/5अ/5ब/8 गौ हत्या निवारण अधिनियम में वांछित अभियुक्त रविकांत पुत्र मुन्नीलाल निवासी ग्राम कथरिया थाना नरही जनपद बलिया को मुखबीर खास की सूचना पर बौरी पुल से सोमवार समय 7.00 बजे सुबह उप निरीक्षक सचिन सिंह मय हमराह द्वारा गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरूद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम उप निरीक्षक सचिन सिंह थाना नोनहरा, कांस्टेबल आनन्द राही थाना नोनहरा जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

कंपोजिट विद्यालय के छात्रों को किया गया पुरस्कृत

दुल्लहपुर। गाजीपुर। क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय सिंधु बारी के परिसर में छात्र प्रतिभा सम्मान तथा शिक्षा का जीवन में महत्व बिषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों ने भाग लिया और कार्यक्रम की सराहना की। आमंत्रित अभिभावकों ने जोर देते हुए कहा कि ऐसे प्रेरणा दायक कार्यक्रम समय-समय पर होते रहना चाहिए। ऐसे कार्यक्रम के आयोजन से बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा में निखार आता है। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप जलाकर किया गया। प्रधानाध्यापक लालजी विश्वकर्मा ने अभिभावकों को अपने पाल्य के प्रति जागरूक रहने के लिए हृदय से धन्यवाद दिया ।अच्छे अंक हासिल करने वाले छात्रों को जहां मेडल देकर सम्मानित किया वहीं विद्यालय के सभी छात्रों को टार्च देकर उनका उत्साह बर्धन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संतु चौहान तथा संचालन मेधा गुप्ता ने किया। इस मौके पर रमाशंकर चौहान राजेंद्र प्रजापति शिवानंद चौहान रेनू भारती पुष्पा यादव सीमा चौहान रीता चौहान आदि उपस्थित रहे।

राज्य कर्मचारी परिषद ने किया समस्याग्रस्त कार्मिकों को चुनाव से पृथक करने की अपील

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गाजीपुर राज्य कर्मचारी संयुक्त राष्ट्र जनपद शाखा गाजीपुर का शीर्ष प्रतिनिधि मण्डल जिलाध्यक्ष इं सुरेंद्र प्रताप के नेतृत्व एवम पूर्व जिलाध्यक्ष, संरक्षक अम्बिका दूबे के संरक्षण में बिकास भवन स्थित सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी कार्मिक,एवम मुख्य बिकास अधिकारी से मिला एवम लोक सभा सामान्य निर्वाचन कार्य में लगे मतदान कर्मियो की मानवीय समस्याओं से संबंधित लिखित मांग पत्र सौंपा एवम अपील की कि गम्भीर रूप से बीमार, गर्भवती महिला कार्मिकों, दिव्यांग, पति पत्नी यदि दोनो सेवा में हैं तो किसी एक को मतदान कार्य से पृथक करने, मतदान कार्मिकों को मतदेय स्थल तक जाने के लिए बसों का व्यापक प्रबन्ध करने, एवम मतदान के पश्चात मत गणना स्थल से कर्मचारियों को जिला मुख्यालय तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाय, किसी भी हालत में मालवाहक वाहनों का प्रयोग मतदान कार्मिकों के आवागमन हेतु न किया जाय, निर्वाचन कार्य में लगे कर्मचारियों के निर्धारित मानदेय का अग्रिम भुगतान उनके बैंक खाते में किया जाय, साथ ही मतदान कार्मिकों के सुरक्षा एवम स्वास्थ के लिए विशेष व्यवस्था की जाय, जिलाध्यक्ष इं सुरेंद्र प्रताप एवम जिला मंत्री बैजनाथ तिवारी ने सीडीओ को आश्वस्त किया कि निर्वाचन कार्य को निष्पक्ष एवम निर्भीकता से सम्पन्न कराने को कृत संकल्पित हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी कार्मिक ने कर्मचारियों को हर सम्भव सहयोग करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधि मण्डल में मुख्य रूप से अम्बिका दूबे धर्मेंद्र यादव धीरु, अरुण सिंह, सुबास सिंह, बृजेश यादव, जमुना यादव, सूर्यकांत कुमार, संदीप शर्मा, आदि उपस्थित रहे।

काशी विद्यापीठ : बी.एफ.ए. की प्रायोगिक परीक्षाएं 10 मई से

वाराणसी। ललित कला विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में संचालित बी.एफ.ए. पाठ्यक्रम सत्र 2023-24 वार्षिक प्रायोगिक परीक्षाएं 10 मई 2024 से शुरू होंगी। विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि बी.एफ.ए. प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ खंड की प्रायोगिक परीक्षाएं 10 मई से दो पालियों (प्रथम पाली- पूर्वाह्न 10:30 बजे से अपराह्न 1 बजे तक एवं द्वितीय पाली- अपराह्न 1:30 बजे से 4 बजे तक) में होंगी। परीक्षा की समय सारिणी काशी विद्यापीठ की वेबसाइट पर अपलोड है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं